PANKAJ NAKRA

05 Jan 1969

12:15 PM

New Delhi

Model: Web-Yearly-Horoscope-Combo

Order No: 117201901

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
05/01/1969	जन्म तिथि	**05/01/2025**
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 12:15:00	जन्म समय	20:56:15 घंटे
घटी 12:30:00	जन्म समय(घटी)	34:13:00 घटी
India	देश	India
New Delhi	स्थान	New Delhi
उत्तर 28:36:50	अक्षांश	28:36:50 उत्तर
पूर्व 77:12:31	रेखांश	77:12:31 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:10	स्थानिक संस्कार	-00:21:10 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:00	सूर्योदय	07:15:02
17:38:10	सूर्यास्त	17:38:31
23:25:27	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:24
मीन	लग्न	सिंह
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कर्क	राशि	मीन
चन्द्र	राशि-स्वामी	गुरु
पुष्य	नक्षत्र	उ०भाद्रपद
शनि	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	1
वैधृति	योग	वरियान
तैतिल	करण	गर
हे-हेमन्त	जन्म नामाक्षर	दू-दूती
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	जलचर
मेष	योनि	गौ
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	सर्प
56	गत/तत्कालिक वर्ष	57

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व अ
रेवती	3	25:09:47	मीन	
पूर्वाषाढ़ा	3	21:20:28	धनु	
पुष्य	2	08:00:34	कर्क	
स्वाति	2	10:10:53	तुला	
उत्तराषाढ़ा	4	07:44:28	मक	
हस्त	1	12:15:50	कन्या	
शतभिषा	1	07:04:26	कुंभ	
रेवती	3	25:28:25	मीन	
उ०भाद्रपद	3	10:11:10	मीन	व
हस्त	1	10:11:10	कन्या	व
हस्त	1	10:34:49	कन्या	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न		सिंह	04:30:33	2	मघा
सूर्य		धनु	21:20:28	3	पूर्वाषाढ़ा
चंद्र		मीन	03:42:29	1	उ०भाद्रपद
मंगल	व	कर्क	06:05:28	1	पुष्य
बुध		धनु	01:52:30	1	मूल
गुरु	व	वृष	18:32:27	3	रोहिणी
शुक्र		कुंभ	08:26:06	1	शतभिषा
शनि		कुंभ	20:40:58	1	पू०भाद्रपद
राहु	व	मीन	06:13:45	1	उ०भाद्रपद
केतु	व	कन्या	06:13:45	3	उ०फाल्गुनी
मु		वृश्चि	25:09:47	3	ज्येष्ठा

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:24

लग्न-चलित

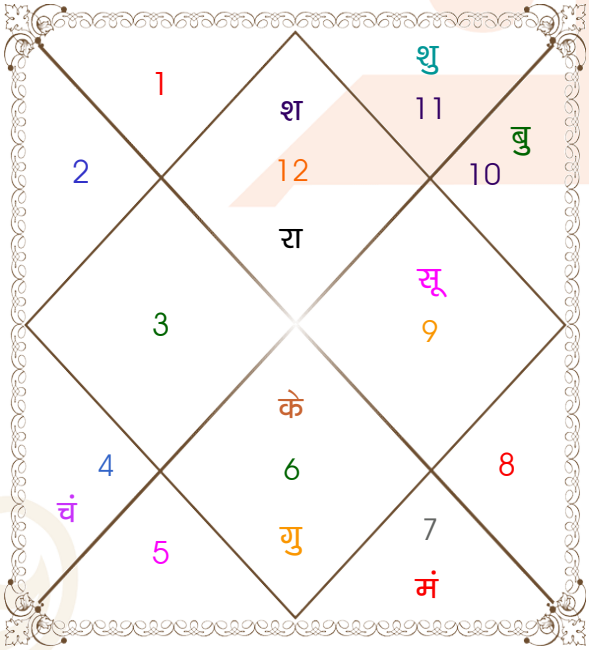

वर्ष लग्न कुंडली

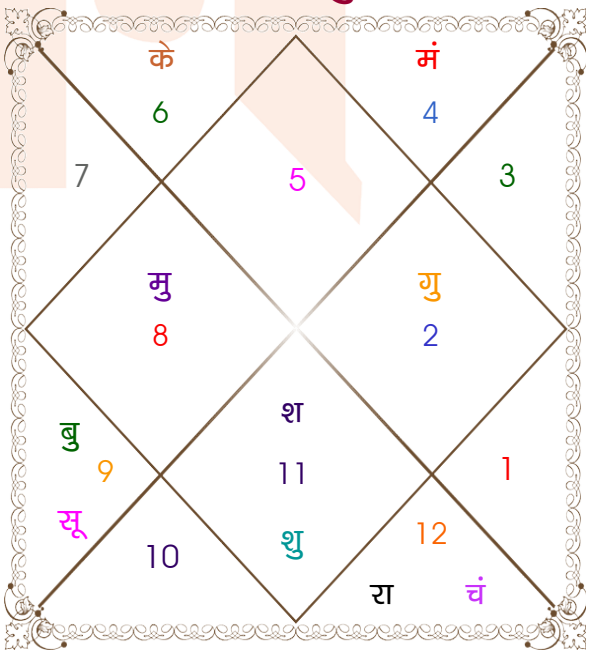

चन्द्र कुंडली

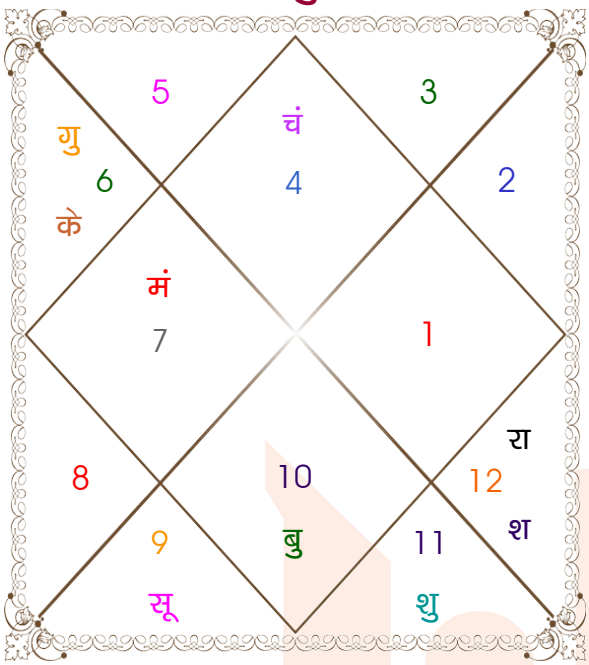

वर्ष चन्द्र कुंडली

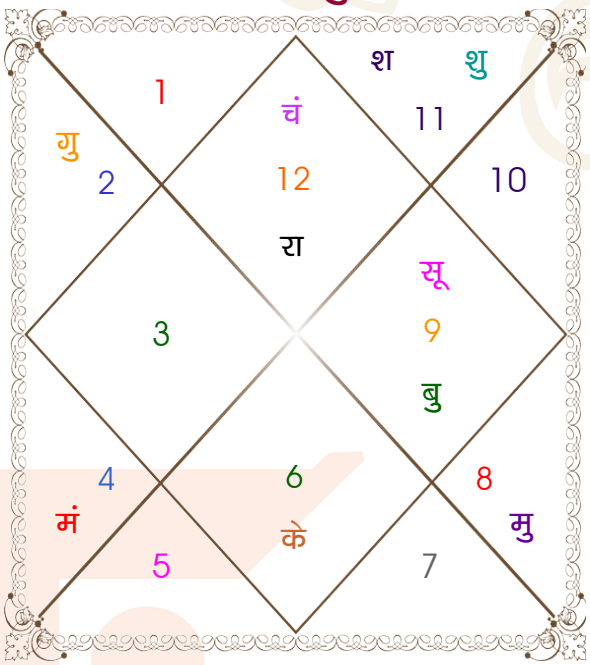

नवमांश कुंडली

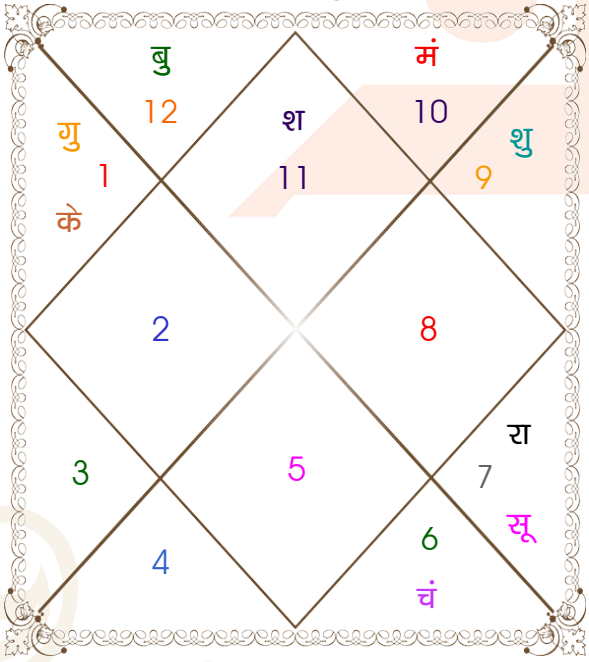

वर्ष नवमांश कुंडली

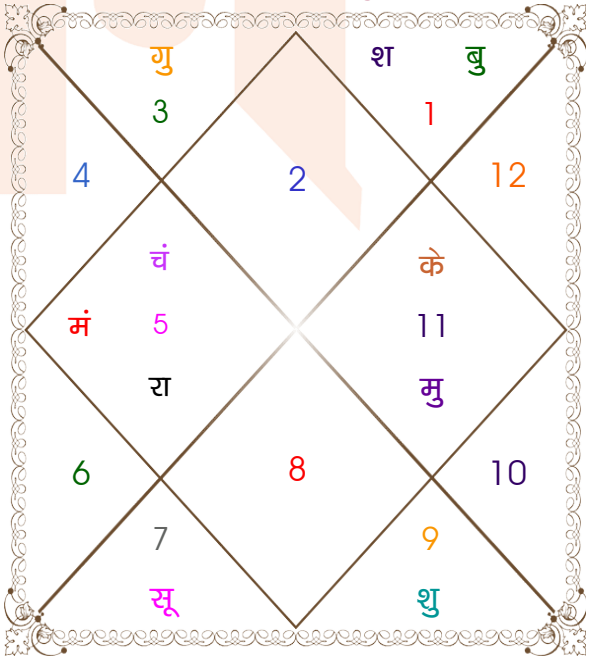

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	सम	शत्रु	सम	मित्र	मित्र
चन्द्र	शत्रु	---	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम
मंगल	सम	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम
बुध	शत्रु	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	मित्र
गुरु	सम	मित्र	मित्र	सम	---	शत्रु	शत्रु
शुक्र	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	---	शत्रु
शनि	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सिंह	धनु	मीन	कर्क	धनु	वृष	कुंभ	कुंभ
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	कुंभ	कुंभ	मक	वृष	मिथु	कर्क	तुला	कर्क
चतुर्थांश	सिंह	मिथु	मीन	कर्क	धनु	वृश्चि	वृष	सिंह
पंचमांश	मेष	मिथु	वृष	कन्या	मेष	मक	कुंभ	मिथु
षष्ठांश	मेष	सिंह	तुला	वृश्चि	मेष	मक	वृष	सिंह
सप्तमांश	कन्या	मेष	कन्या	कुंभ	धनु	मीन	मीन	मिथु
अष्टमांश	कन्या	तुला	वृष	वृष	वृष	धनु	तुला	मक
नवमांश	वृष	तुला	सिंह	सिंह	मेष	मिथु	धनु	मेष
दशमांश	कन्या	कर्क	धनु	वृष	धनु	कर्क	मेष	सिंह
एकादशांश	सिंह	मिथु	मीन	सिंह	वृश्चि	तुला	मेष	सिंह
द्वादशांश	कन्या	सिंह	मेष	कन्या	धनु	धनु	वृष	तुला

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	स्व
होरा	शत्रु	स्व	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	सम
द्रेष्काण	मित्र	सम	सम	स्व	मित्र	स्व	सम
चतुर्थांश	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	मित्र	स्व	मित्र
पंचमांश	शत्रु	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र
षष्ठांश	स्व	सम	स्व	सम	शत्रु	स्व	मित्र
सप्तमांश	सम	शत्रु	सम	सम	स्व	शत्रु	मित्र
अष्टमांश	मित्र	सम	सम	मित्र	स्व	स्व	स्व
नवमांश	मित्र	शत्रु	सम	सम	सम	शत्रु	सम
दशमांश	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	सम	मित्र
एकादशांश	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	सम	मित्र
द्वादशांश	स्व	मित्र	सम	सम	स्व	स्व	शत्रु
शुभ	5	6	4	2	6	6	8
सम	2	4	8	9	2	2	3
अशुभ	5	2	0	1	4	4	1
कुल	सम	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	5
तृतीय बल	5	5	5	0	5	5	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	5	10	5	5	5	10	15
बल	क्षीण	सामान्य	क्षीण	क्षीण	क्षीण	सामान्य	बली

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	22.50	22.50	15.00	7.50	7.50	30.00
उच्च बल	7.93	13.41	2.43	11.46	14.84	14.60	6.59
हददा बल	7.50	7.50	7.50	7.50	15.00	11.25	7.50
द्रेष्काण	7.50	5.00	5.00	10.00	7.50	10.00	5.00
नवमांश	3.75	1.25	2.50	2.50	2.50	1.25	2.50
कुल	41.68	49.66	39.93	46.46	47.34	44.60	51.59
विंशोपक	10.42	12.42	9.98	11.61	11.83	11.15	12.90
बल	शुभ	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	11.83	अशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	सूर्य	10.42	अतिशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	9.98	दृष्टि नहीं	गुरु
दिवापति	गुरु	11.83	अशुभ	
त्रिराशिपति	सूर्य	10.42	अतिशुभ	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	वृष	22:08:32	शुक्र	02/04/2025
गुरु	वृश्चिक	16:52:33	मंगल	06/06/2025
ज्ञान	वृश्चिक	16:52:33	मंगल	06/06/2025
यश	कन्या	08:06:38	बुध	27/09/2025
मित्र	सिंह	13:42:04	सूर्य	07/07/2025
माहात्म्य	तुला	18:27:28	शुक्र	11/10/2025
आशा	कर्क	22:15:40	चन्द्र	12/04/2025
समर्थ	मकर	19:45:33	शनि	12/01/2026
भातृ	धनु	02:22:02	गुरु	20/08/2025
गौरव	वृश्चिक	06:30:30	मंगल	24/05/2025
राजा	मिथुन	05:10:03	बुध	17/05/2025
पितृ	मिथुन	05:10:03	बुध	17/05/2025
मातृ	कर्क	09:14:10	चन्द्र	03/04/2025
सुत	वृश्चिक	19:20:31	मंगल	08/06/2025
जीव	वृष	06:39:04	शुक्र	20/03/2025
अम्बु	कर्क	09:14:10	चन्द्र	03/04/2025
कर्म	मकर	00:17:35	शनि	21/12/2025
रोग	मीन	03:42:29	गुरु	29/11/2025
कामदेव	वृष	22:08:32	शुक्र	02/04/2025
कलि	तुला	22:03:34	शुक्र	15/10/2025
क्षेम	तुला	22:03:34	शुक्र	15/10/2025
शास्त्र	कन्या	04:01:01	बुध	23/09/2025
बन्धु	वृष	02:40:34	शुक्र	16/03/2025
बंधक	वृष	02:40:34	शुक्र	16/03/2025
मृत्यु	मीन	20:45:47	गुरु	19/12/2025

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	वृष	01:29:07	शुक्र	15/03/2025
अर्थ	वृष	06:25:20	शुक्र	20/03/2025
परदारा	तुला	21:36:10	शुक्र	15/10/2025
अन्यकर्म	कन्या	17:32:04	बुध	06/10/2025
वणिक	धनु	06:20:31	गुरु	24/08/2025
कार्यसिद्धि	सिंह	17:52:57	सूर्य	10/07/2025
विवाह	कर्क	22:15:40	चन्द्र	12/04/2025
प्रसूति	कुम्भ	21:10:30	शनि	04/01/2025
संताप	धनु	20:45:47	गुरु	10/09/2025
श्रद्धा	मीन	06:51:11	गुरु	03/12/2025
प्रीति	मकर	29:14:34	शनि	23/01/2026
बल	कन्या	08:06:38	बुध	27/09/2025
देह	कन्या	08:06:38	बुध	27/09/2025
जाडय	वृष	17:17:00	शुक्र	29/03/2025
व्यापार	मेष	08:43:30	मंगल	12/10/2025
जलपतन	वृष	17:17:00	शुक्र	29/03/2025
शत्रु	मकर	19:55:03	शनि	13/01/2026
शौर्य	मिथुन	20:33:37	बुध	28/05/2025
उपाय	वृष	06:39:04	शुक्र	20/03/2025
दरिद्रता	वृष	22:08:32	शुक्र	02/04/2025
गुरुता	धनु	23:10:05	गुरु	13/09/2025
जलपथ	मकर	28:49:35	शनि	23/01/2026
बंधन	धनु	05:58:07	गुरु	24/08/2025
कन्या	कर्क	09:14:10	चन्द्र	03/04/2025
अश्व	धनु	03:52:06	गुरु	21/08/2025

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

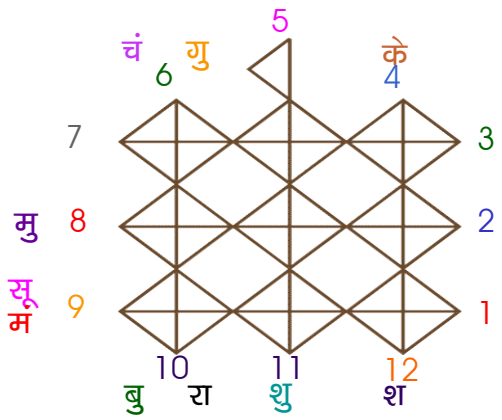

पात्यंश दशा

बुध		चंद्र		लग्न		मंगल		शुक्र	
05/01/2025		06/02/2025		10/03/2025		24/03/2025		20/04/2025	
06/02/2025		10/03/2025		24/03/2025		20/04/2025		30/05/2025	
बुध	08/01/2025	चंद्र	09/02/2025	लग्न	10/03/2025	मंगल	26/03/2025	शुक्र	24/04/2025
चंद्र	11/01/2025	लग्न	10/02/2025	मंगल	11/03/2025	शुक्र	29/03/2025	गुरु	13/05/2025
लग्न	12/01/2025	मंगल	13/02/2025	शुक्र	13/03/2025	गुरु	10/04/2025	शनि	17/05/2025
मंगल	15/01/2025	शुक्र	16/02/2025	गुरु	19/03/2025	शनि	13/04/2025	सूर्य	18/05/2025
शुक्र	18/01/2025	गुरु	03/03/2025	शनि	21/03/2025	सूर्य	14/04/2025	बुध	22/05/2025
गुरु	02/02/2025	शनि	06/03/2025	सूर्य	21/03/2025	बुध	16/04/2025	चंद्र	25/05/2025
शनि	05/02/2025	सूर्य	07/03/2025	बुध	22/03/2025	चंद्र	19/04/2025	लग्न	27/05/2025
सूर्य	06/02/2025	बुध	10/03/2025	चंद्र	24/03/2025	लग्न	20/04/2025	मंगल	30/05/2025

गुरु		शनि		सूर्य		सूर्य		सूर्य	
30/05/2025		19/11/2025		25/12/2025		25/12/2025		25/12/2025	
19/11/2025		25/12/2025		06/01/2026		06/01/2026		06/01/2026	
गुरु	20/08/2025	शनि	22/11/2025	सूर्य	26/12/2025	सूर्य	26/12/2025	सूर्य	26/12/2025
शनि	06/09/2025	सूर्य	24/11/2025	बुध	27/12/2025	बुध	27/12/2025	बुध	27/12/2025
सूर्य	11/09/2025	बुध	27/11/2025	चंद्र	28/12/2025	चंद्र	28/12/2025	चंद्र	28/12/2025
बुध	27/09/2025	चंद्र	30/11/2025	लग्न	28/12/2025	लग्न	28/12/2025	लग्न	28/12/2025
चंद्र	11/10/2025	लग्न	01/12/2025	मंगल	29/12/2025	मंगल	29/12/2025	मंगल	29/12/2025
लग्न	18/10/2025	मंगल	04/12/2025	शुक्र	30/12/2025	शुक्र	30/12/2025	शुक्र	30/12/2025
मंगल	31/10/2025	शुक्र	08/12/2025	गुरु	04/01/2026	गुरु	04/01/2026	गुरु	04/01/2026
शुक्र	19/11/2025	गुरु	25/12/2025	शनि	06/01/2026	शनि	06/01/2026	शनि	06/01/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

केतु		शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल	
05/01/2025		27/01/2025		29/03/2025		16/04/2025		16/05/2025	
27/01/2025		29/03/2025		16/04/2025		16/05/2025		07/06/2025	
केतु	07/01/2025	शुक्र	06/02/2025	सूर्य	29/03/2025	चंद्र	18/04/2025	मंगल	17/05/2025
शुक्र	10/01/2025	सूर्य	09/02/2025	चंद्र	31/03/2025	मंगल	20/04/2025	राहु	21/05/2025
सूर्य	11/01/2025	चंद्र	14/02/2025	मंगल	01/04/2025	राहु	25/04/2025	गुरु	24/05/2025
चंद्र	13/01/2025	मंगल	17/02/2025	राहु	04/04/2025	गुरु	29/04/2025	शनि	27/05/2025
मंगल	14/01/2025	राहु	27/02/2025	गुरु	06/04/2025	शनि	04/05/2025	बुध	30/05/2025
राहु	17/01/2025	गुरु	07/03/2025	शनि	09/04/2025	बुध	08/05/2025	केतु	31/05/2025
गुरु	20/01/2025	शनि	16/03/2025	बुध	12/04/2025	केतु	10/05/2025	शुक्र	04/06/2025
शनि	24/01/2025	बुध	25/03/2025	केतु	13/04/2025	शुक्र	15/05/2025	सूर्य	05/06/2025
बुध	27/01/2025	केतु	29/03/2025	शुक्र	16/04/2025	सूर्य	16/05/2025	चंद्र	07/06/2025

राहु		गुरु		शनि		बुध		बुध	
07/06/2025		31/07/2025		18/09/2025		15/11/2025		15/11/2025	
31/07/2025		18/09/2025		15/11/2025		06/01/2026		06/01/2026	
राहु	15/06/2025	गुरु	07/08/2025	शनि	27/09/2025	बुध	22/11/2025	बुध	22/11/2025
गुरु	22/06/2025	शनि	15/08/2025	बुध	05/10/2025	केतु	25/11/2025	केतु	25/11/2025
शनि	01/07/2025	बुध	21/08/2025	केतु	09/10/2025	शुक्र	04/12/2025	शुक्र	04/12/2025
बुध	09/07/2025	केतु	24/08/2025	शुक्र	18/10/2025	सूर्य	06/12/2025	सूर्य	06/12/2025
केतु	12/07/2025	शुक्र	01/09/2025	सूर्य	21/10/2025	चंद्र	11/12/2025	चंद्र	11/12/2025
शुक्र	21/07/2025	सूर्य	04/09/2025	चंद्र	26/10/2025	मंगल	14/12/2025	मंगल	14/12/2025
सूर्य	24/07/2025	चंद्र	08/09/2025	मंगल	29/10/2025	राहु	22/12/2025	राहु	22/12/2025
चंद्र	28/07/2025	मंगल	11/09/2025	राहु	07/11/2025	गुरु	28/12/2025	गुरु	28/12/2025
मंगल	31/07/2025	राहु	18/09/2025	गुरु	15/11/2025	शनि	06/01/2026	शनि	06/01/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

सूर्य - चंद्र - मंगल	
10/09/2025 06:19	
20/09/2025 22:00	
मंगल	10/09/2025 21:14
राहु	12/09/2025 11:35
गुरु	13/09/2025 21:40
शनि	15/09/2025 14:09
बुध	17/09/2025 02:23
केतु	17/09/2025 17:18
शुक्र	19/09/2025 11:54
सूर्य	20/09/2025 00:41
चंद्र	20/09/2025 22:00

सूर्य - चंद्र - राहु	
20/09/2025 22:00	
18/10/2025 07:27	
राहु	25/09/2025 00:37
गुरु	28/09/2025 16:16
शनि	03/10/2025 00:22
बुध	06/10/2025 21:30
केतु	08/10/2025 11:51
शुक्र	13/10/2025 01:26
सूर्य	14/10/2025 10:18
चंद्र	16/10/2025 17:06
मंगल	18/10/2025 07:27

सूर्य - चंद्र - गुरु	
18/10/2025 07:27	
11/11/2025 15:51	
गुरु	21/10/2025 13:22
शनि	25/10/2025 09:54
बुध	28/10/2025 20:41
केतु	30/10/2025 06:46
शुक्र	03/11/2025 08:10
सूर्य	04/11/2025 13:24
चंद्र	06/11/2025 14:06
मंगल	08/11/2025 00:11
राहु	11/11/2025 15:51

सूर्य - चंद्र - शनि	
11/11/2025 15:51	
10/12/2025 13:49	
शनि	16/11/2025 05:43
बुध	20/11/2025 08:02
केतु	22/11/2025 00:31
शुक्र	26/11/2025 20:11
सूर्य	28/11/2025 06:53
चंद्र	30/11/2025 16:43
मंगल	02/12/2025 09:12
राहु	06/12/2025 17:17
गुरु	10/12/2025 13:49

सूर्य - चंद्र - बुध	
10/12/2025 13:49	
05/01/2026 10:45	
बुध	14/12/2025 05:47
केतु	15/12/2025 18:00
शुक्र	20/12/2025 01:30
सूर्य	21/12/2025 08:32
चंद्र	23/12/2025 12:17
मंगल	25/12/2025 00:30
राहु	28/12/2025 21:38
गुरु	01/01/2026 08:26
शनि	05/01/2026 10:45

सूर्य - चंद्र - केतु	
05/01/2026 10:45	
16/01/2026 02:25	
केतु	06/01/2026 01:40
शुक्र	07/01/2026 20:16
सूर्य	08/01/2026 09:03
चंद्र	09/01/2026 06:22
मंगल	09/01/2026 21:17
राहु	11/01/2026 11:38
गुरु	12/01/2026 21:43
शनि	14/01/2026 14:12
बुध	16/01/2026 02:25

सूर्य - चंद्र - शुक्र	
16/01/2026 02:25	
15/02/2026 12:55	
शुक्र	21/01/2026 04:10
सूर्य	22/01/2026 16:42
चंद्र	25/01/2026 05:34
मंगल	27/01/2026 00:11
राहु	31/01/2026 13:45
गुरु	04/02/2026 15:09
शनि	09/02/2026 10:49
बुध	13/02/2026 18:18
केतु	15/02/2026 12:55

सूर्य - चंद्र - सूर्य	
15/02/2026 12:55	
24/02/2026 16:04	
सूर्य	15/02/2026 23:53
चंद्र	16/02/2026 18:08
मंगल	17/02/2026 06:55
राहु	18/02/2026 15:48
गुरु	19/02/2026 21:01
शनि	21/02/2026 07:43
बुध	22/02/2026 14:46
केतु	23/02/2026 03:33
शुक्र	24/02/2026 16:04

सूर्य - मंगल - मंगल	
24/02/2026 16:04	
04/03/2026 03:03	
मंगल	25/02/2026 02:31
राहु	26/02/2026 05:21
गुरु	27/02/2026 05:13
शनि	28/02/2026 09:33
बुध	01/03/2026 10:55
केतु	01/03/2026 21:21
शुक्र	03/03/2026 03:11
सूर्य	03/03/2026 12:08
चंद्र	04/03/2026 03:03

सूर्य - मंगल - राहु	
04/03/2026 03:03	
23/03/2026 07:15	
राहु	07/03/2026 00:04
गुरु	09/03/2026 13:26
शनि	12/03/2026 14:18
बुध	15/03/2026 07:30
केतु	16/03/2026 10:21
शुक्र	19/03/2026 15:03
सूर्य	20/03/2026 14:04
चंद्र	22/03/2026 04:25
मंगल	23/03/2026 07:15

सूर्य - मंगल - गुरु	
23/03/2026 07:15	
09/04/2026 08:20	
गुरु	25/03/2026 13:48
शनि	28/03/2026 06:34
बुध	30/03/2026 16:31
केतु	31/03/2026 16:23
शुक्र	03/04/2026 12:34
सूर्य	04/04/2026 09:01
चंद्र	05/04/2026 19:07
मंगल	06/04/2026 18:58
राहु	09/04/2026 08:20

सूर्य - मंगल - शनि	
09/04/2026 08:20	
29/04/2026 14:07	
शनि	12/04/2026 13:15
बुध	15/04/2026 10:04
केतु	16/04/2026 14:25
शुक्र	19/04/2026 23:22
सूर्य	20/04/2026 23:40
चंद्र	22/04/2026 16:09
मंगल	23/04/2026 20:29
राहु	26/04/2026 21:21
गुरु	29/04/2026 14:07

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह शनि (कुंभ 20:40:58), एवं शीघ्र गति ग्रह सूर्य (धनु 21:20:28), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग सामान्यतया अच्छा नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस समय आपको शत्रु वर्ग से परेशानी होगी तथा प्रतियोगी परीक्षा चुनाव या मुकद्दमे आदि में सफलता में कमी आएगी। इस समय ऋण या रोग मुक्ति में भी विलम्ब होगा। इस वर्ष दाम्पत्य जीवन में भी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है तथा परस्पर मतभेद के कारण संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा। व्यापार में साझेदार से भी ऐसे समय में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं राजनीति में भी विशेष सफलता कम ही मिलेगी। अतः ऐसे समय में आपको धैर्यपूर्वक समय व्यतीत करना चाहिए।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

यमया योग सूर्य तथा गुरु के मध्य है क्योंकि शनि मन्दगति ग्रह है तथा लग्नेश एवं कार्येश दोनों को देखता है।

इस योग के शुभ प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी यदि नौकरी पर है तो पदोन्नति का अवसर मिलेगा जिससे मान सम्मान एवं अधिकारों की वृद्धि होगी। व्यापार के क्षेत्र में व्यापार में विस्तार होगा अथवा कोई नया कार्य प्रारंम्भ होगा जिससे भविष्य में लाभ के प्रबल योग बनेंगे। धनार्जन की दृष्टि से वर्ष उत्तम फलदायी होगा। इस समय आपकी आय में वृद्धि होगी तथा आप के आय स्रोत एक से अधिक होगें जिससे आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। इसके अतिरिक्त प्रभावशाली लोंगो से भी सम्पर्क स्थापित होंगे।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, कूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश बलवान है। अतः कुत्थ योग की सृष्टि हो रही है।

इस योग के प्रभाव से इस वर्ष में आपकी आय में आशातीत वृद्धि होगी जिसके

आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। इस समय आपकी महत्वाकाक्षाएं भी पूर्ण होंगी तथा विलम्बित इच्छाओं की पूति में आपको सफलता मिलेगी। साथ ही उच्चधिकार प्राप्त लोगों से आपके सम्पर्क स्थापित होंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने मे आपको सफलता मिलेगी। बडे भाई से इस वर्ष में आपको वांछित सहयोग एवं लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त शुत्रु एवं विपक्ष पर अपना प्रभाव स्थापित करने में समर्थ होंगे। इसी परिपेक्ष्य में आप कोई मुकद्दमा या चुनाव जीत सकते है या किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शरीर से कष्ट की अनुभूति करेंगे जिससे दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यो को यथासमय पूर्ण करने में भी आप असमर्थ रहेंगे।मानसिक रूप से इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष भी आपका प्रबल रहेगा तथा आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आपको काफी असुविधा होगी। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपकी मान हानि की भी संभावना रहेगी यह या तो आपके स्वयं के कार्यो से होगी अथवा जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपका कोई संबध न हो। अतः ऐसे अवसरों से आपको अत्यंत ही सावधान रहना चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ उच्चाधिकारी या सहयोगी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में भी इस समय रूकावटें उत्पन्न होंगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप असमर्थ रहेंगे।फलतः आर्थिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी इसके अतिरिक्त बेरोजगारों को कार्य मिलने में अत्यंत ही कठिनाई रहेगी।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट एवं परेशानी से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय रक्त विकार संबधी कोई परेशानी भी हो सकती है।मानसिक रूप से भी इस समय आप चिन्तित तथा असन्तुष्ट रहेंगे। मित्र एवं संबधियों से इस समय आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव की भी संभावना रहेगी तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। संतति पक्ष के लिए भी यह वर्ष मध्यम रहेगा तथा उनके सुख एवं सहयोग में भी अल्पता रहेगी। परन्तु अपने कार्य क्षेत्र में वे परिश्रम पूर्वक उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस वर्ष में विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा लाभ मार्ग अवरूद्ध रहेंगे जिससे आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा इसमें अनावश्यक व्यवधान तथा समस्याएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में आपकी उन्नति तथा लाभ में न्यूनता रहेगी तथा नौकरी या कार्य क्षेत्र में पदोन्नति में विलम्ब तथा रूकावटें उत्पन्न होंगी। साथ ही विरोधी पक्ष भी इस समय प्रबल रहेगा अतः ऐसे समय में आपको नवीन कार्य प्रारंभ नहीं करने चाहिए तथा सहयोगियों तथा साझेदारों से भी सावधान रहना चाहिए। इस वर्ष में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे फलतः ये आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उन्नति एवं लाभ अर्जित करने के लिए इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा यदा कदा आपको अस्वस्थता की अनुभूति होगी जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध भी उत्पन्न होगा । साथ ही मानसिक स्थिति भी मध्यम रहेगी एवं व्याकुलता तथा अशान्ति की आप समय समय पर अनुभूति करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में न्यूनता रहेगी तथा कार्यो में परेशानी होगी । संतति पक्ष के लिए भी समय अच्छा नहीं रहेगा तथा उनके सुख एवं स्वास्थ्य में अल्पता रहेगी। साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में वे सामान्य सफलता अर्जित करेंगे। स्त्री से भी इस समय संबंधों में तनाव रहेगा फलतः दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता की अनुभूति होगी। धार्मिक कार्य कलापों में भी आपकी विशेष रूचि नहीं रहेगी तथा इनके प्रति आप उपेक्षा का ही प्रदर्शन करेंगे। इसके अतिरिक्त भौतिक सुख संसाधन भी आप परिश्रम एवं संघर्ष से प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष सामान्य उन्नति दायक रहेगा तथापि यदा कदा आपको व्यापार में समस्याओं का सामना करना पड़ेगा परन्तु इनका समाधान करने में आप समर्थ रहेंगे । नौकरी या राजनीति में यद्यपि आपकी पदोन्नति में विलम्ब एवं व्यवधान आएंगे परन्तु अन्त में आपको सफलता अवश्य मिलेगी। साथ ही वरिष्ठ नेताओं या अधिकारी वर्ग से भी आपके संबंध सामान्य रहेंगे तथा उनका सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी इस समय मध्यम रहेगी परन्तु आर्थिक स्थिति में थोड़ा सुधार होगा। अतः अपने कार्यो की पूर्ति के लिए परिश्रम करते रहें तभी आप न्यूनाधिक सफलता अर्जित कर सकेंगे।

प्रथम मास

05/01/2025 20:56:15 से 04/02/2025 08:39:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	04:30:33
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:20:28
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	03:42:29
मंगल	व	कर्क	पुष्य	06:05:28
बुध		धनु	मूल	01:52:30
गुरु	व	वृष	रोहिणी	18:32:27
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	08:26:06
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:40:58
राहु	व	मीन	उ०भाद्रपद	06:13:45
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	06:13:45
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:09:47

मासाधिपति

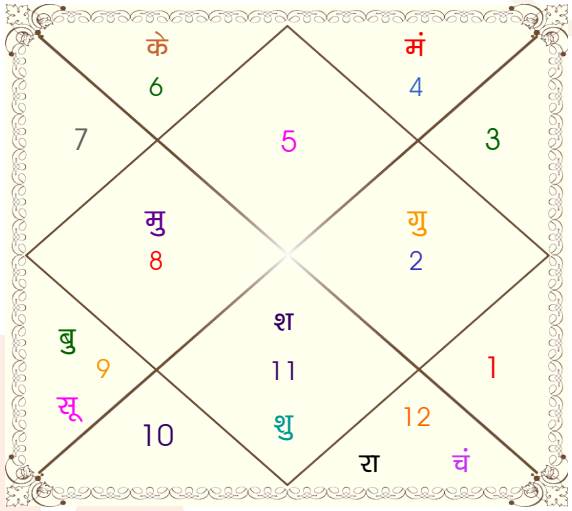

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए विशेष शुभ नहीं रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से वे विभिन्न प्रकार से आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगें। पारिवारिक जनों से भी इस समय अनावश्यक रूप से अनबन रहेगी जिससे पारिवारिक वातावरण अशान्त रहेगा। साथ ही मानसिक रूप से भी आप यदाकदा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास आपके कार्य में मंदी आ सकती है या आपका कोई कार्य छूट सकता है। आपके अन्य समाजिक जनों से विवाद भी हो सकते हैं जिससे आपके सम्मान में न्यूनता आएगी तथा धनहानि की भी सम्भावना होगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे। इससे शरीर में स्वस्थता,मन में सन्तोष एवं बुद्धि की वृद्धि होगी जिससे यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा। साथ ही धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि रहेगी।

द्वितीय मास

04/02/2025 08:39:47 से 06/03/2025 02:47:59 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:28:18
सूर्य		मकर	श्रवण	21:20:28
चन्द्र		मेष	अश्विनी	05:33:44
मंगल	व	मिथुन	पुनर्वसु	25:23:08
बुध		मकर	श्रवण	17:26:51
गुरु	व	वृष	रोहिणी	17:04:14
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	05:38:40
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:33:32
राहु		मीन	उ०भाद्रपद	03:59:11
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:59:11
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:39:47

मासाधिपति

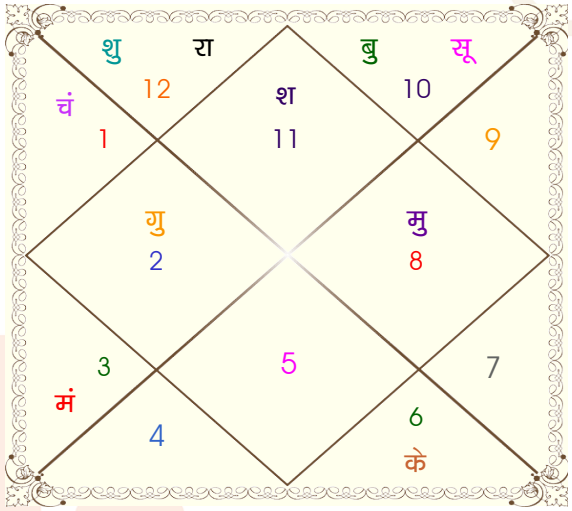

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में अर्जित करेंगे एवं अशुभ फल न्यून ही घटित होंगे। इसके प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सहयोग तथा आदर प्राप्त करेंगे एवं वे सभी आपसे संतुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा उनसे सम्बन्ध भी मधुर रहेंगे।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा उनकी सेवा एवं पूजन के कार्य को आप अवश्य सम्पन्न करेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करके मानसिक शान्ति एवं प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभ फलदायक ही सिद्ध होगा।

साथ ही यदा कदा अशुभ फलों के प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा को आंच आएगी एवं आप उसके लिए पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा धन हानि का योग भी बनता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

तृतीय मास

06/03/2025 02:47:59 से 05/04/2025 07:44:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	12:13:00
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:20:28
चन्द्र		वृष	रोहिणी	10:58:33
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	23:22:43
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	09:13:21
गुरु		वृष	रोहिणी	18:29:09
शुक्र	व	मीन	उ०भाद्रपद	16:19:03
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:04:47
राहु		मीन	पू०भाद्रपद	03:15:24
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:15:24
मुंथा		धनु	मूल	00:09:47

मासाधिपति

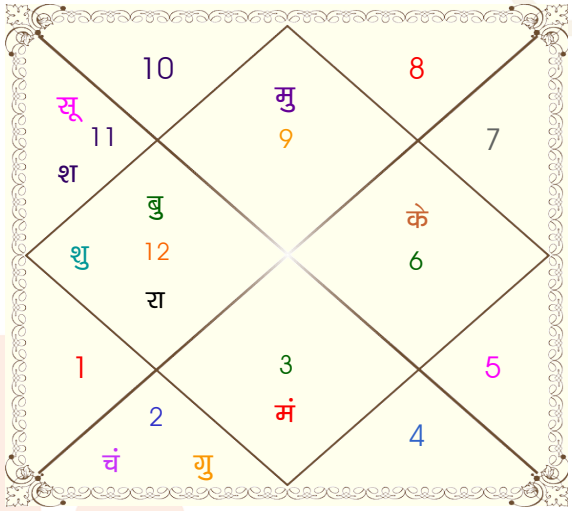

मासाधिपति : शनि

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन में सन्तुष्टि का भाव विद्यमान रहेगा। आपके पराक्रम में इस समय पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग को परास्त करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही आपके लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे फलतः इस मास में आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे। इस मास आप भाग्योन्नति सम्बन्धी कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा ऐसे महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे जिनको आप काफी समय से सिद्ध करना चाहते थे। इसके अतिरिक्त बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपके दृढ़ एवं मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे तथा सबसे आप यथोचित मान सम्मान अर्जित करेंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफलता अर्जित करेंगे राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण प्रतिष्ठा तथा आदर प्राप्त करने में सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहेगा।

चतुर्थ मास
05/04/2025 07:44:10 से 06/05/2025 01:08:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	22:04:25
सूर्य		मीन	रेवती	21:20:28
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	21:20:20
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	00:46:42
बुध	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:52:26
गुरु		वृष	रोहिणी	22:25:05
शुक्र	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:41:43
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:46:03
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:04:27
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:04:27
मुंथा		धनु	मूल	02:39:47

मासाधिपति

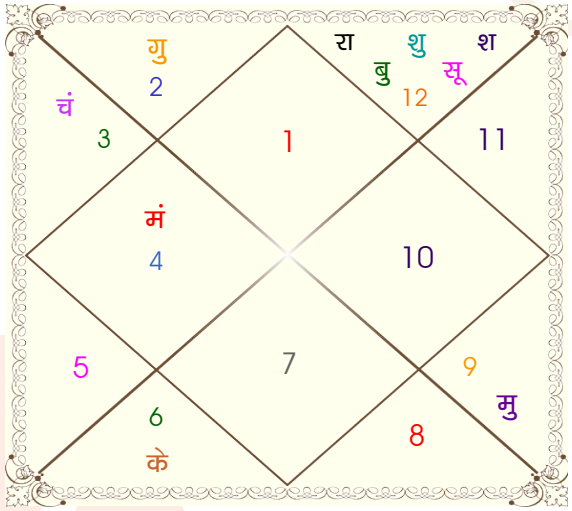

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए पूर्ण रूपेण शुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।फलतः आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। धनार्जन इस समय प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको धन लाभ हो सकेगा। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होने की सम्भावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपकी यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश रूप से भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे। इस मास आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मानप्रतिष्ठा अर्जित करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस समय गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्रों या अन्य द्रव्यों को प्राप्त करन में भी सफल रहेंगे एवं आनंदपूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

पंचम् मास
06/05/2025 01:08:04 से 06/06/2025 05:19:25 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	19:33:32
सूर्य		मेष	भरणी	21:20:28
चन्द्र		सिंह	मघा	05:46:38
मंगल		कर्क	पुष्य	13:37:38
बुध		मीन	रेवती	28:15:44
गुरु		वृष	मृगशिरा	28:08:12
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	08:53:12
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:06:54
राहु		मीन	पू०भाद्रपद	02:05:57
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:05:57
मुंथा		धनु	मूल	05:09:47

मासाधिपति

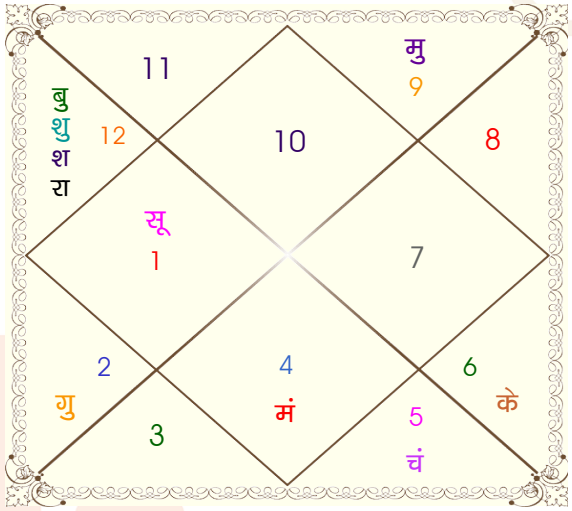

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त मध्यम रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों के साथ में रहेंगे अतः आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगे। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ तथा दुर्बल रहेंगे। इस मास में अत्यधिक परिश्रम के पश्चात भी आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि होती रहेगी तथा मित्रों एवं संबधियो से भी मधुर संबध नहीं रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आपको शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः महिला सहयोगियों से आप लाभार्जन करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी फलतः उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। इसके साथ ही समाज एवं सामाजिक जनों से भी आप यश एवं सम्मान प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

षष्ठ मास

06/06/2025 05:19:25 से 07/07/2025 15:33:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	19:24:15
सूर्य		वृष	रोहिणी	21:20:28
चन्द्र		कन्या	हस्त	22:43:27
मंगल		कर्क	आश्लेषा	29:31:42
बुध		वृष	मृगशिरा	29:38:16
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	04:54:32
शुक्र		मेष	अश्विनी	05:35:08
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:35:13
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:41:39
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	29:41:39
मुंथा		धनु	मूल	07:39:47

मासाधिपति

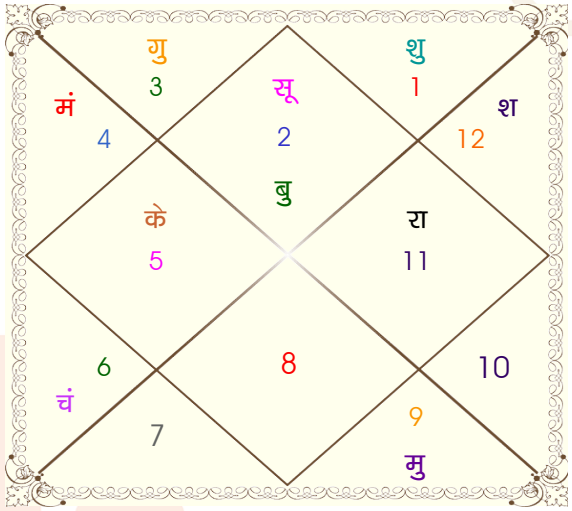

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

सप्तम् मास
07/07/2025 15:33:44 से 08/08/2025 01:18:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	विशाखा	01:01:41
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	21:20:28
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	11:47:48
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:17:49
बुध		कर्क	आश्लेषा	16:59:11
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	12:03:37
शुक्र		वृष	कृतिका	08:51:03
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:41:32
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:31:30
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	26:31:30
मुंथा		धनु	मूल	10:09:47

मासाधिपति

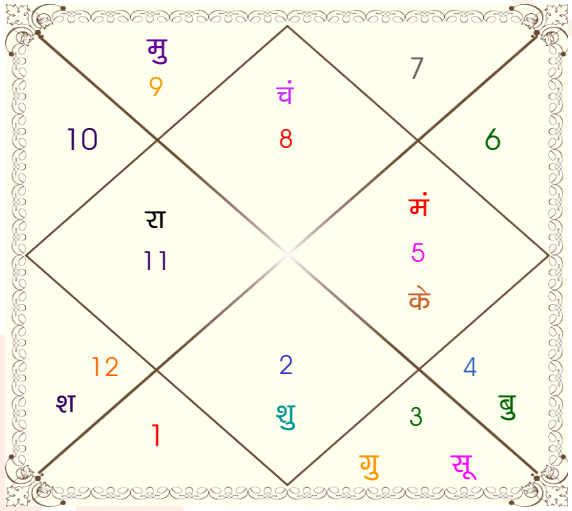

मासाधिपति : बुध

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे।साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
08/08/2025 01:18:32 से 08/09/2025 04:10:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	21:06:44
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	21:20:28
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	02:47:11
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:18:51
बुध	व	कर्क	पुष्य	10:41:26
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	18:56:19
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	14:41:16
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:10:34
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:27:14
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:27:14
मुंथा		धनु	मूल	12:39:47

मासाधिपति

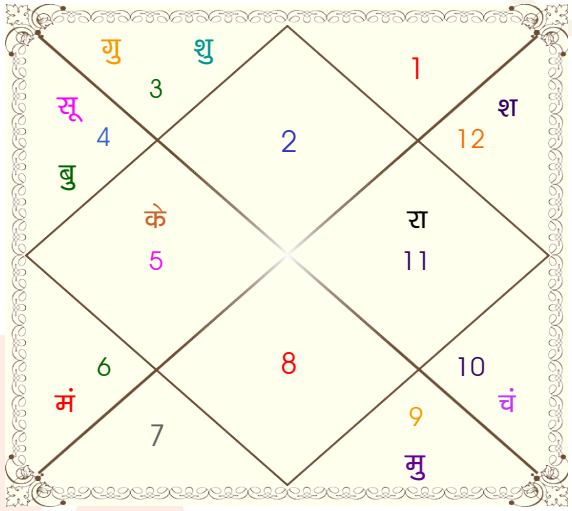

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।आपके सांसरिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

नवम् मास

08/09/2025 04:10:00 से 08/10/2025 19:46:37 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	26:05:07
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:20:28
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:50:36
मंगल		कन्या	चित्रा	26:13:48
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:11:41
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:51:53
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	21:42:29
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:18:30
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:07:01
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:07:01
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:09:47

मासाधिपति

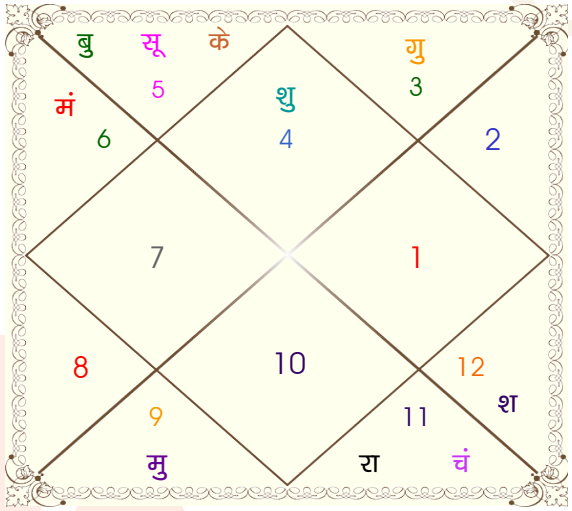

मासाधिपति : शनि

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास
08/10/2025 19:46:37 से 07/11/2025 22:57:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	कृतिका	27:20:22
सूर्य		कन्या	हस्त	21:20:28
चन्द्र		मेष	अश्विनी	11:28:18
मंगल		तुला	स्वाति	16:50:49
बुध		तुला	स्वाति	08:37:28
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:06:07
शुक्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	29:13:29
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:58:50
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:56:09
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:56:09
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:39:47

मासाधिपति

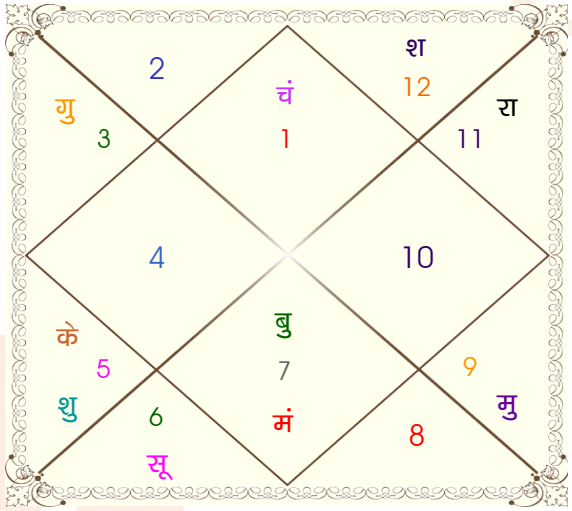

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वग! आपसे पूर्ण प्रसतथा सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न होगा। संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलेगा तथा इनकी ओर से आप निश्चिन्त रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे।साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा तथा आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस प्रकार सर्वत्र आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धन एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आप श्रद्धालु होंगे एवं धर्मानुपालन में तत्पर रहेंगे जिससे समाज में आपके सम्मान में अभिवृद्धि होगी।

एकादश मास
07/11/2025 22:57:46 से 07/12/2025 15:51:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	10:36:55
सूर्य		तुला	विशाखा	21:20:28
चन्द्र		वृष	रोहिणी	22:20:01
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	08:04:03
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	12:20:45
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:54:27
शुक्र		तुला	स्वाति	06:45:45
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:18:20
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:15:30
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:15:30
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:09:47

मासाधिपति

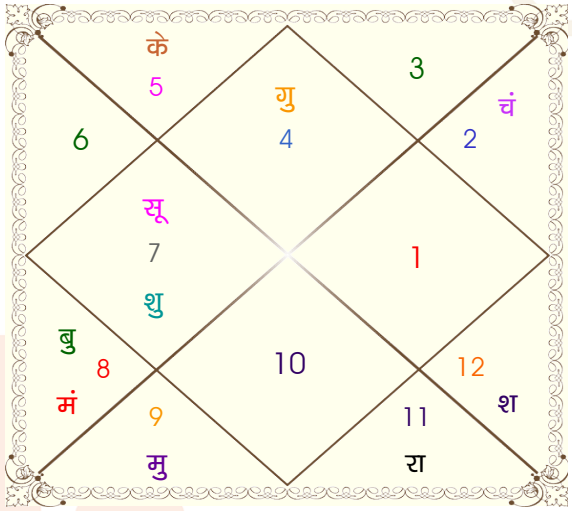

मासाधिपति : मंगल

यह महीना आप के लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक रूप से आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। शत्रुपक्ष भी आपका इस मास में बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे।साथ ही घर में भी किसी प्रकार की चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का तत्परता से पालन करें तथा उनकी किसी भी प्रकार से उपेक्षा न करें अन्यथा आप उनसे दण्ड प्राप्त कर सकते है। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अथक परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को करेंगे जिससे आपको पछताना पड़ेगा तथा सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपका मन मुटाव रहेगा। आपकी इच्छाएं इस समय में पूर्ण नहीं होंगी अतः मानसिक रूप से भी आप कष्ट प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप पत्नी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता होने के कारण बुद्धिचातुर्य से अपने कार्यो को सिद्ध करने में सफल रहेंगे। साथ ही धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा समाज में प्रतिष्ठा भी प्राप्त कर सकेंगे।

द्वादश मास

07/12/2025 15:51:11 से 06/01/2026 03:09:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	कृतिका	27:28:35
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:20:28
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	25:53:34
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:51:43
बुध		वृश्चिक	विशाखा	00:44:55
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:50:48
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	14:03:55
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:00:52
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:03:46
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	19:03:46
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:39:47

मासाधिपति

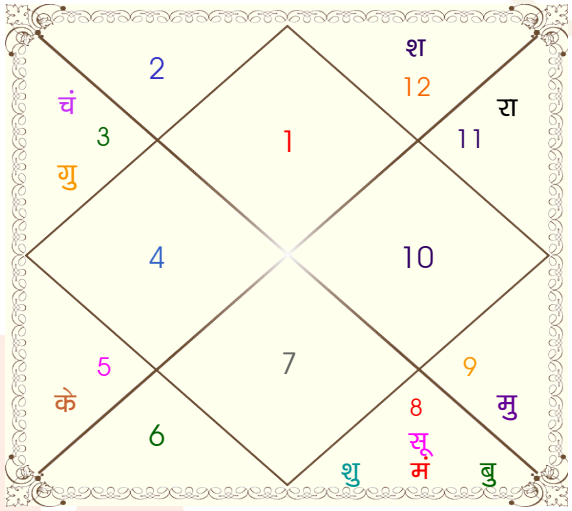

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे।साथ ही प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। आपके घर में इस मास में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी हो सकता है। सन्तति पक्ष से आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी अनन्य श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। समाज में सर्वत्र इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाग्योन्नति संबधी शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे।आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी इस मास में योग बनेगा ।साथ ही सरकारी तंत्र से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा अन्य कारणों से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी।अतः शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा अपने कार्य कलापों को बुद्धिमता से सम्पन्न करें।

वार्षिक फलादेश - 2025

वर्ष के प्रारम्भ में कुम्भस्थ शनि द्वादश भाव में रहेंगे व मीनस्थ राहु लग्न स्थान में रहेंगे और 29 मार्च को शनि मीन राशि लग्न स्थान में और 30 मई को राहु कुम्भ राशि द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। वर्ष के शुरुआत में वृष राशि के गुरु तृतीय भाव में रहेंगे और 14 मई को मिथुन राशि चतुर्थ भाव में प्रवेश करेगी और अतिचारी हो कर 18 अक्टूबर को कर्क राशि पंचम सप्तम भाव में गोचर करेगी और वक्री होकर फिर से 5 दिसम्बर को मिथुन राशि चतुर्थ भाव में आ जाएगी।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ शुभ फलदायी नहीं रहेगा। व्यापार में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार अथक प्रयास करना पड़ेगा। उसके बाद भी बहुत ज्यादा सफलता प्राप्त नहीं होगी। अतः इस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ नहीं करना चाहिए।

14 मई के बाद दशम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से समय अनुकूल हो रहा है। अनुभवी लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। जिससे आप अपने कार्य व्यवसाय में कुछ विशेष करेंगे। भूमि से संबंधित काम करने वाले व्यक्तियों के लिए समय अच्छा है। उनको इच्छित लाभ प्राप्त हो सकता है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्षारंभ में एकादश स्थान पर गुरु के दृष्टि प्रभाव से धनागम में निरन्तरता बनी रहेगी परन्तु शनि एवं राहु ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं होने के कारण आपकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ नहीं होने देंगे।

14 मई के बाद गुरु ग्रह का गोचर चतुर्थ स्थान में होगा। उस समय आपको भुमि, भवन, वाहन इत्यादि का सुख प्राप्त हो सकता है। अष्टम स्थान पर गुरु की दृष्टि के कारण पैतृक संपत्ति, गढ़ा हुआ धन या ससुराल पक्ष से धन प्राप्त हो सकता है।

घर-परिवार, समाज

सामाजिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। तृतीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके पराक्रम तथा कार्य क्षमताओं का विकास होगा। सामाजिक गतिबिधियों में आप बढ़ चढ़ के भाग लेंगे। सामाजिक कल्याण के लिए आप कोई विशेष कार्य संपन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा।

14 मई से चतुर्थ स्थान पर गुरुग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपका घरेलू वातावरण अनुकूल होगा। परिवार में एक दूसरे के प्रति भावनात्मक लगाव बढ़ेगा, जिससे आपके परिवार में शान्ति का वातावरण बना रहेगा। माता पिता व पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। ससुराल पक्ष से संबंध मधुर होंगे।

संतान

संतान की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्षारम्भ में आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। वे अपने बौद्धिक बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

आपके दूसरे बच्चे के लिए वर्ष का प्रारम्भ बहुत अच्छा है। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए भी समय शुभ है। यदि वे विवाह योग्य हैं तो विवाह भी हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से यह वर्ष अच्छा नहीं है। लग्न स्थान का राहु आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनाए रखेंगे। 29 मार्च के बाद आपका स्वास्थ्य अचानक प्रभावित हो सकता है। लग्न स्थान पर एक साथ राहु एवं शनि ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आप समय पर खान-पान नहीं कर पाएंगे, जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है।

मई के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है, उस समय स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों का निवारण होना शुरु होगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्ति के लिए आपको अथक प्रयास करना पड़ेगा। आलस्य की भावना सफलता में बाधक साबित हो सकती है।

विद्यार्थियों की अध्ययन के प्रति रूचि बढ़ेगी। बेरोजगार जातकों को रोजगार के लिए अभी कुछ और इंतजार करना पड़ेगा।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा। वर्षारम्भ में तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से छोटी-मोटी यात्राओं के साथ साथ लम्बी यात्राएं भी होंगी।

14 मई के बाद घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की अपनी जन्मभूमि की यात्रा हो सकती है। द्वादश स्थान पर गुरुग्रह की दृष्टि आपको विदेश यात्रा भी करा सकती है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष अनुकूल है। वर्षारम्भ में नवम स्थान पर गुरुकी दृष्टि प्रभाव से आप पूजा पाठ में विशेष रूचि लेंगे। नियमित रूप से दैनिक पूजा करते रहेंगे।

- प्रत्येक दिन सूर्य को जल दें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें अथवा काला कम्बल गरीबों को दान करें।
- राहु मन्त्र का पाठ करें एवं दुर्गा यन्त्र अपने गले में धारण करें।

मासिक फलादेश

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में अर्जित करेंगे एवं अशुभ फल न्यून ही घटित होंगे। इसके प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सहयोग तथा आदर प्राप्त करेंगे एवं वे सभी आपसे संतुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा उनसे सम्बन्ध भी मधुर रहेंगे।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा उनकी सेवा एवं पूजन के कार्य को आप अवश्य सम्पन्न करेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करके मानसिक शान्ति एवं प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभ फलदायक ही सिद्ध होगा।

साथ ही यदा कदा अशुभ फलों के प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा को आंच आएगी एवं आप उसके लिए पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा धन हानि का योग भी बनता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आप पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करेंगे। आपका स्वास्थ्य इस मास अच्छा रहेगा तथा किसी भी प्रकार से शारीरिक या मानसिक अस्वस्थता नहीं रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि बढ़ेगी तथा मित्र वर्ग से सम्बन्धों में मधुरता रहेगी एवं उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही वांछित द्रव्य पदार्थों का उपभोग करके आप प्रसन्नता को प्राप्त करेंगेत संतति पक्ष से भी आपको शुभ फल ही प्राप्त होंगे तथा किसी प्रकार से चिन्ता नही रहेगी। मित्रों तथा सम्बन्धियों में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित होगी। फलतः आप आनंदपूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

इसके साथ ही आप पुत्र एवं स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा विद्याध्ययन में भी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या द्रव्य आदि की भी आपको उपलब्धि हो सकती है। इस प्रकार आप शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

मार्च 2025 के लिए फलादेश

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आप दुष्ट मनुष्यों की संगति को प्राप्त करेंगे तथा व्यय भी काफी होगा जिससे आर्थिक एवं मानसिक रूप से आप कष्टानुभूति होगी। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे। काफी परिश्रम के बाद भी आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अल्प सफलता ही प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों को आप उचित सम्मान प्रदान नहीं करेंगे।साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। आपके मित्रों एवं सम्बन्धियों से तनावपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे तथा नौकरी या व्यापारिक कार्यों में भी अनावश्यक रूप से बाधाएं या रूकावटें उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आपके मन में भय तथा चिन्ता रहेगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। अतः समय समय पर मन से बेचैनी भी रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त आदि से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट प्राप्त करेंगे तथा रक्तविकार का भी योग बनता है अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हो सकें तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुखदायक एवं आनंदवर्द्धक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं का नाश होगा तथा लाभमार्ग भी नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आर्थिक रूप से आप पूर्ण सुदृढ़ रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे।साथ ही समाजिक जनों से आप पूर्ण सम्मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। यह मास आपकी भाग्योन्नति में भी सहायक रहेगा तथा कई ऐसे शुभ कार्य जो समय से सिद्ध न हो रहे हों इस समय सिद्ध हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्रों से संबन्धों में मधुरता बढ़ेगी तथा सांसारिक कार्यों में पूर्ण सफलता मिलेगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग भी इस समय आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेंगे तथा इनसे आप अनुकूल सहयोग होता रहेगा।

साथ ही आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। इसके अतिरिक्त प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा सुख पूर्वक मास को व्यतीत करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज से आप पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

मई 2025 के लिए फलादेश

इस मास को सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।साथ ही आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेंगे। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धुओं एवं मित्र वर्ग से आप आदर तथा

सम्मान प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा सहायता भी अर्जित करेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में उपयोग करेंगे। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। इस समय शत्रु वर्ग भी आपसे भयभीत एवं चिन्तित रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों के द्वारा भी धनार्जन होगा। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास को सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही आप स्त्री का पूर्ण सुख भी प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी उचित सहयोग तथा सहायता मिलती रहेगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाजिक जनों से भी पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

जून 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए उत्तम रहेगा तथा इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपको यश तथा सम्मान की भी प्रप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा तथा सत्कार की भावना उत्पन्न होगी। आप अन्य जनों की भलाई के लिए भी तत्पर रहेंगे एवं यत्नपूर्वक इसे सम्पन्न करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करके यश की प्रप्ति करेंगे। साथ ही आपकी मानप्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस मास भाइयों से आप पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को भी पूर्ण करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही अन्य शुभ फलों के प्रभाव में भी नित्य वृद्धि होती रहेगी। इससे शरीर में आरोग्यता मन में संतुष्टि एवं बुद्धि के प्रभाव में वृद्धि होगी। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक होगा एवं मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न रहेंगे।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे।अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिकत शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा।

आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का अभिवर्द्धन होगा तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही संतति पक्ष से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इस मास में आपका प्रभुत्व बढ़ेगा तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस माह में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों की भी प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों का आप पूर्ण सम्मान करेंगे तथा श्रद्धापूर्वक उनका पूजन भी केरेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल सिद्ध होंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी जिससे आप मन से सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य कई प्रकार से भी आवश्यक सुखों को प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आप इस मास को पूर्ण सुख शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ एवं दुर्बलता की अनुभूति करेंगे साथ ही शत्रुपक्ष से भी अनावश्यक भय एवं चिन्ता का वातावरण रहेगा जिससे मन में अशान्ति उत्पन्न होगी। इस समय आपके घर में या अन्यत्र चोरी आदि भी हो सकती है। अतः आपको चोरों से सावधान रहना चाहिए। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का उलंघन न करें अन्यथा आप दंडित भी हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे साथ ही धन का भी अनावश्यक व्यय होगा तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी इस समय सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। सम्बन्धियों एवं मित्रों से भी आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा समाज से उपेक्षा प्राप्त कर सकते है। इसके अतिरिक्त आशाओं की पूर्ति में भी आप असफल ही रहेंगे।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे जिससे आप स्त्री से सुखी रहेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से अपने प्रमुख कार्यों को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा एवं यत्नपूर्वक आप इसका अनुपालन करेंगे। इस प्रकार आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

अक्तूबर 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए काफी अशुभ एवं परेशानी उत्पन्न करने वाला होगा। इस

समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं की ओर से भी नित्य चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। आपके उत्साह में भी इस मास अल्पता रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।जिससे आर्थिक परेशानी हो सकती है।साथ ही आप शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे तथा मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। स्वबन्धुजनों से भी आपके सम्बन्धों में मधुरता का अभाव रहेगा एवं तनाव का भाव रहेगा जिससे मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। अतः मानसिक तनाव से आप ग्रस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से विवाद या संघर्ष की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है अतः सावधानी पूर्वक समय अनुसार चलने का प्रयत्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस मास में अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

समान्य रूप से इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार से चोरी आदि की घटना भी घटित हो सकती है।साथ ही आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से परेशानी का अनुभव करेंगे। धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा में अल्पता आएगी तथा स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। इससे शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। साथ ही आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं। सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे एवं मुकद्दमे आदि के कार्य में भी आपका धन व्यय होगा। अतः सावधानी पूर्वक ऐसे समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे।अतः स्त्री तथा पुत्र संतति से सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्रों या द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकते हैं जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी एवं अन्य प्रकार से भी शान्ति की अनुभूति करेंगे।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

इस मास में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्णरूपेण संतुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे। साथ ही घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति प क्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में भी अभिवृद्धि होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप यथोचित सम्मान तथा पूजन करेंगे। समाज में इस समय आपके यश की वृद्धि होगी एवं भाग्योदय सम्बंधी कार्य भी

सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा एवं यात्रा से आप पूर्ण लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे। सरकारी या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान अर्जित करेंगे। इस समय मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके सम्बन्धों में मधुरता रहेगी तथा सर्वत्र माननीय एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के मध्य अशुभ फल भी होंगे। जिसके कारण आप वात रोग से पीड़ित हो सकते हैं या किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिससे आपकी प्रतिष्ठा प्रभावित होगी एवं बाद में आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानीपूर्वक कार्यो को सम्पन्न करें।

इस वर्ष मीन राशि के शनि लग्न स्थान में रहेंगे। 25 नवम्बर तक कुम्भ राशि के राहु द्वादश भाव में रहेंगे और उसके बाद मकर राशि एवं एकादश भाव में गोचर करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में मिथुन राशि केगुरु चतुर्थ भाव में रहेंगे और 2 जून को कर्क राशिमें पंचम भाव में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 31 अक्टूबर को सिंह राशिमें छठे भाव में प्रवेश कर जाएंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। वर्षारम्भ से 1 फरवरी तक शुक्र अस्त रहेंगे और अक्टूबर में भी 14 दिन के लिए अस्त होंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल नहींरहेगा। लग्नस्थ शनि के प्रभाव से आप आलसी हो सकते हैं। जिसके कारण आपका कार्य व्यवसाय प्रभावित हो सकता है। यदि आप साझेदारी में कार्य कर रहे हैं, तो आप को इच्छित लाभ प्राप्त नहीं होगा परन्तु दशम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले जातकोंका पदोन्नति के साथ साथ अनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण भी हो सकता है।

02 जूनके बाद आपको कुछ आय के स्रोत मिल सकते है। यदिआप शेयर बजार से जुड़े हैं तो आप को लाभप्राप्त होगा। परन्तु राहु शनि का गोचर अनुकूल नहीं होने के कारण आपके कार्य क्षेत्र में कुछ विरोधी भी उत्पन्न होंगे जो आपकी उन्नति में अवरोध उत्पन्न करने की कोशिश करेंगे।

धन संपत्ति

द्वादश स्थान के राहु आर्थिक मामलों में उतार चढ़ाव की स्थिति बनाए रखेंगे, जिसके फलस्वरूप आप इच्छित बचत नहीं कर पाएंगे। कोई बड़ा आर्थिक निर्णय लेने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें। जोखिम भरे कार्यों से बचें एवं निवेश के मामले में सावधान रहें।

02 जून के बाद एकादश पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से धनागम का योग बन सकता है। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में कुछ सुधार होना शुरु हो जाएगा। उस समय छोटे मोटे कर्जो से मुक्ति मिल सकती है। 31 अक्टूबर के बाद समय ज्यादा प्रतिकूल हो रहा है। इस समय के अंतराल में कोई बड़ा निवेश न करें नहीं तो इसका परिणाम प्रतिकूल होगा।

घर-परिवार, समाज

वर्ष के पूर्वार्द्ध में आपका पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा। परिवार में एक दूसरे के प्रति भावनात्मक लगाव बना रहेगा जिससे सभी लोगों के अंदर साहनुभूति की भावना बनी रहेगी। आपको माता का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा परन्तु आपकेजीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद आपके परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। आपके

बच्चों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। भाईयोंका सहयोग प्राप्त होगा। समाज मेंपद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। 31 अक्टूबर के बाद पारिवारिक एवं सामाजिक दोनो पक्षों के लिए समय अच्छा नहीं रहेगा।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे।शिक्षा के प्रति उनकी रूचि बनी रहेगी परन्तु आलस्य की भावना उनकी पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न कर सकती है।

02 जूनसे गुरु ग्रह का गोचर पंचम स्थान में हो रहा है। उसके बाद समय काफी अनुकूल हो जाएगा।गर्भाधान के लिए बहुत अच्छा समय है। आपके बच्चेआसानी से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे। पहले बच्चे का विवाह भी हो सकता है। आपके दूसरे बच्चे के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

स्वास्थ्य

लग्नस्थान का शनि आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। आर्थिक स्थिति को लेकर आवश्यकता से ज्यादा चिंता न करें नहीं तो शरीर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। द्वादशस्थ राहु के प्रभाव से आप अचानक बीमार हो सकते हैं। नियमित व्यायाम एवं संतुलित आहार लाभप्रद रहेगा।

02 जून के बाद रोग प्रतिरोधक शक्ति का संचार होगा। जिससे आप मानसिक रूप से सन्तुष्ट एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे और अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए शाकाहारी भोजन करेंगे एवं योगासन के साथ-साथ व्यायाम भी करते रहेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षार्थियों के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा। यदि आप किसी प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने जा रहे हैं तो सफलता प्राप्ति के लिए आपको अधिक परिश्रम की आवश्यकता होगी। अंततः आपको सफलता मिलेगी परन्तु संघर्षात्मक परिस्थितियों में मिलेगी। अध्ययन के प्रति आपकी रूचि बढ़ेगी परन्तु आलस्य की भावना सफलता में बाधक साबित हो सकती है।

विद्यार्थियों के लिए 02 जून के बाद समय बहुत अच्छा हो रहा है। उस समय आपको सफलता प्राप्त होगी। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए आपका अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश हो सकता है। जो लोग नौकरी की तालाश में है उनको कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है।

यात्रा-तबादला

द्वादशस्थ राहु के प्रभाव से आपकी विदेश यात्रा होने के प्रबल योग बन रहे हैं। वर्ष के पूर्वार्द्ध में चतुर्थस्थ गुरु के प्रभाव से आप परिवार सहित अपने जन्म स्थल की यात्रा करेंगे।

छोटी-मोटी यात्राएं तो होती रहेंगी साथ ही 02 जूनबाद लम्बी यात्रा के भी योग बन रहे हैं। धार्मिक यात्रा कर पुण्यार्जन भी करेंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष अत्यधिक अनुकूल रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में पारिवारिक सुख शान्ति एवं समृद्धि प्राप्ति के लिए अपने घर में हवन पूजा इत्यादि शुभ कर्म करेंगे। 02 जूनके बाद नवम स्थान पर गुरुग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपके अंदर ईश्वर के प्रति श्रद्धा एवं विश्वास बढ़ेगा। आध्यात्मिक ज्ञान के प्रति आपकी रूचि बढ़ेगी और आप अपनी अध्यात्मिक शक्ति बढ़ाने के लिए मन्त्र पाठ यज्ञ, अनुष्ठान इत्यादि शुभ कार्य करेंगे।

- प्रत्येक दिन सूर्य को जल दें।
- मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं और हनुमान चालिसा का पाठ करें।
- राहु मन्त्र का पाठ करें या शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी में गुड़ डालकर खिलाएं।

मासिक फलादेश

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ सहयोगी आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेंगे फलतः आप कार्यक्षेत्र में प्रोन्नति प्राप्त करेंगे। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी भलाई के लिए कार्योंको भी सम्पन्न करेंगे साथ ही आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सिद्ध होंगे। फलतः आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों में आपकी श्रद्धा होगी तथा इनकी पूजा एवं सेवा में भी आप तत्पर रहेंगे। इस समय सामाजिक जनों में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा यश भी दूर दूर तक फैलेगा। इसके साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभ योग बनते रहेंगे। इस समय आप नवीन स्थान या गृह आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त पिछली असफल आशाओं को पूर्ण करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इसके साथ ही इस मास में आप पुत्र एवं स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ, महत्वपूर्ण एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा जिसमें आपको अपने असफल कार्यों में भी सफलता प्राप्त होगी।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपका स्वास्थ भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रूके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लए मध्यम रहेगा अर्थात शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे अतः आप का व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट जनों की संगति भी करेंगे। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी पूर्ण रूप से ठीक नहीं रहेगा इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य पराक्रम एवं परिश्रम के उपरान्त भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। मित्रों एवं सम्बन्धियों के मध्य आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा उनसे उचित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। आपके कार्यक्षेत्र में भी इस मास में व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा शत्रुओं से नित्य भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त आप जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मिलेगी। साथ ही मन से भी अशान्त रहेंगे एवं बैचेनी की अनुभूति करेंगे।

इसके साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं उससे आपको अपेक्षित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा पूर्ण रूपेण धन लाभ तथा सुख प्राप्त करेंगे। साथ ही आप समाज में कीर्ति भी प्राप्त कर सकेंगे।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन में सन्तुष्टि का भाव विद्यमान रहेगा। आपके पराक्रम में इस समय पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग को परास्त करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही आपके लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे फलतः इस मास में आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे। इस मास आप भाग्योन्नति सम्बन्धी कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा ऐसे महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे जिनको आप काफी समय से सिद्ध करना चाहते थे। इसके अतिरिक्त बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपके दृढ़ एवं मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे तथा सबसे आप यथोचित मान सम्मान अर्जित करेंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफलता अर्जित करेंगे राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण प्रतिष्ठा तथा आदर प्राप्त करने में सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहेगा।

मई 2026 के लिए फलादेश

इस महीने में आप अपने उत्साह द्वारा धन को अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आप अपने बन्धुओं तथा

मित्रों के मध्य उचित प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त होगा जिससे आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे। साथ ही मिष्ठानोपभोग भी आप अधिक मात्रा में करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं उनको पराजित करने में आपको पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। स्त्री से आप पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं व्यापारादि कार्यों में भी आपको वांछित लाभ प्राप्त होगा। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

साथ ही इस मास में आप महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी अभिवृद्धि होगी तथा सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में आपको सफलता मिलेगी।

जून 2026 के लिए फलादेश

इस महीने में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों के मध्य यशार्जन करने में भी आप समर्थ रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना विद्यमान रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। साथ ही अन्य जनों का परोपकार करने के लिए भी आप उद्यत रहेंगे। आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा किसी भी प्रकार से आप शारीरिक या मानसिक कष्ट प्राप्त नहीं करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनके आश्रय से समाज में ख्याति अर्जित करेंगे।मित्र एवं भाइयों से इस मास आपको उचित सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इस समय आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं जिससे आपको लाभ होगा। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र तथा द्रव्यों को भी आप प्राप्त करेंगे या इनसे युक्त होंगे। अतः यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं आनंददायक रहेगा।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष शुभ फलदायक नहीं रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शत्रु बलवान रहेंगे जिसके कारण आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही पारिवारिक जनों से सम्बन्धों में भी तनाव का वातावरण रहेगा जिससे परिवार में अशान्ति रहेगी। अतः मानसिक रूप से आप चिन्तित रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या अजीविका संबधी कार्यों में मंदी आएगी या आपका कोई कार्य छूट भी सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक जनों से आपका विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी

सामाजिक मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का योग भी बनता है एवं शरीर में कोई रोग भी हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री का आपको पूर्ण सुख मिलेगा तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा बुद्धि बल से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने के लिए उत्सुक होंगे।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस मास में आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य आप अपनी बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र सुख भी आपको प्राप्त होगा। आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे। इस मास आपके शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इनका आप यथोचित सम्मान एवं पूजन करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप यथोचित लाभ अर्जित करने में भी सफल सिद्ध होंगे एवं समाज से पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।अतः मानसिक रूप से पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से आवश्यक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में भी सफल रहेंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक कार्य क्रम का आयोजन करने में भी आप प्रवृत होंगे।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। आपके शत्रु इस समय अधिक प्रबल होंगे फलतः शत्रु पक्ष से भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है ।अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या व्यवसाय में अपने उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित या जुर्माना प्राप्त कर सकते हैं। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके साथ ही आप किसी कठोर कार्य को भी सम्पन्न कर सकते हैं। जिसका प्रभाव आपकी प्रतिष्ठा पर पड़ेगा तथा इससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। आपकी मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी इस समय सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा आशाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने में भी असमर्थ रहेंगे।

साथ ही इस समय आप पित्तादि दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे

तथा रूधिर विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः इस मास शारीरिक सुरक्षा का भी आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए जिससे अल्प मात्रा में ही कष्ट हो।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री या बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा आपके बन्धु वर्ग तथा स्त्री को किसी प्रकार का कष्ट होगा। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आपको नित्य चिन्ता तथा भय बना रहेगा। आपमें इस मास उत्साह की अल्पता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी तथा अनावश्यक रूप से धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप कष्टानुभुति प्राप्त करेंगे आपके मन में लालच के भाव की भी वृद्धि होगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। बन्धु जनों से आपके सम्बन्धों में तनाव व्याप्त होगा तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आपको मानसिक रूप से असन्तुष्टि रहेगी। साथ ही अन्य पारिवारिक या समाजिक जनों से भी वादविवाद होते रहेंगे।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इससे आपको स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा इनसे आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों तथा द्रव्य आदि को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। अतः शत्रु पक्ष से आप चिन्तित रहेंगे तथा ये आपके लिए समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही आपके घर में चोरी भी हो सकती है। अतः चोरों से आपको सावधान रहना चाहिए। इस महीने में आपका अनावश्यक धन का व्यय होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक रूप से कष्ट की अनुभूति करेंगे फलतः आपकी शारीरिक शक्ति का ह्रास होगा। साथ ही इस महीने आप घर से दूर किसी यात्रा पर भी जा सकते हैं। सांसारिक कार्यों में भी आपको कष्ट होगा तथा मुकद्दमे आदि में भी आपके धन का व्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी एसे कार्य को भी आप सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी मान प्रतिष्ठा को आघात पहुचेगा। इस समय अग्नि के द्वारा भी आप किसी प्रकार से हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप

प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे। इस मास में आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। सन्तति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे तथा इनका आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन एवं सम्मान करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस मास में समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की प्रबलता रहेगी एवं दूर समीप की आप कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। मित्र तथा बन्धुवर्ग से इस समय सम्बन्धों में घनिष्ठता होगी। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

इसके साथ ही इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा वातोत्पन्न रोगों से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय होगा जिससे हानि की आशंका बनी रहेगी। अतः संयम एवं सर्तकता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य दसवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप किसी संस्था के प्रधान, जज, सरपंच, नेता भी हो सकते हैं। आप किसी से धोखा-फरेब नहीं करेंगे। सरकारी विभाग, नौकरी-व्यापार में धन-लाभ, मान-सम्मान मिलेगा। नौकर-चाकरों का अच्छा सुख मिलेगा। राज्य पक्ष से लाभान्वित होंगे। आप बहुत वहम करेंगे। संतान पक्ष कमजोर रहेगा। 19 वर्ष की उम्र के लगभग पिता से दूर होना पड़ सकता है। आपको इज्जत, सेहत और दौलत का सुख मिलेगा। परिवार में कोई व्यक्ति उच्चपद पर संस्था प्रधान या सरकार द्वारा सम्मानित होगा।

यदि आपके मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, नंगा सिर रखने की आदत रही, अपना भेद दूसरों को बताया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से 34 वर्ष की आयु तक का समय कष्टमय रहेगा। आप मशीनरी या लकड़ी से संबंधित नौकरी-व्यापार करेंगे तो हानि होगी। खानदानी विरासत और पिता का सुख कम मिलेगा। लकड़ी, लोहा, भैंसों से संबंधित व्यापार या काली चीजों के व्यापार से नुकसान होगा। आपके घुटने में दर्द हो सकता है। आपकी आंखों की नजर और उम्र पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ससुराल में रहना ससुराल पक्ष वालों के साथ कोयले, बिजली का धंधा करने से हानि होगी। सत्ता से परेशानियां भी रहेंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अपना भेद किसी को भी न देवें।
2. सूर्य की रोशनी नंगे सिर पर न पड़े।

उपाय :

1. सिर पर सफेद या शरबती पगड़ी या टोपी पहनें।
2. बुजुर्गी मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के पांचवें खाने में चंद्रमा है। इसकी वजह से हीरे-जवाहरात से संबंधित नौकरी-व्यापार लाभ देगा। कन्या सन्तान अधिक होने का योग है। आपको सुख के सभी साधन मिलेंगे। वन विभाग के अधिकारी हो सकते हैं। आप 9 वर्ष जीवन में यात्रा करेंगे। विदेश यात्रा से लाभ संभावित है। आपकी संतान की उम्दा परवरिश होगी। धार्मिक विचार रखने से आपके धन-दौलत की बरकत होगी। आप किसी के भी सामने नहीं झुकेंगे। आप दूसरों का इन्साफ करने में आगे रहेंगे। आप रहम दिल इंसान होंगे और किसी से बेइंसाफी नहीं करेंगे। लड़ाई-झगड़े में आप जिसका भी साथ देंगे वह जरूर जीतेगा। सरकारी काम शुभ फल देने

वाला होगा। आप सामाजिक कार्य करें तो आपकी औलाद के लिए अच्छा होगा। यात्रा का फल शुभ होगा। आपकी कभी भी बर्बादी नहीं होगी। आपको अपने जीवन की सभी मशहूर बातें हमेशा याद रखनी चाहिए।

यदि आपने धर्म विरोधी कार्य किये, गुप्त पाप किया, चकोर पक्षी का शिकार किया, अपना भेद किसी को बताया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी विद्या में विघ्न, संतान द्वारा विरोध होगा। आपका अपना भेदी तबाही कर सकता है। लालच और खुदगर्जी से नुकसान होगा। आपकी आदत हरेक को गुमराह करने वाली होगी। आपको नौकरी-व्यापार से अच्छा लाभ नहीं हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. आप अपनी मर्जी से कोई कार्य न करें, किसी की सलाह जरुर लेवें।
2. किसी भी पाप कार्य में दखल न देवें।

उपाय :

1. धार्मिक कार्य में बढ़-चढ़ कर भाग लेवें।
2. कभी-कभी पहाड़ की यात्रा करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल आठवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से लाल किताब के अनुसार आठवें खाने में मंगल हो तो व्यक्ति मंगलीक होता है। आप मांगलिक पुरुष हैं। आपको माता-पिता का पूरा सहारा मिलेगा। आपको गृहस्थी का पूरा सुख मिलेगा। आपका हौसला बुलंद रहेगा। आप लौह पुरुष होंगे। आप नतीजा सोचे-समझे बिना, हिम्मत के साथ कष्टों का मुकाबला करेंगे। आप अपने काम-काज में मन लगा कर काम करने के आदी होंगे। आप इंसाफ पाने के लिए लड़ने को तैयार रहेंगे। आपके जीवन की रक्षा होती रहेगी। आप जीवन में बाधाओं को हंस कर सह लेंगे। ससुराल से संपत्ति का लाभ होगा। शत्रुओं पर जीत हासिल करेंगे या शत्रु भय से सामने न आयेगा।

यदि आपने विधवा स्त्री के साथ झगड़ा करके उसकी बददुआ ली, घर में जमीन के अंदर रहने वाली तंदूर-भट्टी हुई, लोगों से बिना कारण झगड़ा-फसाद किया, चाकू-छुरी हर समय अपने पास रखी तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारणवश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपके छोटे भाई के लिए बेहद बुरा एवं भाई के कारण, लड़ाई-झगड़े होंगे। आपका भाई आपका बेड़ा गर्क कर सकता है। अचानक दुर्घटना से रक्त विकार हो सकता है या नाखून के दोष की आशंका है। किसी आदमी पर बेवजह गुस्सा करना, पछतावा का कारण बन सकता है। आप गुस्सा करके नुकसान भी उठा सकते हैं। आप पर कोई आक्रमण हो इस बात की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. घर के अंदर जमीन में तंदूर/भट्टी न रखें।
2. तोता या मैना न पालें।

उपाय :
1. विधवा स्त्री का आर्शीवाद लेवें।
2. तंदूर में मीठी रोटी लगा कर कुत्तों को खिलावें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में ग्यारहवें खाने में बुध पड़ा है। इसकी वजह से आपकी गुणी और संपन्न संतान होगी। आपकी संतान का विवाह उच्च कुल में होगा। आपके जीवन के 1, 23, 33, 36, 44, 57, 73 84 एवं 94वां वर्ष शुभ और लाभदायक होगा। आप स्वयं हुनरमंद तथा शर्मसार होंगे। आपकी पूरी तरह तकदीर बनने की उम्मीद रहेगी। 34 वर्ष के बाद आप अच्छी प्रकार से जीवन बिताएंगे। आपको दोस्ती करने से लाभ नहीं होगा। आपको विदेश के व्यवसाय से भी लाभ हो सकता है। बुद्धि के कामों में आपको सफलता मिल सकती है। सरकारी पक्ष से लगाव, लाभ और सम्मान प्राप्त हो सकता है। आपको कसीदाकारी, चित्रकला, कलाकारी, अध्यापन या कानूनी काम से लाभ हो सकता है। विशेष रूप से आप अपनी बुद्धि का प्रयोग कर लाभ और प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आपने बुरे या बदकारी के काम किये, चौड़े पत्तों का वृक्ष आपके घर में हुआ, साधू-फकीर से धागे ताबीज आदि लिया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से जीवन के 39वें वर्ष में शारीरिक कष्ट की आशंका है। आपकी बहन अमीर घर में ब्याही जाएगी परंतु पति की वजह से दुःखी रहेगी। आपके बच्चों पर भी कुछ बुरा असर हो सकता है। आपके पांव में, कान में, जिस्म के जोड़ों पर बीमारी होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. चौड़े पत्तों का वृक्ष घर में न लगाएं।
2. पीतल खाली बर्तन बंद न रखें।

उपाय :
1. कंठी वाला तोता पालें।
2. तांबे का पैसा या चौरस टुकड़ा सफेद धागे में डाल कर गले में पहनें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति सातवें खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से अधिक उम्र में या विवाह के बाद देर से संतान सुख प्राप्त होगा। पुत्र प्राप्ति के बाद पिछले कष्ट दूर हो जाएंगे। आप पूर्ण सुखी हो जाएंगे। पत्नी नौकरी करेगी उसकी कमाई से धन में वृद्धि होती रहेगी। आप स्वस्थ एवं पत्नी से सुखी रहेंगे। आप पिता से अलग होकर, साझेदारी का व्यवसाय चलाएंगे। संतान का भी सामान्य सुख ही मिलेगा। आप 40 वर्ष की उम्र तक ऐय्याशी करेंगे। ससुराल से मिली चीजों में बरकत होगी। आप धार्मिक कामों में हमेशा रुचि रखेंगे। आप ज्योतिष विद्या के जानकार और माहिर होंगे और ज्योतिष के द्वारा धन की प्राप्ति भी होगी। आपको दलाली या व्यापार के कामों से लाभ होगा। आपके धन से दूर के रिश्तेदार लोग सुख पायेंगे परंतु आपके जीवन में आराम नही मिलेगा। आपको लोहे, मशीनरी, काली चीजों का व्यापार, मकान बनाने की चीजें (लोहा, ईट, पत्थर सीमेंट, लकड़ी आदि) का व्यापार शुभ फल देगा। आप जीवन में अपनी जवानी में खूब ऐशो-आराम करेंगे। पिता और ससुर से लाभ और सुख मिलेगा।

यदि आपके घर के मंदिर में मूर्तियां होंगी (तस्वीरों का वहम नहीं), चांदी आदि धातु की मूर्तियों वाले सिक्के होंगे या धार्मिक ग्रंथ बंद पड़े होंगे, रत्तियां (जिससे पहले समय में सुनार सोना आदि तोलते थे) पड़ी होंगी तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आप भाई से दुःखी रहेंगे। घूमने-फिरने वाले साधू की संगति से भाग्य मंदा हो जाएगा। आपको आमदनी होने के बावजूद आप पर कर्ज का बोझ भी पड़ेगा। आपके जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आयेंगे। पत्नी के अतिरिक्त दूसरी औरत से हानि होगी। पिता का सुख कम मिलेगा। आप संगति के प्रभाव से चोर या डाकू भी हो सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घूमने-फिरने वाले पीले वस्त्र धारी साधू से दूर रहें।
2. घर में तुलसी, घंटी, ठाकुर न रखें।

उपाय :

1. सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आपके ससुराल वाले आपको कुछ न कुछ देते रहेंगे तो इससे दोनों परिवारों का कल्याण होगा।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र बारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपकी ज्योतिष, गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। आप अपने परिवार का पोषण करेंगे। राज्य पक्ष से अच्छा लाभ मिलेगा। आप हर प्रकार से सुखी रहेंगे। स्त्री के माध्यम से जो भी कार्य संपन्न होते हैं वह

आपके लिए अच्छा होगा। आपके काम के सुनिश्चित परिणाम प्राप्त होंगे। आपकी पत्नी आड़े समय में मदद्गार होगी। आपके जीवन में तरक्की की बागडोर आपकी पत्नी के हाथ में होगी। आप औरत की इज्जत करेंगे इसका अच्छा फल मिलेगा। विवाह के बाद काफी धन मिलेगा। स्त्री का पूरा सुख मिलेगा। आप सदैव ही दूसरों की सेवा हेतु तत्पर रहेंगे। आप जवानी में अपना समय ऐशो आराम से बिताएंगे। आपके मन में वहम समाया हुआ रहेगा। आप चित्रकला प्रिय अथवा गायन प्रिय होंगे। आप धर्माचरण करके शुभ प्रभाव को अपनाएंगे। आपको खेती-बाड़ी का लाभ भी मिलेगा। आप बेरहम होंगे फिर भी आपका मान-सम्मान बरकरार रहेगा। आपके पास बहुत जायदाद होगी।

यदि आपने पत्नी से अच्छे संबंध न रखे या पत्नी की सेहत खराब के समय देखभाल न की, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आप बूढ़े होने पर दूसरे लोगों को अपने जीवन में भुगती बातों को सुना कर समय बर्बाद करेंगे। पत्नी बीमार रहा करेगी तो आपका भाग्य अच्छा नहीं रहेगा। कन्या संतान का आपके जीवन पर बुरा प्रभाव हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. पत्नी के स्वास्थ्य का विघेष ध्यान रखें।

उपाय :

1. गाय दान करें।
2. देसी घी का दीपक जलावें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि पहले खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपके जन्म के बाद आपकी पैतृक संपत्ति और पिता का धन बढ़ेगा। आप इंजीनियर, डाक्टर बन सकते हैं। आप शक्की स्वभाव के होंगे। लोहा/लकड़ी और नमक, आग से संबंधित कामों से अधिक लाभ होगा। आपके धन में वृद्धि होगी। आपके माता-पिता को धन की कमी नहीं रहेगी। आपकी आयु पर कोई भी बुरा असर नही पड़ेगा।

यदि आपने झूठ बोला और बदनीयती रखी, व्यसनों में मदहोश रहे, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपकी शिक्षा भी अधूरी रह जाए या इच्छित शिक्षा नहीं मिले, ऐसी आशंका है। आप आलसी, अभावग्रस्त और अस्वस्थ रह सकते हैं। आपकी पत्नी, दौलत पर बुरा असर पड़ सकता है। आपके लिये खानदानी या जद्दी काम में बरकत नहीं होगी। आप चोरी, झूठ या धोखाधड़ी करने में भी पीछे नही रहेंगे। शरीर पर अधिक बालों का होना निर्धनता का सूचक है। आप अगर सरकारी नौकरी करते हैं तो नौकरी का फल विशेष मंदा रहेगा। सरकार से

बहुत अच्छे लाभ का योग नहीं है। पत्नी को शारीरिक कष्ट हो सकता है। आपके साथ चोरी, धोखेबाजी, संतान को कष्ट या कुछ भी हो सकता है। माता को कष्ट और आपको दुःखी होना पड़े ऐसी आशंका है। आपका कारोबार बिगड़ सकता है या पिता-दादा के कारोबार का दिवाला भी निकल सकता है। भाग्य के बिगड़ने की आशंका है। आग से जलने का भय है। विद्या अधूरी, पेट में खराबी, धन की तंगी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. विवाह या पुत्र जन्म आदि पर खुधी के समय ढोल-बाजे आदि न बजाएं।
2. शराब पीना, मांस खाना और इश्कबाजी दूर रहें।

उपाय :

1. वीरान जगह में सुरमा दबायें (नौकरी-व्यापार में तरक्की के लिये)।
2. बंदर को गुड़ केला खिलायें (धन की तंगी के समय)।
3. वट-वृक्ष की जड़ के दूध का तिलक करें (स्वास्थ्य खराब के समय)।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आप धनवान तथा श्रेष्ठ शासनाधिकारी होंगे। अगर सरकारी अधिकारी हुए तो राजदरबार में आपका बहुत सम्मान होगा। आपके ननिहाल वाले आपके जन्म के बाद अमीर होंगे। आपका जन्म ननिहाल या अस्पताल में हुआ होगा या जन्म के समय आकाश पर बादल छाये हुए होंगे, ऐसी आशंका है। 42 वर्ष की उम्र तक समय मध्यम है जो कुछ भी बुरा हुआ होगा, इसके बाद बहुत अच्छा और शुभ रहेगा। आपका जन्म जिस घर में होगा उस घर के सामने घर में उजाड़ हो जाएगा। आपकी रोजी-रोटी के लिए दूसरा काम भी चालू रहेगा। यदि एक काम या नौकरी छूटेगी तो दूसरी नौकरी या व्यवसाय चालू हो जाएगा। आप धनी होंगे। आपको संतान सुख अच्छी या बुरी अवश्य मिलेगी। आपके लिए हर समय बोलते रहना अच्छी बात नहीं है। आपमें बेईमानी और धोखेबाजी की आदत भी विद्यमान रहेगी। जीवन में कई परिवर्तन आएंगे। माता और मन की शांति के लिए शुभ रहेगा।

यदि आपने विवाह के बाद ससुराल से लोहा, बिजली का समान, काले-नीले कपड़े मुफ्त या दान में लिये, मकान के आंगन में धुआं किया, बिल्ली की जेर, चमड़े के पर्स में रखी तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपके बनते कामों में रुकावट, तरक्की कम मगर बदला-बदली अधिक बार होगी। 11-21-42 वर्ष आयु में पिता के लिए समय अशुभ, परिवार में किसी को दमा-मिरगी का रोग हो सकता है। आप शरारती, आवारा और नास्तिक स्वभाव के होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. आंगन में धुआं न करें।
2. पेट मोटा न हो, विशेष ध्यान रखें।

उपाय :
1. धर्म स्थान में गुड़-गेहूं दान देवें।
2. दूध से स्नान करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के सातवें खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप 24 वर्ष की उम्र से ही धन कमाने में जुट जाएंगे। जैसे-जैसे आपकी संतान की उम्र बढ़ती जाएगी वैसे-वैसे धन में बढ़ोत्तरी होती जाएगी। आजीविका का साधन बना रहेगा। रोजगार द्वारा अच्छी कमाई होगी। आपकी संतान बलशाली होगी। आप अपनी बात के पक्के होंगे। आप सब तरह से सुखी और संपन्न रहेंगे फिर भी पश्चात्ताप करते ही रहेंगे। आपकी संतान शेर का मुकाबला करने वाली होगी। आपकी पत्नी के जितनी संख्या में भाई-बहन होंगे उतनी ही संख्या में आपकी संतान होंगी। 34 वर्ष की आयु तक का समय कष्टमय रहेगा। परंतु इसके बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा। धनधान्य में बरकत होगी। 24 साल की उम्र में इतना धन आएगा जो कि आने वाले 40 वर्षों तक के लिए काफी होगा। आपके दुश्मन आपका कुछ भी नहीं बिगाड़ेंगे। दुश्मन अपने आप तबाह हो जाएंगे। जीवन में कभी निराशा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

यदि आपने हर समय लिखने का काम किया, झूठा वायदा किया, परस्त्री गमन किया। अपनी पत्नी से झगड़ा किया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से 7 वर्ष तक ननिहाल की हालत खराब, 34 वर्ष बाद सुख नष्ट होना शुरु हो जाएगा। झूठ बोलना, झूठा वायदा करना आपको अवनति देगा। शरीर में दर्द या बीमारी होगी। आपकी संतान पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। आपका मन स्त्री और पुत्र के संबंध में अशांत रहेगा। आप अपनी जुबान से गंदी बातें बोलेंगे। आप अभिमान के कारण बर्बाद हो जाएंगे। किसी को दिया गया आश्वासन पूरा न करना आपके लिए हानिकारक होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. कलम से लिखने का अधिक काम न करें।

उपाय :
1. 4 केले 4 दिन जल में प्रवाह करें।
2. 4 नीबू 4 दिन जल में प्रवाह करें।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उधृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्री स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते है। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते है।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता हैं। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्री मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्री पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्मय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षांत में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिढ़ियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर

काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढ़ेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे एक-एक नारियल उसी दिन जल में प्रवाह करना चाहिए।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

दशा विश्लेषण

महादशा :- शनि
(05/01/1969 - 08/05/1981)

शनि की महादशा की अवधि 19 वर्ष है। आपकी कुण्डली में यह 05/01/1969 को आरम्भ और 08/05/1981 को समाप्त होगी।

आपकी जन्मकुण्डली में शनि प्रथम भाव में स्थित है। यह एक अशुभ ग्रह है जो जातक के दिमाग में भय उत्पन्न करता है। लक्ष्य प्राप्ति में यह बाधा और विलम्ब करता है। यह जातक की परीक्षा लेता है और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उसे कठिन परिश्रम करने को प्रेरित कर उसके धैर्य की परीक्षा लेता है। किन्तु जातक को अन्ततः लक्ष्य की प्राप्ति होती है।

जन्मकुण्डली में प्रथम भाव में स्थित इस ग्रह की दृष्टि तृतीय, सप्तम तथा दशम भाव पर है और यह इन भावों के 'कारकत्व' पर प्रभाव डाल रहा है। प्रथम भाव, जिसमें यह स्थित है, शरीर की लम्बाई, बनावट, स्वास्थ्य, जीवन-शक्ति, व्यक्तित्व, जीवन संघर्ष, प्रतिष्ठा, सामान्य तन्दुरुस्ती, और जीवन-संरचना के प्रति विचार का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी शनि लग्न में स्थित होने के फलस्वरूप इस दशा के दौरान कोई गम्भीर बीमारी या दुर्घटना नहीं होगी। इस दशा में आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और आप अपना कार्य नियमित रूप से करेंगे।

अर्थ-सम्पत्ति :

इस दशा के दौरान शनि के कारण आपको अर्थ-सम्पत्ति में वृद्धि करने के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। आपको धन अर्जन के अनेक अवसर मिलेंगे और इस दशा में आपके संसाधनों में वृद्धि और 'सुधार' होगा। आप आराम और विलास की वस्तुओं पर व्यय करने में सक्षम होंगे।

व्यवसाय :

व्यावसायिक स्तर पर आप सुदृढ़ होंगे और अपनी बुद्धिमत्ता तथा शिक्षा के बल पर स्वयं धनोपार्जन करेंगे। आपमे स्वनियोजित होने की संभावना है। आप उपदेशक या नेता भी हो सकते हैं। आपको पैतृक सम्पत्ति भी मिल सकती है।

पारिवारिक जीवन :

प्रथम भाव से सप्तम भाव पर शनि की दृष्टि के फलस्वरूप आपको आपके जीवनसाभी से सहयोग मिलेगा और वह आपके परिवार को सुचारु रूप से चलाने में आपकी सहायता करेंगे। आपके बच्चे आज्ञाकारी तथा सहयोगी होंगे और आपके दैनिक जीवन में आपका सहयोग करेंगे। आपको उनसे संतोष मिलेगा।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

शिक्षा और साहित्यिक वृत्ति में वृद्धि की दृष्टि से यह दशा आपके अनुकूल होगी।

महादशा :- बुध
(08/05/1981 - 08/05/1998)

बुध की अन्तर्दशा 08/05/1981 को आरम्भ होगी और 17 वर्ष की होकर 08/05/1998 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में बुध एकादश भाव में स्थित है। इसके पूर्व आपकी 19 वर्ष की शनि दशा चल रही थी। शनि के कारण आपको मामूली स्वास्थ्य समस्या तथा साझेदारी में बाधा हुई होगी और विरोधी उत्पन्न हुए होंगे। बुध की वर्तमान दशा में आपको सभी कार्यों में सफलता तथा लाभ मिलेगा और सम्पत्ति तथा सुख की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप सक्रिय, स्फूर्तिवान, स्वस्थ तथा शक्तिशाली होंगे। विषाणुजन्य ज्वर तथा संक्रामक बीमारी, चर्मरोग और स्नायविक दुर्बलता आदि मौसमी बीमारी हो सकती है। स्वयं को अनावश्यक मानसिक या शारीरिक कष्ट न दें। इन मामूली बीमारियों को छोड़ आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

अर्थ और व्यवसाय :

इस दशा के दौरान आपकी आर्थिक-स्थिति सुदृढ़ रहेगी। आपको हर प्रकार का लाभ मिलेगा। आपको विभिन्न स्रोतों से धन की प्राप्ति भी होगी। आपको सट्टे तथा अन्य निवेश में लाभ होगा। आप दिन ब दिन तरक्की करेंगे और आपको सभी कार्यों में सफलता तथा लाभ मिलेगा। जीविका और व्यवसाय के लिए लेखा, पत्रकारिता, शिक्षण, अन्तरिक्ष अनुसन्धान तथा सभी बौद्धिक कार्यों का चयन कर सकते हैं। सूती कपड़ा, पुस्तक, लेखन-सामग्री, कम्प्यूटर और हाथ से बने सामानों का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को प्रतिस्पर्धा में सफलता और उच्चाधिकारियों या सरकार से लाभ मिलेगा। कार्य-स्थान में स्थिति अनुकूल होगी औश्र सहकर्मियों तथा अधीनस्थ कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय से जुड़े लोगों को हर प्रकार का लाभ मिलेगा, आय में वृद्धि, व्यापार की उत्तम संभावना तथा जीवन में तरक्की होगी । आर्थिक प्रगति के लिए यह दशा अति उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

मंगल की अन्तर्दशा में आपको जीवन का आनन्द और वाहन का सुख मिलेगा। आप गाड़ी की खरीद और विक्री कर सकते हैं। आपको पैतृक सम्पत्ति की प्राप्ति हो सकती है। आपको अचल सम्पत्ति का अचानक लाभ मिलेगा। शुक्र की अन्तर्दशा में आपकी छोटी यात्रा और चन्द्र की अन्तर्दशा में दूर की यात्रा होगी जो लाभदायक होगी।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा उत्तम होगी। सामूहिक गतिविधियों से आपको लाभ होगा। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे। विज्ञान, लेखा, वाणिज्य, साहित्य, व्यापार तथा अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के विषयों में आपकी रुचि होगी। आप प्रतिभाशाली, कूटनीतिक और बहुमुखी हैं और विभिन्न विषयों में आपकी रुचि होगी। आप सभी बौद्धिक कार्यों में बहुत अच्छा

करेंगे।

परिवार :

आपको बच्चों से सुख मिलेगा और वे आपकी खुशी के स्रोत होंगे। आपके जीवन साथी को सट्टे तथा निवेश में लाभ, अचानक धन की प्राप्ति तथा बच्चों से सुख मिलेगा। आपका आपके जीवन साथी के साथ सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपकी माता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। उन्हें जमीन-जायदाद और सुख की प्राप्ति होगी। आपको पिता की सम्पत्ति की प्राप्ति होगी, उनकी यात्रा होगी और व्यवसाय-व्यापार में सफलता मिलेगी। आपके छोटे भाई-बहनों को ख्याति, सम्पत्ति और पिता से लाभ मिलेगा। आपके बड़े भाई-बहनों को सुख, यश और ख्याति मिलेगी और उनकी यात्रा होगी। आपके भाई-बहनों के साथ आपका सम्बन्ध मधुर रहेगा। आपको सुख-सम्पत्ति की प्राप्ति होगी, आपके मित्र प्रभावशाली होंगे और आपकी मनोकामनाएं पूरी होंगी।

अन्तर्दशा :

बुध की महादशा में बुध की अन्तर्दशा के कारण आपको लाभ वाहन तथा सुख की प्राप्ति होगी। केतु कुछ समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। शुक्र की अन्तर्दशा में छोटी यात्रा होगी तथा जीवन में प्रगति होगी। सूर्य की अन्तर्दशा के दौरान यश, ख्याति, शक्ति तथा अधिकार मिलेगा और स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। चन्द्र की अन्तर्दशा के दौरान सम्पत्ति तथा समृद्धि की प्राप्ति होगी। राहु कुछ समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। गुरु की अन्तर्दशा के दौरान सुख और कुछ परिवर्तन होगा। शनि की अन्तर्दशा में कुछ मामूली स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

महादशा :- केतु
(08/05/1998 - 08/05/2005)

केतु की महादशा 08/05/1998 को आरम्भ और 08/05/2005 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 7 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में केतु सप्तम भाव में है जहाँ से इसकी दृष्टि लग्न पर है। इसके पूर्व आपकी बुध की दशा चल रही थी जिसकी दशा 17 वर्ष थी। बुध के कारण आपको सम्पत्ति, समृद्धि, यश और ख्याति की प्राप्ति और लम्बी यात्रा हुई होगी। केतु की वर्तमान दशा में यात्रा, व्यापार में वृद्धि और साझेदारों से लाभ होगा।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप शक्ति शाली तथा स्फूर्तिवान होंगे। आपको विषाणुजन्य बुखार, चर्मरोग, छूत की बीमारी, फोड़ा, जनन तथा मूत्राशय संबंधी समस्या हो सकती है। कुछ उपायकर इनसे बचा जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

इस दशा के दौरान आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी। आपको साझेदारों तथा व्यवसाय से लाभ होगा। सट्टे तथा निवेश में लाभ होगा। आपको कार्य में सफलता तथा यश और ख्याति मिलेगी। जीविका-व्यवसाय के लिए उद्योग, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी, धातु अथवा खनिज प्रौद्योगिकी अथवा हार्डवेयर निर्माण अथवा कृषि का चयन कर सकते हैं। रत्न, धातु, चमड़े, मशीनरी लोहा और इस्पात, हार्डवेयर, खेल-सामग्री आदि का व्यापार लाभदायक होगा। नौकरीपेशा लोगों को लाभ, आय में वृद्धि तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। व्यापार-व्यवसाय से जुड़े लोगों को यश, ख्याति, आदर, सफलता तथा जीवन में प्रगति होगी। यह दशा व्यवसाय में उन्नति के लिए उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जायदाद :

शनि की अन्तर्दशा में आपको सभी सुख मिलेंगे। जमीन-जायदाद में वृद्धि होगी। आप एक मकान खरीद सकते हैं। सम्पत्ति के लेन-देन के लिए यह दशा उत्तम है। गुरु की अन्तर्दशा में आपकी छोटी किन्तु, लाभदायक और बुध की अन्तर्दशा में लम्बी यात्रा होगी।

शिक्षा :

आपकी शिक्षा उत्तम होगी। आपको अपना स्तर बनाए रखने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। गणित, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भाषा, मेकैनिकल इंजीनियरिंग, प्रशासन और योजना में आपकी रुचि हो सकती है। आप साहसी और आत्मविश्वासी हैं और खेल तथा शिक्षा, अन्य गतिविधियों में अच्छा करेंगे।

परिवार :

परिवार के साथ आपका संबंध मधुर रहेगा। आपके बच्चों को कठिन परिश्रम करना होगा और उनकी छोटी यात्रा होगी। उन्हें आपकी सहायता और मार्गदर्शन की जरूरत होगी।

आपके जीवन साथी को यश, ख्याति और धर्म में रुचि होगी। अपने जीवन साथी के साथ आपका संबंध उत्तम रहेगा। आपकी माता की जमीन-जायदाद में वृद्धि होगी और सफलता मिलेगी जबकि पिता को लाभ, विभिन्न स्रोतों से आय और इच्छाओं की पूर्ति होगी। आपके छोटे भाई-बहनों को सट्टे में लाभ और शिक्षा उत्तम होगी। बड़ों की यात्रा होगी और धन तथा समृद्धि की प्राप्ति होगी।

अन्तर्दशा :

केतु की महादशा में केतु की अन्तर्दशा के दौरान आपकी यात्रा और व्यापार में वृद्धि होगी और सफलता मिलेगी। शुक्र के कारण आपको लाभ मिलेगा और मनोकामनाओं की पूर्ति होगी जबकि चन्द्र की अन्तर्दशा में प्रगति होगी, व्यवसाय में सफलता और लाभ मिलेगा। राहु कुछ बाधा खड़ी कर सकता है। गुरु की अन्तर्दशा के दौरान शत्रु के कारण कुछ समस्या, स्वास्थ्य संबंधी मामूली समस्या और छोटी यात्रा होगी जबकि योगकारक शनि के कारण बच्चों से सुख, सफलता और जीवन का आराम मिलेगा। बुध की अन्तर्दशा में सम्पत्ति और समृद्धि मिलेगी तथा लम्बी यात्रा होगी।

महादशा :- शुक्र
(08/05/2005 - 08/05/2025)

आपकी कुण्डली में शुक्र की महादशा 08/05/2005 को आरम्भ और 08/05/2025 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 20 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में शुक्र द्वादश भाव में स्थित है। यह एक शुभ ग्रह है जो दो राशियों वृष और तुला का स्वामी है। इसकी मूल त्रिकोण राशि तुला है। यह कन्या राशि में निम्न का तथा मीन राशि में उच्च का हो जाता है। यह कला, संगीत, ड्रामा, भावनात्मक आनन्द, स्वाद, फैशन, डिजाइनिंग तथा सुखमय, जीवन का द्योतक है। द्वादश भाव में स्थित होकर यह आपकी जन्मकुण्डली के षष्ठ भाव पर कारकत्व का प्रभाव डाल रहा है। भाव जिसमें यह स्थित है हानि, फिजूलखर्ची, कड़ी मजदूरी, अनुदान, पारिवार में फूट, धोखा, दुर्भाग्य, कैद, हत्या, कपट, पैर, बायीं आँख, शयन सुख, ऋण और विदेश प्रवास का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी शुक्र द्वादश भाव में स्थित है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करता है तथा कोई बड़ी स्वास्थ्य समस्या आपको नहीं होगी। आपको सभी प्रकार का आराम और आनन्द प्राप्त होगा।

अर्थ संपत्ति :

महादशा स्वामी शुक्र द्वादश भाव में स्थित है तथा इस भाव के कारकत्व की प्रबलित कर रहा है। इस दशा काल में आप उपार्जन तथा चल-अचल संपत्ति अर्जित करने की कोशिश करेंगे। आप अपने जन्म स्थल से दूर जा सकते हैं।

व्यवसाय :

अपने व्यावसायिक जीवन में आप एक जगह से दूसरी जगह जाते रहेंगे और एक बैरागी जीवन व्यतीत करेंगे और अन्ततः मोक्ष प्राप्त करेंगे। आपकी व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी और धार्मिक या ऐसी किसी अन्य संस्था के लिए काम करेंगे जहाँ आपकी आध्यात्मिक मानसिकता प्रबलित होगी।

परिवारक जीवन :

आप भावुक तथा विपरीत लिंग के लोगों की ओर आकृष्ट होगें। आपका पारिवारिक जीवन आनन्दमय होगा। आपके जीवन-साथी आपका सहयोग करेंगे और आप घर-परिवार के मैत्रीपूर्ण वातावरण का आनन्द उठाएंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

यह अवधि उत्तम शिक्षा के लिए अनुकूल होगी। आप साहित्यक गतिविधियां जारी रखेंगे।

महादशा :- सूर्य
(08/05/2025 - 08/05/2031)

सूर्य की महादशा 08/05/2025 को आरंभ और 08/05/2031 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 6 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में सूर्य दशम भाव में अवस्थित है। सूर्य शक्ति, प्रभुत्व, या, ख्याति, और राजकीय अनुग्रह का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि दशम भाव व्यवसाय, प्रतिष्ठा, सम्पत्ति, प्राप्ति और कार्य के स्वभाव का सूचक है। अतः इस दशा में आपको व्यवसाय में लाभ तथा प्रतिष्ठा, सम्पत्ति तथा जीवन की सुख-सुविधाओं की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपमें स्वास्थ्यलाभ की अद्भुत शक्ति है और आप किसी भी बीमारी से जल्द ही छुटकारा प्राप्त कर लेंगे।

अर्थ :

आप भाग्यशाली हैं आपको पर्याप्त संसाधनों की प्राप्ति होगी। आप स्वभाव से उदार व दानी हैं, इसलिये यदि आप पर्याप्त धन चाहते हैं तो अपने व्यय पर नियंत्राण रखें। आप अपने ही प्रयासों से धनोपार्जन करेंगे। आप पिता के कारोबार में शामिल हो सकते हैं और नौकरी तथा वाणिज्य-व्यापार से धन अर्जित कर सकते हैं। आपको सरकारी व्यवसाय से लाभ प्राप्त हो सकता है और कठिन परिश्रम से अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस दशा में आपकी आर्थिक स्थिति उत्तम होगी।

व्यवसाय :

आपको आपके सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। आप एक जन्मजात नेता हैं और संगठनों, निगमों या अन्य सरकारी एजेंसियों के प्रधान होंगे। आपको शक्तिशाली व आधिकारिक पद की प्राप्ति होगी। इस दशा-काल में आपको नियत आमदनी के साथ-साथ एक सुरक्षित कार्य मिलेगा। आप सैन्य, राजनीतिक, प्रशसकीय, तकनीकी तथा वैज्ञानिक सेवाओं में श्रेष्ठता प्राप्त करेंगे। रत्न, पत्थर, संगमरमर, सोना, कोयला, अनाज आदि का व्यवसाय लाभदायक होगा। नौकरी पेशा लोग इस दशा के दौरान बहुत अच्छा करेंगे और उनकी पदोन्नति होगी। उच्चाधिकारियों के अनुग्रह की प्राप्ति और आमदनी में वृद्धि होगी। व्यवसायियों -व्यापारियों को यश और ख्याति तथा विरोधियों पर विजय की प्राप्ति होगी।

परिवार :

आप इस दशा में अपने बच्चों को प्यार देंगे और उनका ध्यान रखेंगे। उनके साथ आपके सम्बन्ध अत्यन्त मधुर होंगे। आप अपने परिवार तथा जीवन साथी के साथ सम्बन्ध मधुर रखेंगे। आपके मित्रों की संख्या बड़ी होगी और आपका सामाजिक जीवन उत्तम होगा। अपना विचार दूसरों पर न थोंपे। आपके जीवन साथी की आमदनी अच्छी होगी और उन्हें सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। आपकी माता को सुख प्राप्त होगा और साझेदारी में लाभ प्राप्त होंगे। आपके पिता भाग्यशाली होंगे और उन्हें धन की प्राप्ति होगी। आपके भाई-बहनों की

अवांछित यात्राएँ और व्यय होंगे। उन्हें सुख-सुविधाएँ और लाभ प्राप्त होंगे।

शिक्षा :

आप अपने अध्ययन में बहुत अच्छा करेंगे और हमेशा प्रथम स्थान प्राप्त करेंगे। आपकी शारीरिक विज्ञान तथा कला में रूचि रहेगी।

महादशा :- चन्द्र
(08/05/2031 - 08/05/2041)

चन्द्र की महादशा की अवधि दस वर्षों की है। आपकी कुण्डली में यह 08/05/2031 को आरम्भ और 08/05/2041 को समाप्त होगी।

चंद्र पंचम भाव में अवस्थित है। पंचम भाव संपत्ति, आनन्द, मनोरंजन, मनोविनोद, विश्राम, वर्ग पहेली, जुआबाजी आदि प्रतियोगी गतिविधियों, लॉटरी प्रेम, उच्च शिक्षा और ज्ञान, अकूत सम्पत्ति तथा आध्यात्मिक गतिविधियों का द्योतक है। अतः यह अवधि आपके लिये आनंद दायक होगी और आपको समृद्धि तथा शांति की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी की त्रिकोण में स्थिति के कारण आपका जीवन उत्तम होगा। इस अवधि में किसी बड़े रोग अथवा दुर्घटना की सम्भावना नहीं है और आप सामान्य जीवन का आनन्द लेने में सक्षम होंगे तथा अपने दैनिक कर्त्तव्यों का नियमित रूप से बिना किसी रुकावट के सम्पादन करेंगे।

अर्थ और सम्पत्ति :

अर्थ की दृष्टि से यह दशा अनुकूल होगी जब पंचम भाव में अवस्थित महादशा के स्वामी की एकादश भाव पर दृष्टि होगी। इस अवधि में आपकी चल-अचल सम्पत्ति में वृद्धि होने की संभावना है। आपकी आय में वृद्धि होगी और आप सुख-साधनों पर व्यय करने की स्थिति को प्राप्त करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

व्यवसाय :

आप निष्कपट, सत्यवादी, भद्र तथा ईश्वर से भयभीत रहने वाले हैं इसलिए आपको सरकारी पद, राज्य की सेवा के अवसर की प्राप्ति होगी। आपकी प्रतिष्ठा और स्थिति से समाज के अन्य लोगों को ईर्ष्या होगी और आपका कोई शत्रु नहीं होगा। सट्टे की ओर प्रवृत्ति के संकेत भी हैं जिसमें आपको लाभ मिलेंगे।

पारिवारिक जीवन :

आपका पारिवारिक जीवन सौहार्द्रपूर्ण और आनन्ददायक होगा। आपके जीवन साथी सहयोगी और सहायक होंगे तथा बच्चे आज्ञाकारी होंगे। संभव है आपका कोई बेटा अपने क्षेत्र में प्रसिद्ध होगा और परिवार को प्रसिद्धि दिलाएगा। आपका मस्तिष्क साफ रहेगा और बच्चों से आपको सुख की प्राप्ति होगी।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

धर्मग्रन्थों और अन्य पुराणों के अध्ययन में आपकी प्रवृत्ति होगी।

महादशा :- मंगल
(08/05/2041 - 08/05/2048)

मंगल की महादशा को 08/05/2041 आरम्भ होगी और 7 वर्ष की होकर 08/05/2048 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में मंगल अष्टम भाव में स्थित है। इसके पहले आपकी 10 वर्ष की चन्द्रदशा चल रही थी। आपको लाभ, इच्छाओं की पूर्ति तथा भौतिक समृद्धि की प्राप्ति हुई होगी। इस दशा के दौरान आपको सम्पत्ति का लाभ और पैतृक सम्पत्ति की प्राप्ति हो सकती है तथा आपके अच्छे स्वास्थ्य की संभावना है।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य अति उत्तम रहेगा। आप में जीवनी शक्ति और उत्साह होगा। अपनी सभी इच्छाओं की पूर्ति के लिए आप में आवश्यक कर्मशक्ति तथा ऊर्जा होगी। मौसम में परिवर्तन के कारण आपका स्वास्थ्य एक सीमा तक प्रभावित हो सकता है। आँख तथा मूत्राशय संबंधी समस्याओं, सरदर्द, ज्वर आदि की सम्भावना है। कुछ घाव तथा चोट आ सकती है।

अर्थ और व्यवसाय :

आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आप धनोपार्जन अपने प्रयासों से करेंगे। पैतृक सम्पत्ति, तथा ट्रस्ट से आय, बोनस या अवकाश ग्रहण से लाभ की सम्भावना है। आपका बैंक बैलेंस सुदृढ़ होगा। आपको कहीं से अचानक धन की प्राप्ति होगी। जीविका के लिए सशस्त्र सैन्य सेवा, इन्जीनियरिंग, सर्जरी के कार्य, लोहा-इस्पात से सम्बन्धित व्यवसाय आदि का चयन कर सकते हैं। रसायन, समुद्री उत्पाद, कुटीर उद्योग आदि का व्यापार उत्तम होगा। आप एक सफल दन्त चिकित्सक या सर्जन हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की छोटी यात्राएं होंगी, उन्हें कठिन परिश्रम करना होगा और उनकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपका चिर प्रतीक्षित स्थानन्तरण या परिवर्तन होगा। व्यवसाय व्यापार से जुड़े लोगों की आय में वृद्धि होगी। हर प्रकार का लाभ प्राप्त होगा। व्यापार में उन्नति होगी और आय में वृद्धि होगी। अप्रत्याशित परिवर्तन तथा विकास की सम्भावना है जो अन्ततः लभदायक होगा। मार्केटिंग तथा जन-सम्पर्क कौशल उत्तम होगा और आप अपने क्षेत्र में बहुत अच्छा करेंगे।

वाहन, यात्रा, सम्पत्ति :

गुरु की अन्तर्दशा में आपको वाहन तथा पारिवारिक सुख मिलेगा। मंगल की अन्तर्दशा के फलस्वरूप छोटी जबकि सूर्य की अन्तर्दशा के फलस्वरूप लम्बी यात्राएं होंगी। मंगल की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आपको जमीन-जायदाद की प्राप्ति होगी। आपको पैतृक सम्पत्ति की प्राप्ति हो सकती है। सम्पत्ति की दृष्टि से यह एक उत्तम दशा है।

शिक्षा :

आपकी शिक्षा में कुछ परिवर्तन हो सकता है। विज्ञान, लेखा, स्थितिकी, गणित आदि में आपकी रुचि होगी। आपका शोध की ओर झुकाव होगा और आप इस दशा के दौरान अपनी

परियोजना पूरी करेंगे। आपकी खेलों तथा अन्य बाहरी गतिविधियों में रुचि होगी। उच्च शिक्षा के लिए यह दशा उत्तम है। आपका दाखिला आपकी पसन्द की संस्थाओं में होगा।

परिवार :

परिवर में आपके सम्बन्ध मधुर रहेंगे। आपके बच्चे अच्छा करेंगे और आपको उनसे सुख मिलेगा। आपके जीवन साथी की आय और लाभ में वृद्धि होगी। आपको आपके जीवन साथी से लाभ होगा। जीवन साथी के साथ आपका संबंध उत्तम रहेगा। आपकी माता के लिए निवेश व सट्टा लाभदायक तथा समृद्धिदायक होगा। आपके पिता का अच्छे कार्य में व्यय होगा, उनकी यात्रा होगी और साझीदारी में लाभ मिलेगा। आपके छोटे भाई-बहनों को विरोधियों पर विजय मिलेगी, कार्य स्थान में स्थिति सुध्रेगी और स्वास्थ्य तथा जीवन शक्ति में सुधार होगा। आपके बड़े भाई-बहनों के कार्यों में कुछ परिवर्तन होगा। इस दशा के दौरान आप में पहलशक्ति बहुत होगी और आपका खिंचाव पर विज्ञान की ओर होगा।

अन्तर्दशा :

मंगल की मुख्य दशा में मंगल की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आपको सम्पत्ति तथा अचानक धन की प्राप्ति होगी। इसके बाद आने वाली राहु दशा के कारण कुछ समस्याएं आएंगी। गुरु आराम व सुख देगा और आपका विवाह भी हो सकता है। शनि के फलस्वरूप आपको बच्चों से सुख मिलेगा और कुछ मामूली स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होंगी। बुध की अंतरदशा के फलस्वरूप आपको यश और ख्याति, सम्पत्ति, समृद्धि, उच्च प्रतिष्ठा तथा उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति होगी। केतु कुछ तनाव उत्पन्न कर सकता है। शुक्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आपको आराम, विलासिता, सम्पत्ति और समृद्धि की प्राप्ति होगी और आपकी यात्रा होगी जबकि सूर्य के कारण लम्बी यात्राएं होंगी। चन्द्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप हर प्रकार का लाभ मिलेगा।

महादशा :- राहु
(08/05/2048 - 08/05/2066)

राहु की महादशा 08/05/2048 को आरम्भ और 08/05/2066 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 18 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में राहु प्रथम भाव में स्थित है। इस स्थान से राहु की दृष्टि सातवें भाव पर है। इसके पूर्व आपकी 7 वर्ष की मंगल दशा चल रही थी। मंगल के कारण आपको सफलता, ख्याति, सम्पत्ति तथा उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति हुई होगी। राहु की वर्तमान दशा में आपको धन की प्राप्ति और शत्रुओं पर विजय मिलेगी तथा स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके शरीर के ऊपरी भाग तथा सिर में कष्ट हो सकता है। आप सरदर्द तथा पित्तदोष से ग्रसित हो सकते हैं और मौसम में परिवर्तन के कारण संक्रामक बीमारी, चर्मरोग, चेहरे पर तथा माथे में फोड़ा आदि हो सकते हैं। इन मामूली शिकायतों को छोड़ आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

अर्थ और व्यवसाय :

इस दशा के दौरान आपकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त अच्छी रहेगी। आपको लाभ और समृद्धि की प्राप्ति होगी। आपकी धार्मिक, शैक्षिक और वैज्ञानिक उपलब्धियों के कारण आपको सम्पत्ति और प्रतिष्ठा मिलेगी। आपको सट्टे में अच्छा लाभ मिलेगा। राहु की दशा में आपको धन का अचानक लाभ होगा। आपको मित्रों से लाभ हो सकता है। जीविका या व्यवसाय के लिए वायुयान चालन, दवा, कम्प्यूटर, मशीनरी, समुद्री सेवा, वायु-सेना आदि के क्षेत्र का चयन कर सकते हैं। दवा, रसायन, औजार, ड्रग, मशीनरी आदि का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों का स्थानान्तरण हो सकता है जो अन्त में लाभदायक होगा और अचानक लाभ तथा कार्य स्थान में अप्रत्याशित पदोन्नति होगी। व्यापार व्यवसाय से जुड़े लोगों को उच्चाधिकारियों से अच्छा लाभ, कार्य में सफलता तथा आय में वृद्धि होगी। व्यवसाय में उन्नति तथा आर्थिक खुशहाली के लिए यह दशा अत्यन्त उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जायदाद :

चन्द्र की अन्तर्दशा में आपको वाहन का सुख मिलेगा। आपको जीवन का हर सुख मिलेगा। आप अचल तथा भूसम्पत्ति के स्वामी होंगे। इस दशा के दौरान आपकी अनेक यात्राएं होंगी। बुध की अन्तर्दशा में आपकी छोटी जबकि गुरु की अन्तर्दशा में लम्बी यात्रा होगी। विदेश यात्रा हो सकती है।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा उत्तम होगी। इन्जीनियरिंग, गणित, विज्ञान, अन्तरिक्ष अनुसन्धान तथा कम्प्यूटर विज्ञान में आपकी रुचि होगी। आपको आपके प्रतिद्वन्द्वियों पर विजय मिलेगी और परीक्षा तथा प्रतियोगिता में अच्छा करेंगे। आप में नेतृत्व-गुण और

साहस है और आप स्वभाव से स्वतन्त्र हैं। आप चतुर और कूटनीतिज्ञ हैं।

परिवार :

परिवार के साथ आपका सम्बन्ध मधुर रहेगा। आपके बच्चे भाग्यवान और खुशहाल होंगे। आपका उनके साथ सम्बन्ध अच्छा रहेगा। आपके जीवनसाथी की यात्रा, विदेशियों से सम्पर्क और भौतिक लाभ होगा। आपके जीवन साथी के साथ आपका संबंध मधुर रहेगा। आपकी माता यात्रा और तीर्थाटन पर जाएंगी और दान-पुण्य का कार्य करेंगी और आपके पिता को सट्टे में लाभ तथा धन में अचानक वृद्धि होगी। आपके छोटे भाई-बहनों को हर प्रकार का लाभ तथा सम्पत्ति मिलेगी। बड़े भाई-बहन साहसी और कठिन परिश्रमी होंगे, उनकी छोटी यात्रा होगी और वे संचार-व्यवस्था के क्षेत्र में सफल होंगे। आपका उनके साथ सम्बन्ध मधुर रहेगा। इस दशा के दौरान आपको अच्छा सम्मान, भौतिक समृद्धि और सम्पत्ति की प्राप्ति होगी।

अन्तर्दशा :

राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा के दौरान आपको सम्पत्ति और लाभ, कार्य में सफलता और खुशहाली मिलेगी। गुरु की अन्तर्दशा में आपकी यात्रा होगी और समृद्धि तथा उच्च शिक्षा की प्राप्ति होगी जबकि शनि की अन्तर्दशा में व्यवसाय में प्रगति और उपार्जन अच्छा होगा। बुध की अन्तर्दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य कुछ खराब होगा, किन्तु ननिहाल से लाभ और छोटी यात्रा होगी। केतु कुछ समस्या दे सकता है। शुक्र की अन्तर्दशा में साझेदारों से लाभ मिलेगा और विवाह होगा जबकि सूर्य की अन्तर्दशा के दौरान बच्चों से सुख और सट्टे में सफलता मिलेगी। चन्द्र की अन्तर्दशा में आपको माता से लाभ और जीवन का सुख मिलेगा जबकि लग्न स्वामी मंगल की अन्तर्दशा के दौरान यश, ख्याति, उत्तम स्वास्थ्य तथा सफलता मिलेगी।

महादशा :- गुरु
(08/05/2066 - 08/05/2082)

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा 08/05/2066 को आरम्भ तथा 08/05/2082 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 16 वर्ष है।

आपकी जन्म कुण्डली में गुरु सप्तम भाव में स्थित है। सप्तम भाव जीवन साथी, व्यवसाय, कोर्ट-कचहरी के मामले, विदेश संबंध तथा विदेशों में अर्जित प्रतिष्ठा का द्योतक है। गुरु स्वभाव से एक शुभ ग्रह है जिसकी सप्तम भाव में स्थिति तथा एकादश, प्रथम और तृतीय भाव पर दृष्टि है। इन भावों पर यह शुभ प्रभाव डाल रहा है। सोलह वर्षों की इस दशा में आपको बहुत ही आनन्द तथा शान्ति की प्राप्ति होगी और आप उन्नति करेंगे।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी गुरु की सप्तम भाव, जो एक केंद्र है, में स्थिति तथा स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व के द्योतक प्रथम भाव पर इसकी दृष्टि के फलस्वरूप आपको किसी भयानक विपत्ति से छुटकारा मिलेगा तथा इस दशा काल में कोई बड़ी स्वास्थ्य समस्या आपको परेशान नहीं कर पाएगी और आपका जीवन सामान्य रहेगा।

अर्थ सम्पत्ति :

गुरु, जो स्वभावत एक शुभ ग्रह है तथा जो दशम भाव (कर्म भाव) के स्वामी के अतिरिक्त सप्तम भाव का स्वामी होकर सप्तम भाव में स्थित है एवं सप्तम भाव से जिसकी दृष्टि एकादश भाव (आय भाव) पर है, आपको इस दशा काल में चल एवं अचल संपत्ति में बढ़ोतरी करने का सुअवसर प्रदान करेगा तथा आरामदेह और शौकीन वस्तुओं को खरीदने में आपकी अक्षमता को कम करेगा।

व्यवसाय :

सप्तम अर्थात् जीवनसाथी के भाव तथा दशम अर्थात् कर्म भाव के स्वामी गुरु की सप्तम भाव में स्थिति के कारण आपका व्यवसाय उत्तम होगा। आप व्यवसाय में लाभ प्राप्त करेंगे। आपको विदेश यात्रा का अवसर मिलेगा। आप वाक्पटु होंगे और आपको लक्ष्य की प्राप्ति होगी।

पारिवारिक जीवन :

गुरु के सप्तम अर्थात् जीवनसाथी के भाव में स्थित होने के कारण आपके जीवन साथी आपके सहयोगी होंगे और व्यवसाय में आपकी सहायता करेंगे। आपके जीवन साथी का व्यक्तित्त्व आकर्षक होगा। आपके बच्चे आज्ञाकारी होंगे और आपका पारिवारिक जीवन उन्नतिशील होगा।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

गुरु का आपके व्यक्तित्व पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा और आप संत की तरह धार्मिक होंगे तथा शिक्षित व्यक्ति की तरह ज्ञान की खोज में अपनी पसंन्द के कारण अध्ययन से जुड़े रहेंगे।

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

वर्त्तमान आयु - 57
वर्त्तमान दशा – सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	--	हाँ	हाँ	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2025 – 2026

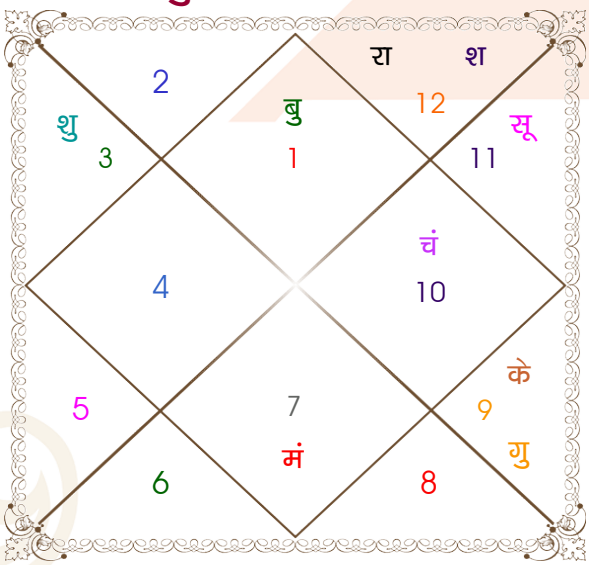

वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 – 2026

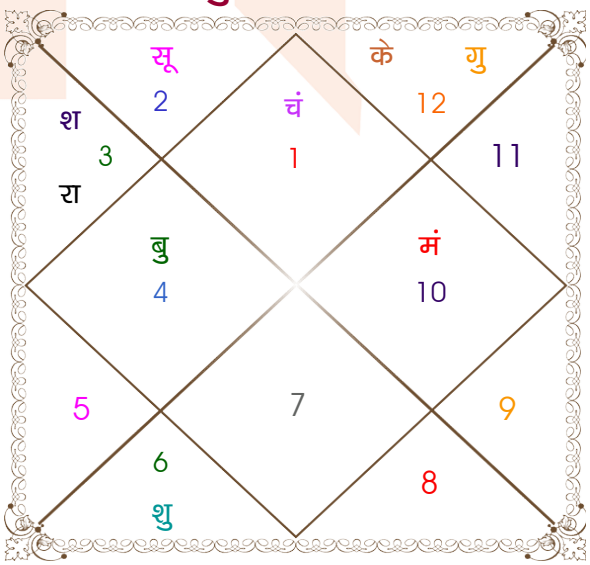

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष सुस्ती और लापरवाही से जीवन में तरक्की के कई अवसर खो सकते हैं। मांस-शराब के इस्तेमाल करना संतान को कष्ट होगा या संतान सुख की चिंता रहेगी। दूसरे लोगों को गाली देना, झूठी गवाही देना, लड़ाई-झगड़ा करना आपके लिये ठीक नहीं है इन बातों से बचें। सरकारी विभाग द्वारा दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. झूठ न बोलें, जूठा भोजन न खावें और न खिलावें।
2. मांस-मछली न खावें और शराब आदि न पिये मादक चीजों का सेवन न करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष खराब स्वास्थ्य के समय या वैसे ही रात के समय लिक्वड दवाई का प्रयोग आपके लिए हानिकारक है। विद्या संबंधी कामों में भी परेशानी आ सकती है। चोरों-जुआरियों, शराबी लोगों द्वारा आपका नुकसान होगा। किसी स्त्री या प्रेमिका द्वारा गलत सलाह से आपका धन-सम्मान नष्ट हो सकता है, सतर्क रहें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध को फाड़ कर उसका पानी पीयें अर्थात पनीर का पानी पियें (स्वास्थ्य खराब के समय)
2. 10 दिन सुबह नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।
3. रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पिये।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार की तरक्की और वृद्धि होगी। रोते हुए व्यक्ति को हंसाना और उसको ढांढस देकर मदद करना अपना कर्त्तव्य समझेंगे, इन्साफ पसन्द, ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी, विष्णु भगवान की तरह संसार के पालक सिद्ध हो सकते हैं। जज, सरपंच, नेता जैसे आदि पद का अधिकार भी मिल सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

2. घर में बेलदार पौधे या बेलें न लगावें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ हो सकता है। आपके मुंह से निकली हुई बात में दम होगा, आप दूसरों की परवाह नहीं करेंगे। मधुर भाषा बोलेंगे, कल्पनाशील विचार होंगे। आप पर दूसरे लोगों का प्रभाव रहेगा। आप परिवार के झगड़ों में सुलह करने में भूमिका निभाएंगे।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. अण्डा-पेस्ट्री आदि अण्डे से बनी चीजें न खावें।
2. शराब-बीयर न पियें, मांस-मछली का भोजन न करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अपने पूर्वजों के द्वारा लाभ होगा, ज्योतिष और गुप्त विद्याओं में रूचि रहेगी। परिवार के लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा। आप दुनिया में अपने परिवार का नाम चमकाएंगे। जौहरी/सर्राफी के कामों से लाभ हो सकता है। आपकी आदत राजाओं जैसी बनेंगी। प्राण जाये पर वचन न जाये ही आपका धर्म होगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. किया हुआ वायदा पूरा करें।
2. सोना गिरवी न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष स्त्रियों द्वारा धन लाभ होगा। स्त्री आपके कामों में हाथ बटाएंगी या पत्नी के साथ शुरू किये कामों से लाभ मिलेगा। आप पर कोई न कोई स्त्री मोहित रह सकती है। कम मेहनत से अधिक लाभ मिले ऐसी संभावना है। पत्नी से घर में रहते कभी चोरी नहीं होगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बुजुर्गी घर की दहलीज को ठीक रखें।
2. राग-रंग में रूचि न रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष धन व्यय अधिक होगा और वह भी परिवार के शुभ कामों पर, सरकारी विभाग और मुकददमें में जीत होगी। आपको रात्रि का पूरा आराम मिलेगा। साधना या अध्यात्म में आपकी रूचि रहेगी तो वह आपको हानिकारक हो सकती है। शराब पीना, मांस-मछली खाना आपके लिये हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका धन शुभ कामों या विवाह आदि पर खर्च हो सकता है। यदि आप पर ऋण का बोझ हो जाये तो वह उतर जायेगा, शत्रु दबे रहेंगे। अध्यात्म विचार आपको शायद ही लाभ देंगे। अपने बलबुते पर सभी कार्य सिद्ध कर लेंगे। रात को सुख की नींद मिलेगी और सुख के साधन बढ़ेंगे।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. रसोई से बाहर बैठ कर खाना न खावें।
2. घर के आंगन में धुंआ न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष प्रगति मिले ऐसी संभावना है। तबदीली का चांस कम है। यात्रा से लाभ होगा। प्रदेश में भी कुछ समय व्यतीत हो सकता है। अपनी संतान के साथ या उसकी सलाह से कोई काम करेंगे तो आपको अधिक लाभ होगा। आप जिसको पुत्र होने का आशीर्वाद देंगे उसके घर पुत्र पैदा होगा।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू का साथ न रखें।
2. कुत्ते को चोट न मारे।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन रेत का तकिया बना कर रात को सिर के नीचे रख कर सोये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

वर्त्तमान आयु - 58
वर्त्तमान दशा – सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	हाँ	--	मन्दा
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	हाँ	मन्दा

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	--	--	--	--	--	--	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2026 – 2027

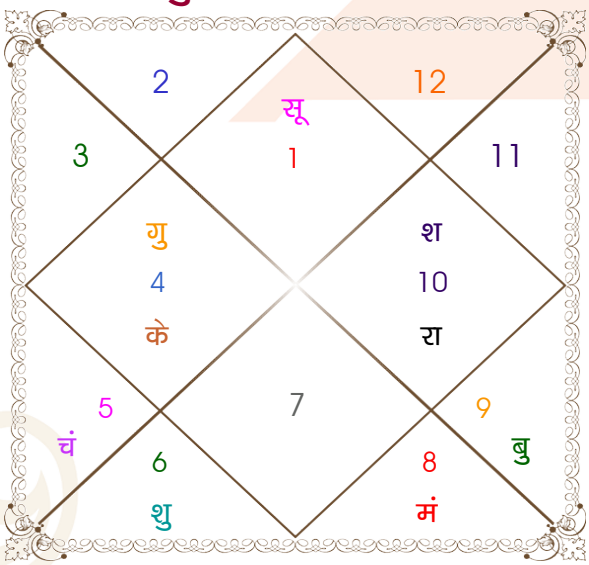

वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 – 2027

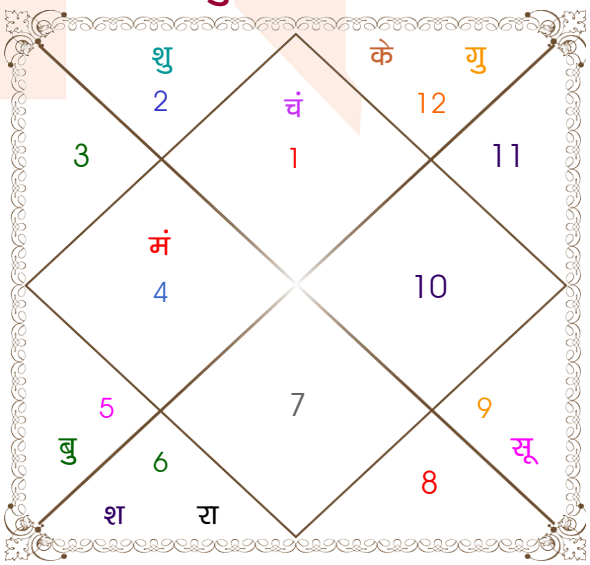

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका तेज व प्रताप बढ़ेगा। धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी, परोपकार की भावना रहेगी, आप दृढ़ निश्चयी, नशों से दूर रहेंगे। अधिक मेहनत करके आप अपना भाग्य चमकाएंगे। सरकारी विभाग में रूके काम बनेंगे। सरकारी अधिकारियों से अच्छे संबंध रहेंगे और उनसे लाभ मिलेगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब आदि न पियें, मांस-मछली का भोजन न करें।
2. सूर्योदय से सूर्यास्त तक स्त्री से शारीरिक संबंध न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार वालों को सोने-चांदी का लाभ होगा, विद्या का लाभ होगा, आप दूसरों के कष्ट अपने पर झेलेंगे, दूसरों पर परोपकार करेंगे, लड़ाई-झगड़े में आप जिसका भी साथ देंगे उस व्यक्ति की जीत होगी। आपकी बहुत प्रसिद्धि होगी और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हर कार्य में किसी की सलाह जरूर लेवें।
2. पाप के कामों में अपना हस्तोप न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको किसी विधवा स्त्री से झगड़ा नहीं करना चाहिये। वैवाहिक समस्याएं या परिवार में कोई स्त्री विधवा हो सकती है। छोटे भाई अगर हों तो उस के लिये समय ठीक नहीं। आपकी जुबान से निकला अपशब्द लड़ाई-झगड़े का कारण होगा। आपको गुस्सा करना नुकसानदेह है, समय धैर्य से निकालें।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. विधवा स्त्री को उपहार देकर चरण स्पर्श कर आर्शीवाद लेवें।
2. तन्दूर में मीठी रोटियां लगवा कर कुत्तों को खिलायें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता से दूरी या पिता की चिंता रहेगी, पिता का धन नाश हो सकता है । आपको जुबान से सम्बन्धित बीमारी हो ऐसी आशंका है। गृहस्थ और संतान के सम्बन्ध में कुछ खराबियां भी हो सकती हैं। हर काम में कदम-कदम पर आपको विचार करके चलना चाहिये। यात्रा से हानि का भय है, सर्तक रहें।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गऊ ग्रास देवें।
2. लोहे की गोली पर लाल रंग करके पास रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ होगा। दिमाग में आयी बात को अवश्य पूरा करेगें। आपको हर कोई मान-सम्मान देगा। सभी की मदद करने से और उच्च पद/तरक्की की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों से सुख मिलेगा और रूतबा दिनों-दिन बढ़ेगा। वाहन, मकान का सुख मिलेगा और परिवारों में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बच्चों के टुटे हुए खिलौने घर में न रखें।
2. निःसंतान व्यक्ति से सम्बन्ध न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कामपूर्त्ति के लिए स्त्री की प्रशंसा करेंगे और स्त्री की गुलामी भी करनी पड़ सकती है। धन का लाभ बहुत होगा। पुत्र संतान की बजाय कन्या संतान का सुख मिलने की आशंका है। जन्मदिन के बाद धन वृद्धि भी होगी। मान-सम्मान बढ़ेगा और वाहन सुख प्राप्त हो सकता है।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. स्त्री जाति का अपमान न करें।
2. पत्नी नंगे पैर ज़मीन पर न चले।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकारी विभाग या सरकार द्वारा लाभ मिलेगा। इस वर्ष का हर दसवां दिन और दसवां महीना आपके लिये शुभ और लाभकारी है। धर्मात्मा होना आपके लिये ठीक नहीं रहेगा। स्थायी कामों अर्थात एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से मान-सम्मान बढ़ेगा और अधिक धन लाभ मिलेगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मादक द्रव्यों/चीजों का प्रयोग न करें और मछली न खायें।
2. भाग-दौड़ के काम न करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका हर काम सरहानीय होगा। सरकारी विभाग में नौकरी करते हैं तो उच्च पद मिले या सरकार द्वारा आपको लाभ होगा। आपके सिर के बाल सफेद होने शुरु हो जायें या हो चुके हों तो आपकी तरक्की की निशानी है। आपका चरित्र भी ऊंचा होना शुरू हो जायेगा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सिर पर सूर्य की रोशनी न पड़े अर्थात् नंगा सिर न रखें।
2. मौके के अधिकारी से झगड़ा न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष रीढ़ की हड्डी या जोड़ों का दर्द, शुगर/पेशाब का रोग हो सकता है। माता की चिंता हो सकती है या माता को कष्ट हो सकता है। हृदय रोग के प्रति आलस्य न बरतें। पुत्र संतान के सुख की चिंता रहेगी। कुल पुरोहित से संबंध ठीक रखे तो पुत्र चिंता दूर होगी। कुत्ते के काटने का भय रहेगा। यात्रा में रूकावट आयेगी या यात्रा में हानि हो सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चने की दाल और केसर धर्म स्थान में देवें।
2. कुल पुरोहित को धन वस्त्र आदि देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। अगर कुल पुरोहित न हो तो 4 किलो चने की दाल महीने दो महीने में धर्म स्थान में देवें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन मीठी रोटी तंदूर में लगा कर कुत्तों को खिलाये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

वर्त्तमान आयु - 59
वर्त्तमान दशा – सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	--	हाँ	--	--	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2027 – 2028

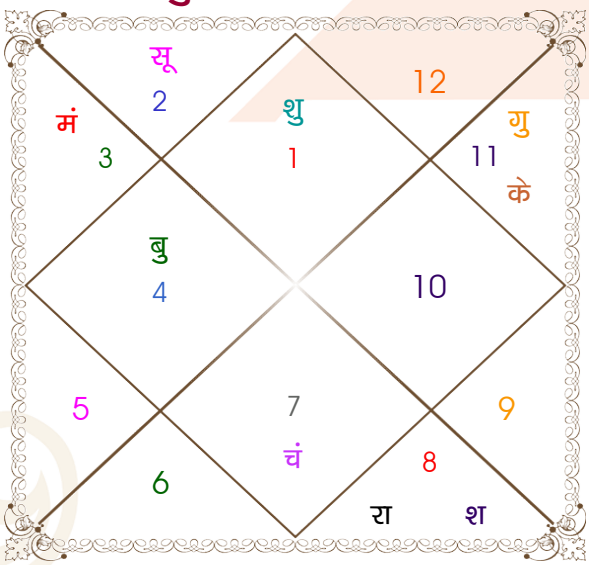

वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 – 2028

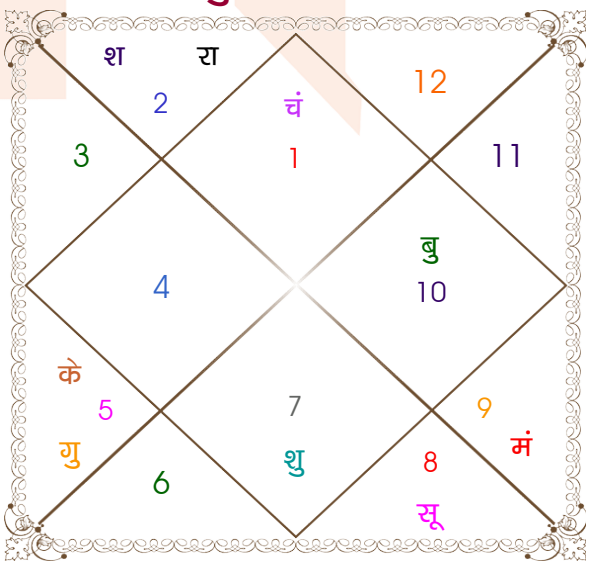

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से इस वर्ष किसी की अमानत को हड़प करने से आपका आने वाला समय खराब हो सकता है, किसी से दूध, चावल, चांदी आदि मुफ्त या दान न लेवें। चाल-चलन खराब या अनैतिक रखने से आप की अवनति हो सकती है। धन/जमीन/स्त्री के झगड़े मे न पड़ें इससे धन-मान की हानि हो सकती है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बादाम, नारियल या सरसों का तेल धर्म स्थान में देवें।
2. पैतृक मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके माता-पिता को अधिक धन लाभ होगा। आपको किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ेगा। ज्योतिष विद्या, योगाभ्यास तथा शायरी में आपका शौक रहेगा। जल से संबंधित कामों से लाभ होगा। नये विषयों की खोज भी कर सकते हैं, विदेश यात्रा या विदेश से संबंधित कामों से लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूध-पानी का व्यापार न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष दूसरों की सहायता कर के प्रसन्नता प्राप्त होगी मगर जरूरी नहीं कि दूसरों की सहायता के बदले में आपको सम्मान मिलेगा, आपको कसरत करने या जिम आदि जाने का शौक रहेगा, मुकाबले की विद्या (प्रतियोगी परीक्षा) में आपकी जीत होगी, नर्म स्वभाव रखेंगे तो आपको लाभ मिलेगा। धन-परिवार/संतान का सुख मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पेट का विशेष ध्यान रखें।
2. हाथी दांत न रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धन लाभ, परिवार में सभी सुखी और सुख के साधन मिलेंगे। कुल मिला कर राजयोग का समय है, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ प्राप्त हो ऐसा योग है। बहन-बेटी, बुआ-साली से भी लाभ हो सकता है। माता से धन-जायदाद का लाभ होगा मगर मातृ सुख में कमी की आंशका रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बेटी-बहन, बुआ-साली से झगड़ा न करें।
2. विधवा स्त्री से सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका चाल-चलन खराब हो सकता है। चाल-चलन संभालना आप के लिये एक जरूरी चीज़ है। दादा-पिता को कष्ट, सोने के आभूषणों की हानि, आंखों की नजर कमज़ोर हो सकती है। किस्मत का फल कुछ मध्यम रहेगा। परिवार के लोगों की हिफाजत करना आपके लिए एक जरूरी कर्म होगा।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पीला रूमाल पास रखें।
2. लावारिस लाश को कफन दान देवें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको, परिवार का मुखिया बनना अवनति का कारण बनेगा। चाल-चलन खराब हुआ तो उसका असर कारोबार या विद्या आदि पर पड़ सकता है। आपके कुछ काम अधूरे रह सकते हैं। मान-सम्मान या उच्च पद नष्ट हो सकता है। पत्नी की किस्मत न साथ देगी और संतान की चिंता रह सकती है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. जौ या सरसों या चरी दान करें।
2. गाय, कौवे और कुत्ते को भोजन का हिस्सा देवें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका मनमौजी स्वभाव रहेगा। एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से लाभ होगा। भाग-दौड़ के काम न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुत्र संतान की खुशी मिले, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आपके मकान के साथ बंद गली हो उस मकान में आप रिहाइश नहीं रखेंगे तो लाभ होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अपने नाम पर मकान न खरीदें।
2. सांप न मारें।
3. मकान के मुख्य द्वार की दहलीज की पूजा करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष अंगहीन, निःसंतान, काने, गंजे व्यक्ति से दूर रहें। जन्म दिन के बाद आठवें मास से उलझनें बढ़ सकती हैं। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे होता रहेगा, बिजली विभाग, जंगल विभाग, पुलिस विभाग से संबंधित कामों में परेशानी या धन और समय नाश हो सकता है। बंधन और कैद में न रहेंगे।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 चौरस सिक्के (औफदप) के टुकड़े जल प्रवाह करें।
3. जिस दिन इस वर्ष का 8वां मास शुरू हो उस दिन 43-43 बादाम मंदिर में ले जाकर वहां रखें, उसमें से 43 बादाम उठा कर घर पर लाकर सफेद थैली में रख लें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कभी हिम्मत नहीं हारेगें। भाग्य आपका साथ देगा। धन-दौलत का अधिक लाभ होगा। आपको पुत्र संतान का सुख मिलेगा तो माता/सास को शारीरिक कष्ट हो सकता है खासकर आंखों में। चाल-चलन ठीक रखें वरना शारीरिक कमजोरी हो सकती है। आने वाले समय की अधिक सोच रहेगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शुभ काम पर जाते समय कोई पीछे से आवाज दे तो काम पर न जायें क्योकि आगे काम

नहीं बनेगा।

2. व्यतीत समय की बातें करके को याद कर लोगों को न सुनायें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- नारियल या तेल या बादाम धर्म स्थान में देवे।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2028-2029

वर्त्तमान आयु - 60
वर्त्तमान दशा – सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	--	हाँ	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	--	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2028 – 2029

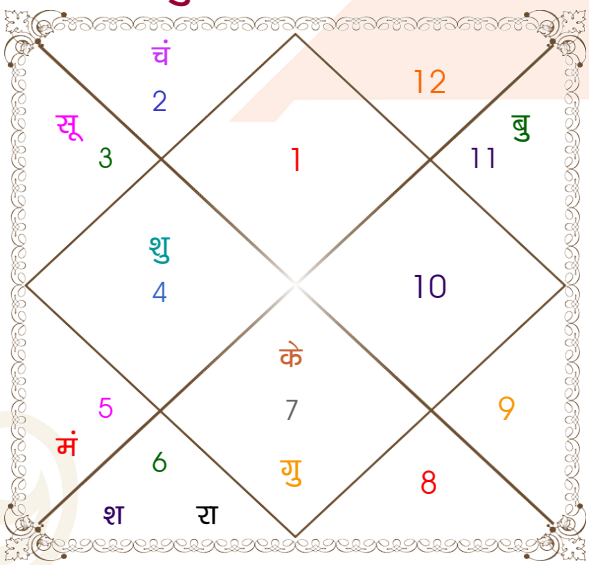

वर्ष चन्द्र कुंडली 2028 – 2029

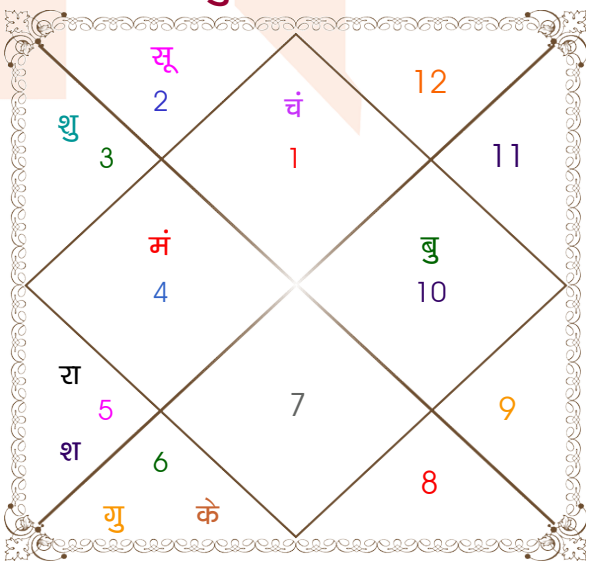

लाल किताब वर्षफल 2028-2029

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप दूसरों की सहायता करेंगे और बहादुरी के कार्य करेंगे, उत्साह और फुर्तीलापन रहेगा, आपको लड़ाई-झगड़ों से दूर रहना चाहिए, गणित और ज्योतिष विद्या में रूचि रहेगी। सरकारी विभाग से लाभ, मुकददमे में जीत होगी, भाई-बंधुओं से प्यार बढ़ेगा। बहन-बेटी द्वारा लाभ मिल सकता है।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बुरे कामों से दूर रहें।
2. चोरी न करें, चोरी के माल से दूर रहें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पैतृक सुख और सुख के साधन मिलेंगे, जददी विरास्त से जायदाद का हिस्सा या लाभ मिलेगा। सफेद चीजों के कारोबार से अधिक लाभ मिलेगा। भाई-बंधुओं का सुख अवश्य मिलेगा। विद्या संबंधी कामों में सफलता मिलेगी। यात्रा करने या पहाड़ी प्रदेश से लाभ मिलेगा। चाल-चलन ठीक रखें।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. घर में मूर्तियां न रखें और घंटी, घड़ियाल आदि न बजायें (संतान सुख हेतु)। परंतु दीवार पर तस्वीरें लगाकर पूजा-पाठ कर सकते हैं।
2. शराब आदि मादक वस्तुओं का इस्तेमाल न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 5 में शुभ है। जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गृहस्थ/संतान का सुख मिलेगा, परिवार में उन्नति होगी, यात्रा बहुत होगी। इस जन्म दिन के बाद धन दिनों-दिन बढ़ता जाएगा, पिता-दादा की हैसियत भी बढ़ेगी, चाल-चलन आपको उम्दा रखना होगा, शत्रु को भी मित्र बनाने में प्रयत्नशील रहेंगे और शत्रु आपका सहायक बन जाएगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. चाल-चलन ठीक रखें, अनैतिक संबंध न रखें।

2. शराब-बीयर न पिये, मांस-मछली का भोजन न करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष हर बुधवार का दिन और दोपहर (3 से 5 बजे) का समय शुभ रहेगा। आपका भाग्योदय होगा या तरक्की होगी, आलस्य से दूर रहें। आप अपनी बुद्धि के द्वारा अधिक लाभ अर्जित करेंगे। आपकी मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पैतृक सम्पति का लाभ मिलेगा। आपकी मित्रता से सबको लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मनी प्लांट, रबर प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
2. पीतल के खाली बर्तन बन्द या उल्टे न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर में मंदिर बना कर पूजा करना धन-परिवार के लिये अशुभ होगा। घर में मंदिर हानिकारक मगर दीवार पर तस्वीरें लगा कर पूजा-पाठ कर सकते हैं। घूमने-फिरने वाले साधू की संगत से भाग्य खराब हो जाएगा और जीवन में उतार-चढ़ाव देखना पड़ेगा। मामा को संतान की चिंता रहेगी। बुरे लोगों की संगति से बचे।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आप विवाहित हैं तो स्त्री मायके से कुछ न कुछ सामान लावें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष पत्नी के अतिरिक्त दूसरी स्त्री से संबंध रह सकता है जो आपके लिये हानिकारक है और संतान के लिये चिंताजनक। चाल-चलन चाल-चलन पर धब्बा लगेगा, चाल-चलन संभालना एक जरूर चीज है। माता, पत्नी का झगड़ा होगा। कारोबार में हानि, मानसिक तनाव रहेगा। मामा को कष्ट हो सकता है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. केसर कुएं में डाले।
2. चार आड़ू की गिटकों में सुरमा भर कर वीराने में दबाये।

3. अपनी पत्नी से दो बार विवाह (फेरे) करें। (पुत्र सुख के लिए)

शनि

आपकी वर्ष कुडली में शनि खाना नं. 6 में अशुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष पूर्णिमा के दिन कोई नया काम न शुरू करें। कारण, इस दिन शुरू नये काम से लाभ न होगा। चमड़े का समान मुफ्त/गिफ्ट न लें इससे आपका मान-सम्मान कम होगा या अकारण बेइज्जती का कारण बनेंगे। परिवार में किसी को गुर्दे या पथरी रोग का भय रहेगा।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काले कुत्ते की सेवा/पालन करें।
2. नया जूता किसी को पहनाकर पहनें या खरीदने के 6 दिन बाद पहनें।
3. बादाम गंदे नाले में डालें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु दबे रहेंगे, किसी व्यक्ति को आप दंड या सजा मुक्त करवा सकते हैं। आपमें अहंकार की भावना भी आ सकती है। ऐशो आराम की सभी चीज़ें आपको प्राप्त होंगी, कर्ज हो तो कमी होगी अर्थात् धन की कारोबार में वृद्धि होगी, किसी संस्था या सरकारी विभाग में उच्च पद मिलेगा।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चोरी न करें। चोरी का माल न लेंवें।
2. भाई से झगड़ा न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिनों-दिन आपके धन की बढ़ोत्तरी होती रहेगी, ऐसी संभावना है। आजीविका के नये साधन बनेंगे। आप अपनी धुन के पक्के रहेंगे। जिसके कारण आप बड़े से बड़े व्यक्ति के सामने अपना झंडा गाड़ लेंगे। आपकी संतान आपकी सहायता में रहेगी और संतान मुसीबत में दुश्मन को मार आयेगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. कलम से लिखने का काम न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- शुद्ध सोना पीले कपड़े में बांध कर रखें/धारण करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2029-2030

वर्त्तमान आयु - 61
वर्त्तमान दशा – सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	हाँ	हाँ	मन्दा

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	--	--	--	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2029 – 2030

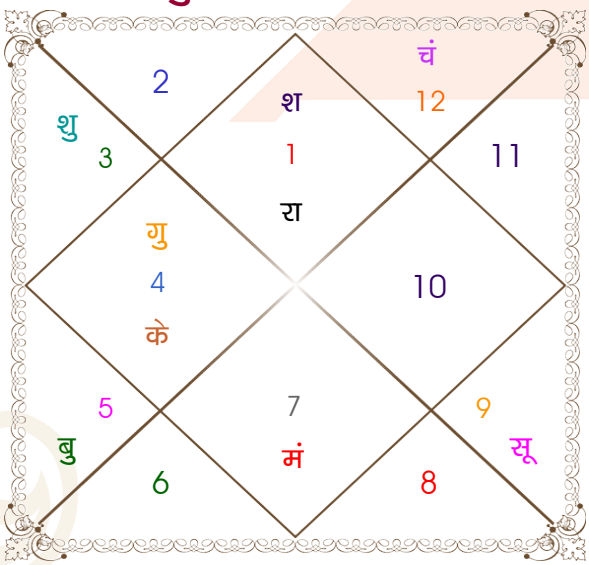

वर्ष चन्द्र कुंडली 2029 – 2030

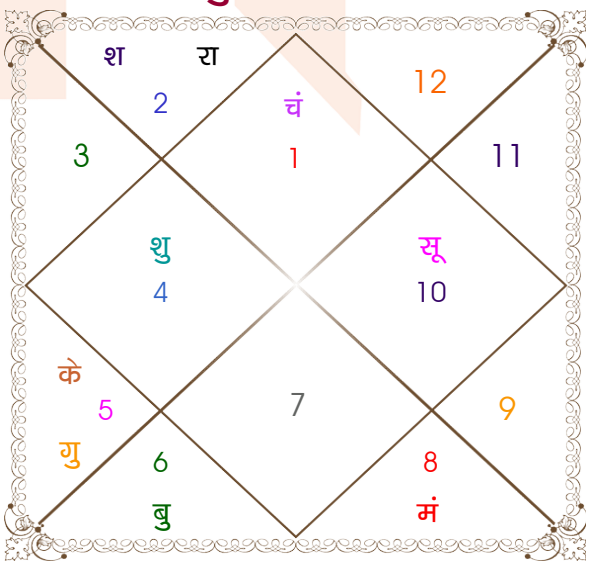

लाल किताब वर्षफल 2029-2030

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष उत्तम वाहन का सुख मिलेगा, तीर्थ यात्रा का लाभ व शुभ फल मिलेगा। समाज और परिवार के लिये आपके मन में त्याग और परोपकार की भावनाएं भी रहेगी, परिवार के व्यक्तियों के पालन का अतिरिक्त भार आप पर हो सकता है। स्वपराक्रम से किस्मत का सितारा और भी बुलंद होगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान/गिफ्ट आदि न लेवें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके सभी काम तरस-तरस कर बनेंगे, विद्या संबंधी कामों में रुकावट हो सकती है, आपकी बात बदलने की आदत बनेगी, व्यतीत समय की बातें लोगों को सुना कर अपनी बढ़ाई करेंगे। 'अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना' जैसी कहावत आप पर चरितार्थ हो सकती है। मुकददमें में हार का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नीम के वृक्ष का पानी घर में रखें या आसमानी बर्फ (ओले) शीशे के बर्तन में कायम करें।
2. 16 लीटर वर्षा का पानी कनस्तर में भरकर 4 शुद्ध चांदी के चौरस टुकड़े डाल कर रखें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार की तरक्की और वृद्धि होगी। रोते हुए व्यक्ति को हंसाना और उसको ढांढस देकर मदद करना अपना कर्त्तव्य समझेंगे, इन्साफ पसन्द, ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी, विष्णु भगवान की तरह संसार के पालक सिद्ध हो सकते हैं। जज, सरपंच, नेता जैसे आदि पद का अधिकार भी मिल सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।
2. घर में बेलदार पौधे या बेलें न लगावें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ होगा और सुख के साधन मिलेंगे, ज्योतिष विद्या और धर्म-अध्यात्म के प्रति रुचि, आप जो बात मुंह से कहेंगे वह सच हो सकती है अर्थात् आपके मुंह से निकला वाक्य ठीक वाक्य माना जा सकता है। अचानक धन लाभ होगा और बहुत अच्छे दिन देखने को मिलेंगे।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. गऊ मुख घर में रिहाईश न करें।
2. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ होगा। दिमाग में आयी बात को अवश्य पूरा करेगें। आपको हर कोई मान-सम्मान देगा। सभी की मदद करने से और उच्च पद/तरक्की की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों से सुख मिलेगा और रूतबा दिनों-दिन बढ़ेगा। वाहन, मकान का सुख मिलेगा और परिवारों में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बच्चों के टुटे हुए खिलौने घर में न रखें।
2. निःसंतान व्यक्ति से सम्बन्ध न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष स्त्रियों द्वारा धन लाभ होगा। स्त्री आपके कामों में हाथ बटाएंगी या पत्नी के साथ शुरु किये कामों से लाभ मिलेगा। आप पर कोई न कोई स्त्री मोहित रह सकती है। कम मेहनत से अधिक लाभ मिले ऐसी संभावना है। पत्नी से घर में रहते कभी चोरी नहीं होगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुजुर्गी घर की दहलीज को ठीक रखें।
2. राग-रंग में रूचि न रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष कैमिस्ट या डाक्टर, इंजीनियरिंग, से संबंधित कामों से लाभ हो सकता है। लोहा-लकड़ी के काम भी लाभ देंगे, माता-पिता के पास धन की बढ़ोत्तरी होगी। आपकी जायदाद बढ़ने की आशा है। सरकारी विभाग से लाभ मिलेगा और उच्चाधिकारियों से अच्छे संबंध बनेंगे।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. परिवार में कोई खुशी का समय हो तो बाजे न बजवायें।
2. शराब आदि पीना, मांस-मछली खाने और इश्कबाजी से दूर रहें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकार या सरकारी विभाग द्वारा लाभ, ननिहाल के लिये समय ठीक, नया कारोबार भी शुरू हो सकता है। आप में कुछ रिश्वत लेना या करप्शन सोच आपके दिलो-दिमाग में आ सकती है। आपको हर समय बोलते रहने की आदत या बीमारी भी हो सकती है, इसका ध्यान रखें।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. आंगन में धुआं न करें।
2. पेट मोटा न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष रीड़ की हड्डी या जोड़ों का दर्द, शुगर/पेशाब का रोग हो सकता है। माता की चिंता हो सकती है या माता को कष्ट हो सकता है। हृदय रोग के प्रति आलस्य न बरतें। पुत्र संतान के सुख की चिंता रहेगी। कुल पुरोहित से संबंध ठीक रखे तो पुत्र चिंता दूर होगी। कुत्ते के काटने का भय रहेगा। यात्रा में रुकावट आयेगी या यात्रा में हानि हो सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चने की दाल और केसर धर्म स्थान में देवें।
2. कुल पुरोहित को धन वस्त्र आदि देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। अगर कुल पुरोहित न हो तो 4 किलो चने की दाल महीने दो महीने में धर्म स्थान में देवें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- नीम का पानी घर पर रखें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2030-2031

वर्त्तमान आयु - 62
वर्त्तमान दशा – सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	हाँ	नेक
केतु	--	हाँ	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	--	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2030 – 2031

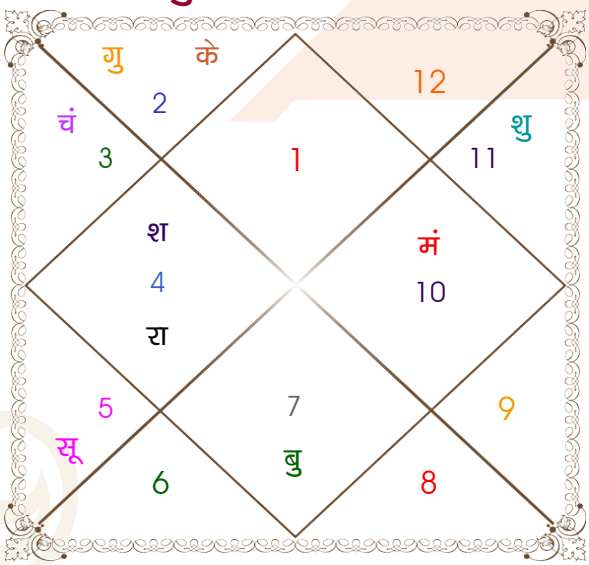

वर्ष चन्द्र कुंडली 2030 – 2031

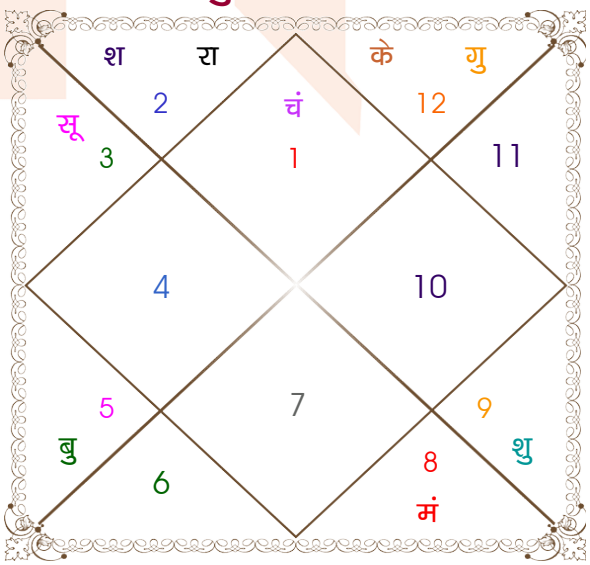

लाल किताब वर्षफल 2030-2031

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार का भाग्य चमकेगा, यदि राजा आपका भला न करे तो फकीर से आपका भला होगा, सरकारी अधिकारियों से मधुर संबंध बनेंगे, परिवार की उन्नति होगी। गुप्त विद्या या ज्योतिष में रूचि रहेगी, अचानक धन प्राप्ति के भी योग हैं या सरकारी विभाग से लाभ मिलेगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. ईष्यालु वृत्ति न रखें।
2. झूठ न बोलें, जूठा भोजन न करें/न करावें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 3 शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका चरित्र सुधरेगा और पराक्रम बढ़ेगा, चोरी से बचाव होगा। विद्या अच्छी रहेगी। 3, 6, 8, 12वां मास अधिक लाभदायक होगा, कुदरत खुद आपकी किस्मत बनाने में सहायक होगी, गरीबों से आपकी हमदर्दी रहेगी, किसी अंतर्राष्ट्रीय खेल में आपकी रूचि रहेगी या खुद भी उस खेल में हिस्सा ले सकते हैं।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बहन-भाई से झगड़ा न करें।
2. यतीमों के लिये मिला सामान हड़प न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप की गिनती उच्च/प्रतिष्ठित व्यक्तियों में होगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई सरकारी विभाग या पुलिस/सेना विभाग में कार्यरत है तो तरक्की मिलेगी नौकरी व्यापार में अधिक धन लाभ होगा। आप राजसी समय व्यतीत करेंगे। अच्छे या बुरे तरीके से आप धन कमाएंगे, जायदाद और वाहन का सुख होगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सोना न बेचे न गिरवी रखें।
2. दूध उबाल कर रसोई में गैस चूल्हे/ अंगीठी /चूल्हे आदि पर गिर कर न जले इसका विशेष ध्यान रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में सम्मान मिलेगा, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ का योग है। स्त्रियों से सम्बन्धित कामों से या पत्नी से लाभ मिलेगा। कपड़े, डाक्टरी के कामों से अधिक लाभ मिल सकता हैं। आपकी कलम में तलवार से भी अधिक ताकत होगी। बेटी-बहन, बुआ-साली से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना सींग वाली गाय या बकरी घर में न रखें।
2. हरी घास घर में न लगावें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ मिल सकता है। आपको कुछ भी होने वाला हो उसकी खबर पहले हो जाएगी, शिा और ज्ञान से लोगों का मार्ग दर्शन कराएंगे। आपके सभी कार्य अपने आप बनते चले जाएंगे मगर आपको व्यर्थ की चिंता रहेगी। स्त्री और शासन या सरकारी विभाग की तरफ से लाभ मिल सकता है।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सर्राफी या जौहरी का काम न करें।
2. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष कन्या संतान का सुख मिल सकता है। आप अकारण पैसे के पीछे भागते रहेंगे। आपमें अच्छे गुण बढ़ेंगे मगर आपकी गुप्त कार्य करने की आदत हो जाएगी। विचारधारा को शीघ्र बदल देंगे, ससुराल पा के लोग सहायक होंगे। बहन-साली से भी लाभ मिलेगा स्त्री आपके कार्यों में साथ निभायेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता/पत्नी को घर की खजांची न बनाएं।
2. नौकरी-व्यापार में बार-बार बदला-बदली न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर से दूर विद्या अध्ययन करने या कारोबार करने से लाभ होगा। विदेश संबंधित काम या विदेश यात्रा भी हो सकती है। नौकरी-व्यापार में बदली, चाल-चलन ठीक रखेंगे। खराब स्वास्थ्य के समय अल्कोहल से लाभ होगा मगर ठीक स्वास्थ्य के समय अल्कोहल का प्रयोग हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब न पियें, मछली न खावें
2. काला कपड़ा न पहनें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके बुजुर्गों को बहुत लाभ होगा, पिछला समय आपको आर्थिक तंगी का रहा हो तो इस वर्ष धन लाभ होगा। माता/सास से लाभ होगा। मकान वाहन सुख और सभी प्रकार के सुख के साधन उपलब्ध होंगे। सरकारी विभाग में या किसी संस्था में उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता/अपनी आयु से बड़ी स्त्री से अवैध संबंध स्थापित न करें।
2. गंगा नदी में स्नान न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष यात्रा करने से धन लाभ व मान-सम्मान बढ़ेगा, दलाली या कमीशन एजेंट के कार्य से लाभ होगा। आई-चलाई चाहे लाखों-करोड़ों रूपयों की हो मगर हिस्से में दलाल की दलाली की तरह धन लाभ होगा। सरकार से वजीफा या सरकारी विभाग से धन लाभ हो सकता है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चान चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. नकली सोना न पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2031-2032

वर्त्तमान आयु - 63
वर्त्तमान दशा – सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	हाँ	--	हाँ	हाँ	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2031 – 2032

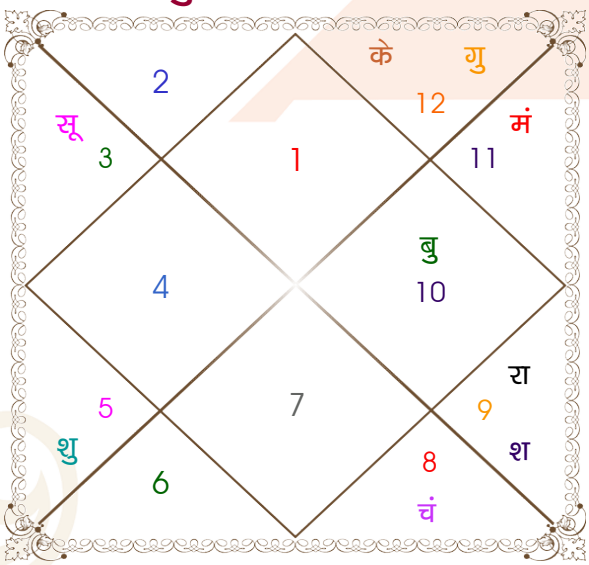

वर्ष चन्द्र कुंडली 2031 – 2032

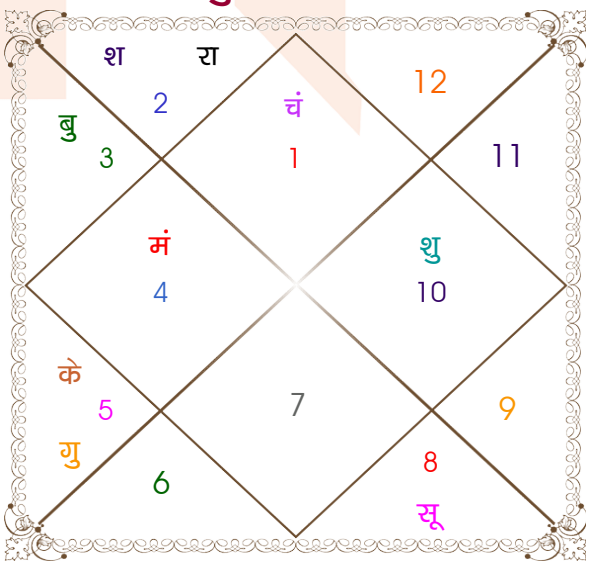

लाल किताब वर्षफल 2031-2032

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी किस्मत में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकता है, परिवार में बीमारी पर धन का अपव्यय होगा। गुप्त शत्रु दबे रहेंगे, धन आपकी आंखों के सामने चोरी हो सकता है। ननिहाल पर कुछ समय अशुभ रहेगा। भाई-बंधुओं से धोखा हो सकता है सतर्क रहें। अधिक मेहनत करने से लाभ मिलेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. माता या माता समान स्त्री के चरण छूकर आशीर्वाद प्राप्त करें।
2. परस्त्री से शारीरिक संबंध न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता-पिता का सुख कम मिलेगा। जौहरी-जुएं के कामों में हानि होगी। ननिहाल को कष्ट या उनसे झगड़ा होगा। मन की शक्ति क्षीण, विद्या में रुकावट या माता का सुख मिले, घर से दूर भी रहना पड़ सकता है। सर्दी-जुकाम और पानी से कष्ट का भय, हृदय रोग का भय रहेगा। बुजुर्गों को सांस-दमा रोग की आशंका है।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. मीठा भोजन या केसर-दाल चना या गुड़-गंदम धर्म स्थान में देवें।
2. अमावस्या के दिन दूध-चावल धर्म स्थान में देवें।
3. स्वर्गवासी बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वभाव न्यायप्रिय रहेगा, अपनी किस्मत स्वयं अपने हाथों से बनाएगें, कारोबार में तरक्की होगी, जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा और इस वर्ष आपको सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। पुत्र-पौत्र का सुख मिलेगा, आपको शत्रुओं से कोई भय नहीं रहेगा या शत्रु भी मित्र बन जायेंगे।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किसी पर भी भरोसा न करें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा, बुआ,बेटी,,साली,बहन की तरफ से खुशी मिलेगी। आप लोगों से व्यवहार कुशल, खुशामद और नीति के द्वारा सब काम निकलेंगे, अनेक विद्याओं में रुचि, आपके परिवार की और आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हरा रंग निषेध
2. तुलसी, मनी प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
3. शराब आदि न पियें। मछली न खायें और मछली का शिकार न करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको धन से अधिक लगाव नहीं होगा। ध्यान-समाधि लगाने से धन की वर्षा होगी। आपका आशीर्वाद लेने वाला तर जाएगा और आपको सताने वाल बर्बाद हो जाएगा। खर्च अधिक जो परिवार के शुभ कामों पर होगा। त्याग की भावना भी आपके मन में रहेगी। आपको किसी का दुर्वचन नहीं लगेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. ऐसे काम न करें जिससे आपका विरोध हो।
2. किसी से धोखा-फरेब न करें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपका मिजाज आशिकाना और आप परस्त्री पर कामुक हो सकते हैं। इस वर्ष यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह का योग बनेगा। अंर्तजातीय या माता-पिता की इच्छा के विरूद्ध विवाह न करें वरना संतान सुख खराब हो सकता है। स्त्री के गर्भपात का भय रहेगा। बुआ-बेटी, बहन-साली के धन का आपके हाथों नुकसान हो सकता है।

शुक्र की अशुभता दूर करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुप्तांग दूध या दही से साफ करें।
2. गायों को चारा खिलाये।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना रहेगी, भाई-बंधुओं का सहयोग मिलेगा। कर्ज का बोझ आप में नहीं रहेगा। पैसे के प्रति आप की दौड़ नहीं रहेगी। पत्नी के नाम पर काम शुरू करने से लाभ होगा, मकान-वाहन का सुख मिलेगा। तीसरा रिहाइशी मकान न बनावें वरना स्वास्थ्य को खतरा होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. दूसरों के माल पर बदनीयत न रखें।
2. घर की छत पर ईंधन-चौगाठ आदि न रखें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पुलिस/कोर्ट का भय या चोरी का माल खरीदने का लांछन लग सकता है। पिता और ससुर को कष्ट या उनके द्वारा आपको हानि का भय है। साधू-फकीर का साथ फिजूल खर्ची ही बढ़ायेगा। तीर्थ यात्रा में रूकावट आ सकती है। धार्मिक कामों में रूचि रहेगी जो आपके लिये ठीक नहीं।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।
2. धर्म मंदिर में सिर झुकावें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष तबदीली और तरक्की संभव है। आपका अय्याशी स्वभाव होगा तो आपको लाभ होगा। पुत्र संतान का सुख मिलेगा। अध्यात्मिक विचार रहेंगे, लोक-परलोक में होने वाली बातें आपके दिमाग में पहले से आयेंगी। दोहता/भांजा, जमाई/साले, जीजा से आपके नेक संबंध रहेंगे।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. कुत्तों को चोट न मारें।
2. ठगी-धोखेबाजी से दूर रहें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- माता या माता समान स्त्री को उपहार दे कर आर्शिवाद लेवे।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2032-2033

वर्त्तमान आयु - 64
वर्त्तमान दशा – सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	हाँ	हाँ	--	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2032 – 2033

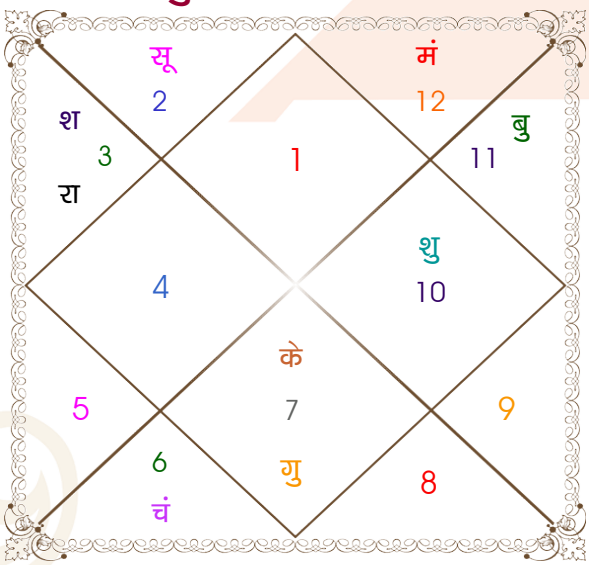

वर्ष चन्द्र कुंडली 2032 – 2033

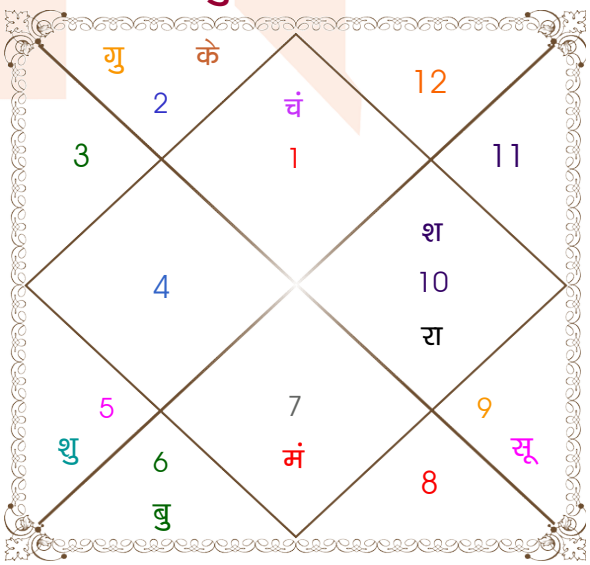

लाल किताब वर्षफल 2032-2033

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार की उन्नति होगी। आप भाई-बंधुओं के लिये उन्नतिकारक होंगे, उत्तम सवारी का सुख मिलेगा, धार्मिक कार्यों में अग्रणी, समाज सेवा के कार्यों में रूचि रहेगी, सरकारी विभाग से लाभ होगा और सरकारी अधिकारियों से मान-सम्मान मिलेगा, दान-पुण्य में रूचि रहेगी।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. गिफ्ट/मुफ्त माल या दान न लेवें।
2. बिना मेहनत का माल न खाने या किसी का माल उड़ाने की नियत न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी माता को शरीर कष्ट रहेगा। आप के परिवार को माता की चिंता रहेगी या विद्या संबंधी परेशानी भी आ सकती है। आम जनता के लिये पानी पिलाने का पानी का स्रोत लगाना, आपको और आपकी संतान को कष्ट तथा परेशानी ही देगा। बिना सोचे-समझे किये गये कामों में आपको परेशानी उठानी पड़ सकती है, समझदारी से काम लें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चंद्र ग्रहण के मध्य काल में 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
2. माता को कष्ट हो तो खरगोश पालें।
3. नाश्ते में कच्चा पनीर खायें। रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पीयें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी समाज में आवाज बुलन्द रहेगी, शत्रु मुंह की मार खायेंगे, मुसीबतें टल जाएगी, गुरु निर्धन-ब्राह्मण की सेवा में तत्पर रहेंगे, आप अपनी मनमर्जी के अनुसार कार्य करेंगे, किसी से दब कर नहीं रहेंगे। मीठा-भोजन या मिठाई आपको अधिक पसन्द रहेगी। मुकददमे में जीत या सरकारी विभाग से लाभ से लाभ हो सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. खुण्डा या जंग लगा हथियार घर पर न रखें।
2. लोग आपका नमक खाकर नमक-हरामी करेंगे, सतर्क रहे।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष हर बुधवार का दिन और दोपहर (3 से 5 बजे) का समय शुभ रहेगा। आपका भाग्योदय होगा या तरक्की होगी, आलस्य से दूर रहें। आप अपनी बुद्धि के द्वारा अधिक लाभ अर्जित करेंगे। आपकी मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पैतृक सम्पति का लाभ मिलेगा। आपकी मित्रता से सबको लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मनी प्लांट, रबर प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
2. पीतल के खाली बर्तन बन्द या उल्टे न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर में मंदिर बना कर पूजा करना धन-परिवार के लिये अशुभ होगा। घर में मंदिर हानिकारक मगर दीवार पर तस्वीरें लगा कर पूजा-पाठ कर सकते हैं। घूमने-फिरने वाले साधू की संगत से भाग्य खराब हो जाएगा और जीवन में उतार-चढ़ाव देखना पड़ेगा। मामा को संतान की चिंता रहेगी। बुरे लोगों की संगति से बचे।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आप विवाहित हैं तो स्त्री मायके से कुछ न कुछ सामान लावें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 10 में शुभ हैं जिसकी वजह से आपकी इस वर्ष कामशक्ति की अधिकता होगी। पत्नी के साथ रहते कभी कोई दुर्घटना नहीं होगी और आपको किसी प्रकार का दुःख नहीं झेलना पड़ेगा। पत्नी का स्वास्थ्य लगभग ठीक रहेगा। आपमें लोभ और शक करने की भावना बढ़ सकती है। दस्तकारी के कामों से अधिक लाभ होगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब-बीयर न पियें, मछली न खावें।
2. आशिक मिजाज न बनें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके हाथों से खर्च अधिक होगा या धन की कमी रहेगी। आप सबकी मदद करेंगे मगर लोग आपका कार्य बिगाड़ सकते हैं। लोहा, मशीनरी से संबंधित कार्यों से लाभ होगा। आप साहसपूर्ण कार्य करेंगे जिसके कारण आपको जोखिम भी उठाना पड़ सकता है।

शनि की शुभता बढ़ाने निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मछली का शिकार न करें, मछली न खायें। शराब न पिये।
2. कीकर या बेरी का वृक्ष घर में न लगायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु आपके ऊपर हावी नहीं हो सकते, भविष्य में होने वाली घटना का आपको पहले पता चल जायेगा। आपकी कलम में तलवार से अधिक ताकत होगी, आपको उच्च पद या सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार में खूब तरक्की होगी, खराब चाल-चलन से संतान की चिंता रहेगी।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिनों-दिन आपके धन की बढ़ोत्तरी होती रहेगी, ऐसी संभावना है। आजीविका के नये साधन बनेंगे। आप अपनी धुन के पक्के रहेंगे। जिसके कारण आप बड़े से बड़े व्यक्ति के सामने अपना झंडा गाड़ लेंगे। आपकी संतान आपकी सहायता में रहेगी और संतान मुसीबत में दुश्मन को मार आयेगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. कलम से लिखने का काम न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 6 दिन नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2033-2034

वर्त्तमान आयु - 65
वर्त्तमान दशा – सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	मन्दा

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	हाँ	--	--	--	--	हाँ	--	--

वर्ष कुंडली 2033 – 2034

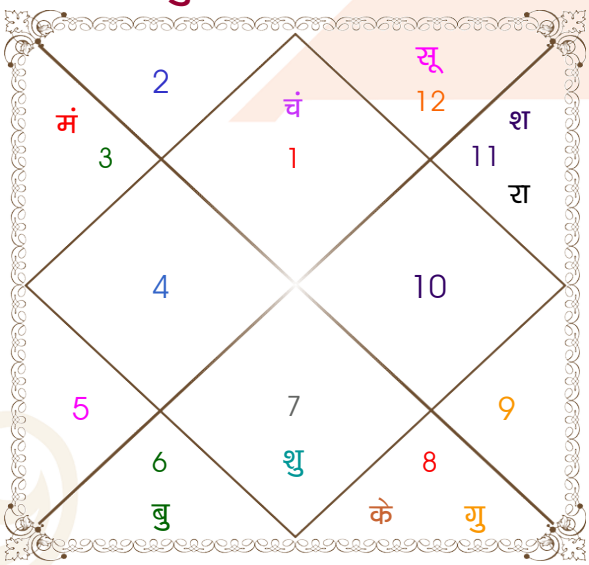

वर्ष चन्द्र कुंडली 2033 – 2034

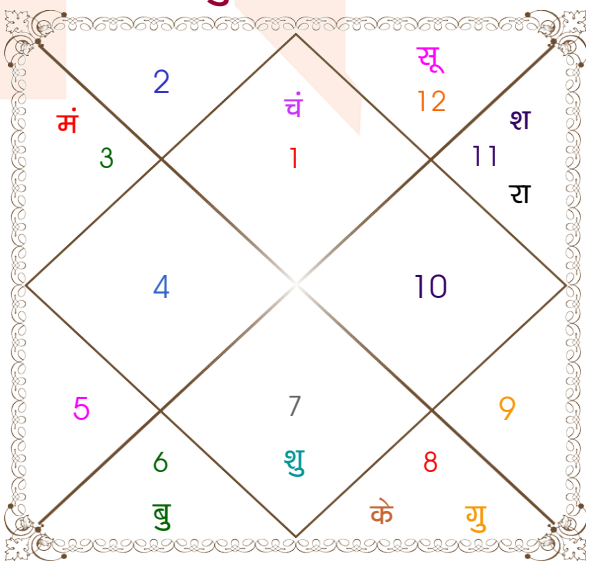

लाल किताब वर्षफल 2033-2034

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप साधू न बन कर जागीरदार बनेंगे, बड़े-बड़े कामों से धन लाभ मिलेगा, गुप्त विद्या, आध्यात्म में रूचि रहेगी। विदेश संबंधी कामों से भी लाभ मिलेगा या विदेश यात्रा भी हो सकती है। सुख की नींद मिलेगी, बुजुर्गों का आपके ऊपर आशीर्वाद रहेगा। आपके परिवार में चहल-पहल रहेगी।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बिजली का सामान मुफ्त न लेवें।
2. आपके पास किसी के द्वारा रखी चीज़ पर नियत खराब न करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुंदर और सफेद कपड़े पहनने का शौक रहेगा, विद्या से लाभ, किसी की अमानत आपके पास रह सकती है माता-पिता की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, कभी यात्रा पर जायें तो यात्रा से वापस आकर माता के चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लेने से लाभ होगा। परिवार में बहुत देर बाद किसी के पुत्र संतान होगी।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. चाल-चलन ठीक और अनैतिक संबंध न रखें।
2. माता या माता समान स्त्री से झगड़ा न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष दूसरों की सहायता कर के प्रसन्नता प्राप्त होगी मगर जरूरी नहीं कि दूसरों की सहायता के बदले में आपको सम्मान मिलेगा, आपको कसरत करने या जिम आदि जाने का शौक रहेगा, मुकाबले की विद्या (प्रतियोगी परीक्षा) में आपकी जीत होगी, नर्म स्वभाव रखेंगे तो आपको लाभ मिलेगा। धन-परिवार/संतान का सुख मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. पेट का विशेष ध्यान रखें।
2. हाथी दांत न रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिमागी कार्यों से लाभ मिलेगा, विदेश भ्रमण की इच्छा भी रहेगी, समुद्री यात्रा से लाभ मिलेगा, कृषि से संबंधित कार्यों से लाभ मिलेगा। वक्तव्य देना, एकाउटेंट/चार्टर्ड एकाउंटेंट, लेखन, प्रिंटिंग से संबंधित कामों से लाभ होगा। मुंह से निकली बात शत प्रतिशत सही हो सकती है। ननिहाल से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़की/बहन का विवाह अपने रिहाइशी मकान की उत्तर दिशा में न करें।
2. सेवक/नौकरों पर हमेशा नज़र रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको अगर कोई शारीरिक कष्ट होता है तो अपने आप टल जायेगा, पिता-दादा का सुख मिलेगा, भाई-बंधु आपके धन का उपभोग करेंगे। धन, आयु की वृद्धि होगी। गुप्त विद्याओं में रूचि रहेगी। आपके कामों मे कोई रूकावट नहीं आएगी। यदि आप साधू भी बन जाये तो दुःखी न रहेंगे।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पीले वस्त्र पहनने वाले साधू से दूर रहें।
2. घर में तुलसी घंटी, ठाकुर न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मकान-वाहन का सुख मिलेगा। काले रंग की स्त्री का साथ, आपका भाग्य को जगाने और आपकी तरक्की में सहायक हो सकती है। विवाह से संबंधित चीजों के कारोबार से लाभ मिले। जददी घर से दूर जाना पड़ सकता है। पत्नी-माता में मां-बेटी जैसा संबंध रहेगा। पत्नी सुशीला और सेवा करेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सफेद गाय की पालना या सेवा न करें।
2. बिल्ली की जेर चमड़े के पर्स में न रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष धर्म पर अड़िग और पक्के रहेंगे। धर्म पर कायम रहेंगे तो मिट्टी के काम से सोना बनेगा। प्राण जाय पर वचन न जायें वाली कहावत आप पर चरितार्थ होगी। लोहा, कोयला, रबड़ आदि के कामों से लाभ हो सकता है। व्यसनों से दूर रहेंगे तो बहुत लाभ होगा। इन्साफ पसंद वृत्ति रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किराये के मकान में रिहाइश न करें।
2. ठगी-धोखे से धन न कमाएं।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता की चिंता रहेगी, पिता से दूरी या जुदाई हो सकती है। समय कुछ गरीबी में कट सकता है। मौके के ऑफिसर से झगड़ा करना आपको नुकसान पहुंचा सकता है। लॉकर/ दराज खाली न रखें उनमें कुछ धन रखें। परिवार पर गोली चलने का भय, नीला नग-नीलम और नीला-काला कपड़ा पहनना हानिकारक है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. सिर पर चोटी रखें या सिर सफेद-शरबती टोपी पहनें या पगड़ी बांधे।
2. 4 किलो सिक्का (औफदप टुकड़ा और) चौरस, 4 नारियल सूखे (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
3. सिगरेट पीते हैं तो चांदी की पाईप में लगा कर पियें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपके लिए इस वर्ष शराब-मीट का सेवन हानिकारक है। खराब चाल चलन या अनैतिक संबंध गुप्त रोग देगा। संतान सुख चाहते हैं तो चाल-चलन ठीक रखें। संतान की चिंता रहे ऐसी आशंका है। कारोबार में हानि और यात्रा में परेशानी या अपव्यय होगा। किसी को अपना भेद न बतायें, कारण आपका भेदी तबाह करेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काले-सफेद कंबल धर्म स्थान में देवें (संतान की लंबी आयु के लिए)।
2. काले-सफेद कंबल के टुकड़े में केतु के साथ बैठे ग्रह की चीज बांध कर शमशान में दबायें (जब बच्चे जीवित न रहते हों)।

(1) सूर्य-गेहूँ, (2) चंद्र-चावल, (3) मंगल-दाल मसूर, (4) बुध-मूंग, (5) गुरु-चने की दाल, (6) शुक्र-चरी, (7) शनि-काली उड़द, (8) राहु-जौं, (9) केतु-काले-सफेद तिल।

3. कुत्ते को भोजन का हिस्सा देवें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 4 किलो सिक्के का चौरस पीस, 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2034-2035

वर्त्तमान आयु - 66
वर्त्तमान दशा – सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	मन्दा
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	--	हाँ	--	मन्दा
केतु	--	हाँ	--	मन्दा

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--	--	--	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2034 – 2035

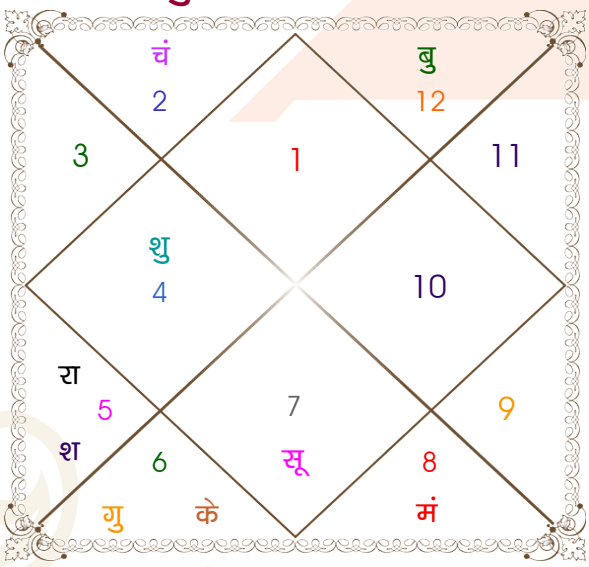

वर्ष चन्द्र कुंडली 2034 – 2035

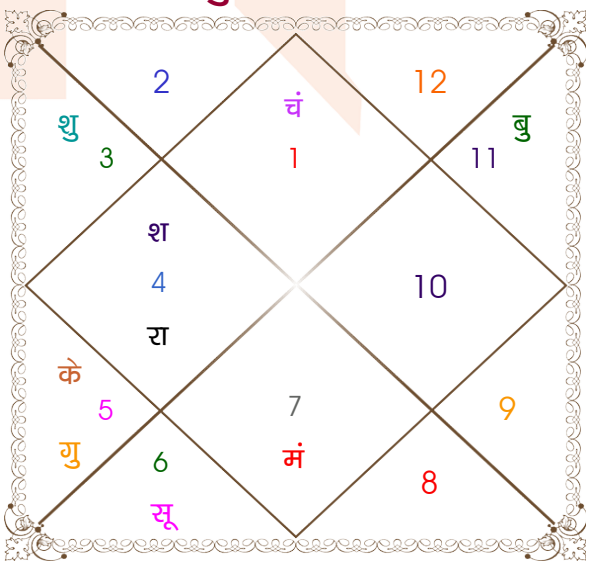

लाल किताब वर्षफल 2034-2035

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके माता-पिता की हालत में सुधार होगा आपकी गिनती एक सम्मानित व्यक्तियों में होगी। कारोबार और परिवार में तरक्की होगी, भागीदारी के कामों में लाभ मिलेगा। ज्योतिष या कर्मकांड में रूचि रहेगी। कष्ट के समय आप अपने परिवार में रहेगे जिससे आपके कष्टों का निवारण हो जाएगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अगर दुकानदारी या प्राइवेट नौकरी करते है तो मिजाज गर्म न रखें।
2. सरकारी अधिकारी हैं तो गर्म मिजाज रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पैतृक सुख और सुख के साधन मिलेंगे, जददी विरास्त से जायदाद का हिस्सा या लाभ मिलेगा। सफेद चीजों के कारोबार से अधिक लाभ मिलेगा। भाई-बंधुओं का सुख अवश्य मिलेगा। विद्या संबंधी कामों में सफलता मिलेगी। यात्रा करने या पहाड़ी प्रदेश से लाभ मिलेगा। चाल-चलन ठीक रखें।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. घर में मूर्तियां न रखें और घंटी, घड़ियाल आदि न बजायें (संतान सुख हेतु)। परंतु दीवार पर तस्वीरें लगाकर पूजा-पाठ कर सकते हैं।
2. शराब आदि मादक वस्तुओं का इस्तेमाल न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको किसी विधवा स्त्री से झगड़ा नहीं करना चाहिये। वैवाहिक समस्याएं या परिवार में कोई स्त्री विधवा हो सकती है। छोटे भाई अगर हों तो उस के लिये समय ठीक नहीं। आपकी जुबान से निकला अपशब्द लड़ाई-झगड़े का कारण होगा। आपको गुस्सा करना नुकसानदेह है, समय धैर्य से निकालें।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. विधवा स्त्री को उपहार देकर चरण स्पर्श कर आर्शीवाद लेवें।

2. तन्दूर में मीठी रोटियां लगवा कर कुत्तों को खिलायें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष मादक द्रव्यों या चीजों का प्रयोग आपको बदजुबान बना सकता है जो आपके लिये हानिकारक होगा, ख्याली कारोबार (सोच-विचार कर करने वाले काम) या सट्टा/जुआं, लाटरी, शेयर आदि आपके लिये अनुकूल नहीं है। भ्रम या अज्ञानता के कारण आपका नुकसान हो सकता है।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. स्टील की बेजोड़ अंगूठी बांये हाथ की कनिष्ठिका या मध्यमा अंगुली में पहनें।
2. खाली घड़ा ढक्कन लगाकर जल प्रवाह करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष नकद धन की कमी नहीं होगी। हर चीज़ बिना मांगे आपको मिल सकती है। कम मेहनत अधिक लाभ। शत्रु अपने आप नष्ट हो जाएगें या शत्रुओं पर आपकी जीत होगी, बुजुर्गों के नाम पर दान करेंगे या धर्मार्थ चीज़े बनवायेंगे। हर समय अपने कामों को निपटाने के लिये ध्यान देना पड़ेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. कर्ज/दान या गिफ्ट न लेवें या भीख न मांगे।
2. आवारा न घूमें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष पत्नी के अतिरिक्त दूसरी स्त्री से संबंध रह सकता है जो आपके लिये हानिकारक है और संतान के लिये चिंताजनक। चाल-चलन चाल-चलन पर धब्बा लगेगा, चाल-चलन संभालना एक जरूर चीज है। माता, पत्नी का झगड़ा होगा। कारोबार में हानि, मानसिक तनाव रहेगा। मामा को कष्ट हो सकता है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. केसर कुएं में डाले।
2. चार आड़ू की गिटकों में सुरमा भर कर वीराने में दबाये।
3. अपनी पत्नी से दो बार विवाह (फेरे) करें। (पुत्र सुख के लिए)

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 5 मे है जिसकी वजह से इस वर्ष आप भाई-बंधुओं के साथ लड़ाई-झगड़ा या धोखा न करें। मांस-मदिरा का सेवन करना आपको हार और हानि देगा। परिवार में समस्याएं बढ़ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें विशेष कर पेट/गुर्दे में पथरी का। आपके नाम पर अगर मकान बनेगा तो पुत्र सुख में बाधा आ सकती है।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना या केसर पास रखें।
2. सांप को दूध पिलायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों में परेशानी, पत्नी से झगड़ा-तलाक या जुदाई तक हो सकती है जो आगे चल कर आपको कष्टकारी बनेगी। दूसरी पत्नी से संतान सुख नहीं मिलेगा इसलिये पत्नी से संबंध विच्छेद न करें। पहली संतान (लड़के) का सुख शक्की है, भाई अमीर निःसंतान या उसे संतान की चिंता रहेगी।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध चांदी का ठोस हाथी चांदी की प्लेट पर खड़ा करके घर में रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज के नीचे चांदी की पत्ती लगाएं।
3. अपनी पत्नी से दो बार विवाह (फेरे) करें (पुत्र सुख के लिए)

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष सोना न बिके और न ही गुम हो, खासकर विवाह समय मिली सोने की अंगूठी। यात्रा से हानि हो ऐसी आंशका है। चमड़ी, पांव में कष्ट हो सकता है। फिजूल खर्च बढ़ने की संभावना है। मामा को कष्ट का भय, संतान सुख की चिंता। शत्रु अकारण उभरेंगे और उनसे हानि का भय रहेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. शुद्ध सोने की अंगूठी बांये हाथ की अनामिका अंगुली में पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

• 43 दिन मीठी रोटी तंदूर में लगा कर कुत्तों को खिलाये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2035-2036

वर्त्तमान आयु - 67
वर्त्तमान दशा – सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	हाँ	हाँ	--	--	--	--	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2035 – 2036

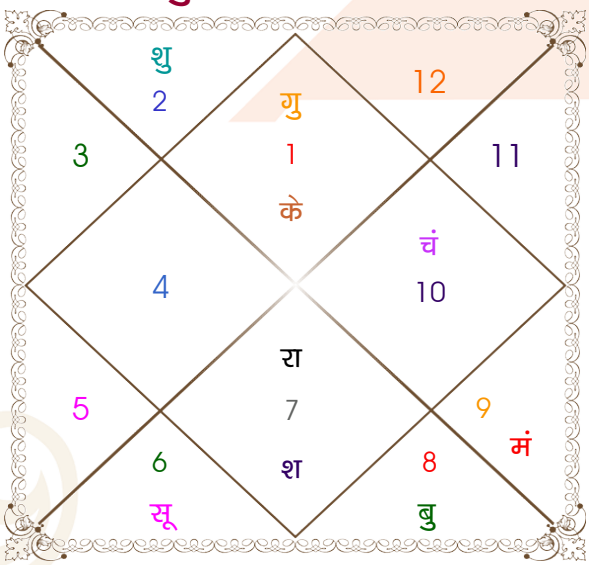

वर्ष चन्द्र कुंडली 2035 – 2036

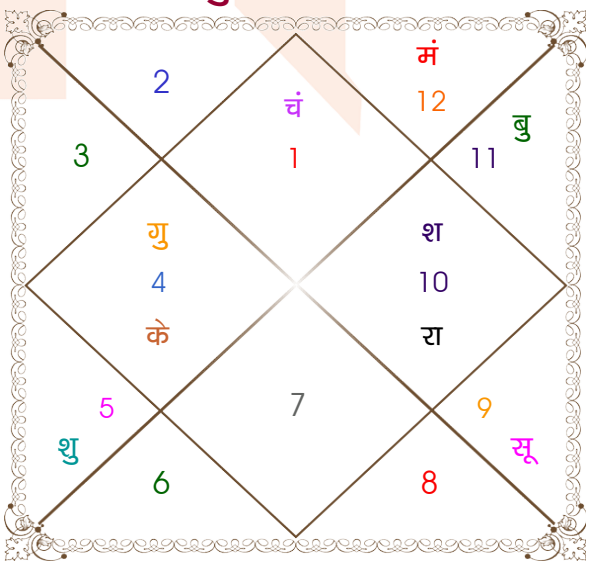

लाल किताब वर्षफल 2035-2036

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप भाग्य पर भरोसा करेंगे, शत्रु दबे रहेंगे। मुकददमें में जीत होगी, संतान जन्म से भाग्योदय होगा। ननिहाल से लाभ होगा, पिता के रूतबे में कुछ उथल-पुथल का भय रहेगा। परस्त्री के साथ आपके संबंध बन सकते हैं मगर चाल-चलन ठीक रखें। सरकारी विभाग से लाभ होगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. बेटी-बहन, साली-बुआ से झगड़ा न करें।
2. कर्ज और दान मुफ्त का माल न लेवें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष खराब स्वास्थ्य के समय या वैसे ही रात के समय लिक्वड दवाई का प्रयोग आपके लिए हानिकारक है। विद्या संबंधी कामों में भी परेशानी आ सकती है। चोरों-जुआरियों, शराबी लोगों द्वारा आपका नुकसान होगा। किसी स्त्री या प्रेमिका द्वारा गलत सलाह से आपका धन-सम्मान नष्ट हो सकता है, सतर्क रहें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. दूध को फाड़ कर उसका पानी पीयें अर्थात पनीर का पानी पियें (स्वास्थ्य खराब के समय)
2. 10 दिन सुबह नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।
3. रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पिये।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पैतृक सम्पत्ति में वृद्धि और उसका लाभ मिलेगा, परिवार में धार्मिक उत्सव भी हो सकता है। नौकरी-व्यापार में अधिक धन लाभ मिलेगा। विवाहित भाई के साथ रहेंगे या उसकी पत्नी की सेवा करेंगे तो आप समाज में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति की हैसियत से उभरेंगे और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. परदेश में रिहाईश न करें।
2. भाई से झगड़ा न करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष जादू-टोना आदि विद्याओं में रुचि या इनका प्रभाव रहेगा जो आपको लाभ न देगी। अन्दर ही अन्दर गुप्त रूप से आपको शरीर कष्ट या धन हानि का सामना करना पड़ सकता हैं। गृहस्थ में कुछ समस्याएं उभर सकती हैं। आलस्य आपके पतन का कारण बनेगा। खराब चाल-चलन और अनैतिक संबंध हार और हानि देंगे।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. वर्षा का पानी छत पर रखें।
2. इस वर्ष विवाह हो तो तांबे का बर्तन (गागर) मूंग साबित भरकर संकल्प करके पति/पत्नी दोनों जल प्रवाह करें। यदि विवाह हो चुका हो तो भी यह उपाय करना लाभ देगा।
3. गुदा पर सुरमा लगावें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पढ़ने-पढ़ाने में रुचि या विद्या सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा। आपको मान-सम्मान मिलेगा। पिता, दादा का रुतवा बढ़ेगा और उनका नाम रोशन होगा। नशों से दूर रहेंगे, सबके साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। गुरु-साधू की सेवा करेंगे, सरकारी विभाग या शासन द्वारा भी आपको लाभ मिल सकता हैं।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, गिफ्ट या दान न लेवें।
2. किस्मत पर भरोसा रखना शुभ रहेगा।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। जिससे दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की होगी। ईश्वर पर भरोसा रहेगा जिससे आपके सभी काम पूर्ण होंगे। साधू वेश में आशिकाना ख्याल रहेंगे। चरित्र सुधार कर रखेंगे। प्रेम संबंधों में धोखा हो सकता है इसलिये प्रेम संबंध के चक्कर से बचें।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पशुओं पर जुल्म न करें।
2. शेर मुंह मकान में रिहाइश न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष परोपकार करने से धन लाभ पाएंगे। यह लाभ 7 गुणा तक हो सकता है। मकान बनेगा और बुजुर्गों से जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा। आपको गांव/शहर या किसी संस्था में पद मिल सकता है। पिता/ससुर और पत्नी के लिये समय शुभ रहेगा। चाल-चलन खराब रखने से धन हानि होगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. डाक्टर/कैमिस्ट का साथ न रखें।
2. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
3. बुजुर्गी मकान के मुख्य द्वार की दहलीज ठीक रखें उसके दोनों तरफ सूर्योदय से पहले सरसों का तेल डालें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बिजली या पुलिस विभाग से संबंधित कामों में हानि का भय, ट्रांसपोर्ट का काम करने से हानि या आयु शक्की हो सकती है। साझेदारों से झगड़ा। कारोबार में उथल-पुथल भी हो सकती है। पत्नी को सिर दर्द का रोग हो सकता है। पत्नी से तनाव या पत्नी से जुदाई भी हो सकती है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नारियल का दान करें।
2. शुद्ध चांदी की दो ईंटे घर में कायम करें।
3. प्लास्टिक की डिब्बी में शुद्ध चांदी का चौरस टुकड़ा रख कर गंगा जल भर कर रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष तरक्की का योग है। मगर तबदीली का योग कम ही है। यात्रा के आदेश पत्र के बावजूद यात्रा न होगी या बीच में छोड़ कर वापिस आना पड़ेगा। पिता-गुरु की सेवा में रूचि रहेगी। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग हो तो उसे पुत्र लाभ हो सकता है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बकरी न पालें और बकरी की सेवा न करें।
2. गली के आखिर के मकान में रिहाइश न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 10 दिन नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2036-2037

वर्त्तमान आयु - 68
वर्त्तमान दशा – सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	--	नेक
राहु	--	हाँ	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2036 – 2037

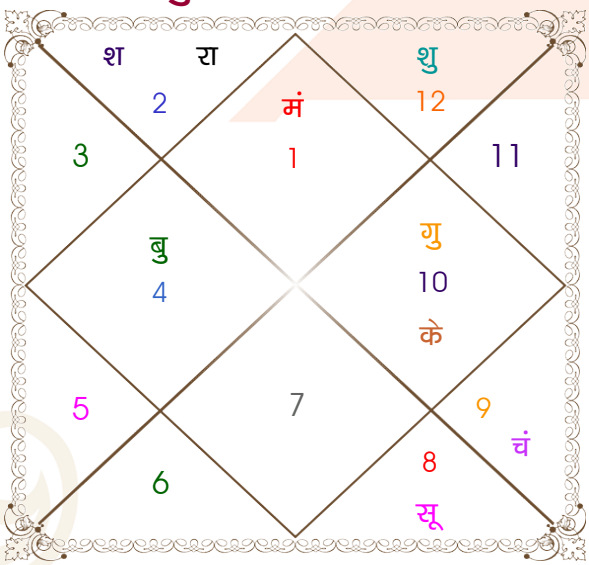

वर्ष चन्द्र कुंडली 2036 – 2037

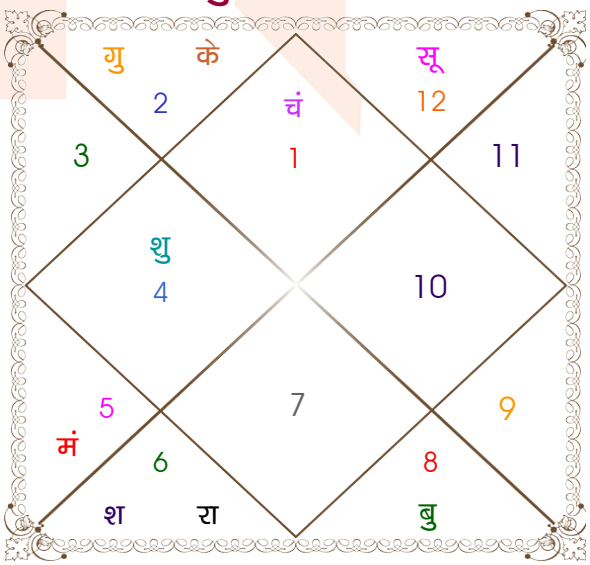

लाल किताब वर्षफल 2036-2037

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष चाल-चलन खराब हुआ तो गुप्त रोग से दुःखी हो सकते हैं। गंदी सोहबत से आपके सम्मान पर धब्बा लगेगा और धन नष्ट हो, ऐसी आंशका है। अतः आपको इन बातों से बचना होगा। जहरीले कीट-पंतगे के काटने का भय है। टैक्स विभाग की चिंता रहेगी। चोरी-ठगी भी हो सकती है सतर्क रहें।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बड़े भाई की सेवा करें या गाय की सेवा करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य देवें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष समाज के लोगों से हमर्ददी होगी। आपको पैतृक जायदाद का लाभ मिलेगा। तीर्थ यात्रा का अच्छा फल मिलेगा। आपकी संगीत विद्या में रूचि, धार्मिक विचार या धर्म-कर्म में रूचि अधिक रहेगी। आपको विनम्र स्वभाव रखना ही शुभ है जिससे आप तरक्की के शिखर पर पहुंच जाएंगे, धन-दौलत में बरकत होगी।

चंद्र की शुभा बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. झूठ न बोलें, झूठा भोजन न खिलाये और न खायें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष साहसी और शूरवीर बनेंगे, बुरे व्यक्ति के साथ भी नेकी का सलूक करेंगे, बड़े बहन-भाई से लाभ मिल सकता है। दूसरे व्यक्ति द्वारा की गई नेकी को सदा याद रखेंगे। परिवार और समाज को सच्चाई और नेकी की राह पर चलने की सलाह देंगे, लोहा/लकड़ी, मशीनरी आदि के कामों से लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान या गिफ्ट न लेवें।
2. हाथी दांत कायम करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धन लाभ, परिवार में सभी सुखी और सुख के साधन मिलेंगे। कुल मिला कर राजयोग का समय है, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ प्राप्त हो ऐसा योग है। बहन-बेटी, बुआ-साली से भी लाभ हो सकता है। माता से धन-जायदाद का लाभ होगा मगर मातृ सुख में कमी की आंशका रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बेटी-बहन, बुआ-साली से झगड़ा न करें।
2. विधवा स्त्री से सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से अधिक लाभ नहीं होगा। ख्वाबों के महल बनाना आपकी आदत बनेगी। ख्वाबी महल न बना कर आप समय का सदुपयोग करें। साधू को कष्ट दिया, पीपल का वृक्ष उजाड़ा से तो आपको हानि का मुंह देखना पड़ेगा। संतान की चिंता, पिता-दादा का स्वास्थ्य भी खराब रह सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुरु/साधू की सेवा करें या पीपल के वृक्ष को पानी से सींचें (रविवार को छोड़कर) ।
2. तांबे का पैसा 43 दिन लगातार बहते पानी में डालें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष चाल-चलन ठीक रखें, यदि अनैतिक संबंध रखे तो इसका बुरा असर आपकी पत्नी पर पड़ेगा। पत्नी की सेहत खराब होगी या पत्नी से अच्छे संबंध न रहेंगे। पत्नी से अच्छे संबंध बनाने की कोशिश करें वर्ना संतान की चिंता और धन हानि हो सकती है। धर्म-कर्म में भी मन नहीं लगेगा, रात्रि की नींद भी खराब होगी।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बछड़े वाली गाय दान करें।
2. देसी घी का दीया जलावें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष ईश्वर भक्ति में आपका विश्वास बढ़ेगा। पिता/ससुराल से धन-संपति का लाभ होगा। कोयला, चमड़ा, मशीनरी के कामों से लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अक्ल की बारीकी से उलझनों को सुलझा लेंगे। बने बनाये मकान का लाभ मिल सकता है। धन की कमी नहीं रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. माथे पर सरसों का तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष ननिहाल या ससुराल से लाभ मिलेगा। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे चलने वाला होगा जो कि अच्छा या बुरा दोनों ही तरह का हो सकता है। चोरी के माल से सावधान रहें चोरी का इल्जाम लगने का भय होगा, धन कोष में वृद्धि होगी। दान और मुफ्त माल से परहेज करेंगें।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. सट्टा-जुआ आदि न खेलें।
2. धर्म स्थान में रिहाईश न करें या धर्म स्थान में न जायें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मिट्टी के कामों से सोना बनेगा, शहर/गोव/देश/विश्व प्रसिद्ध हो सकते हैं। समाज में आपकी ख्याति बढ़ेगी, धन का अभाव नहीं रहेगा। आपका स्वभाव कुछ शक्की बन सकता है। संतान सुख का योग भी इस वर्ष है मगर माता को कष्ट हो सकता है सास/माता की सेहत खराब या उनसे जुदाई हो सकती है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. चाल चलन खराब या अनैतिक संबंध न रखें।
2. कुत्तों से नफरत न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- बड़े भाई सगा मामा/चाचा-ताया को उपहार दे कर आशीर्वाद लेवें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।

2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।

3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।

4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।

5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।

6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर देवें।

7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।

8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।

9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें ।

10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये ।

11. बुजुर्गों के रीति -रिवाजों को न तोडें और संस्कार पूरें करें ।